CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

चौखम्बा-साहित्य

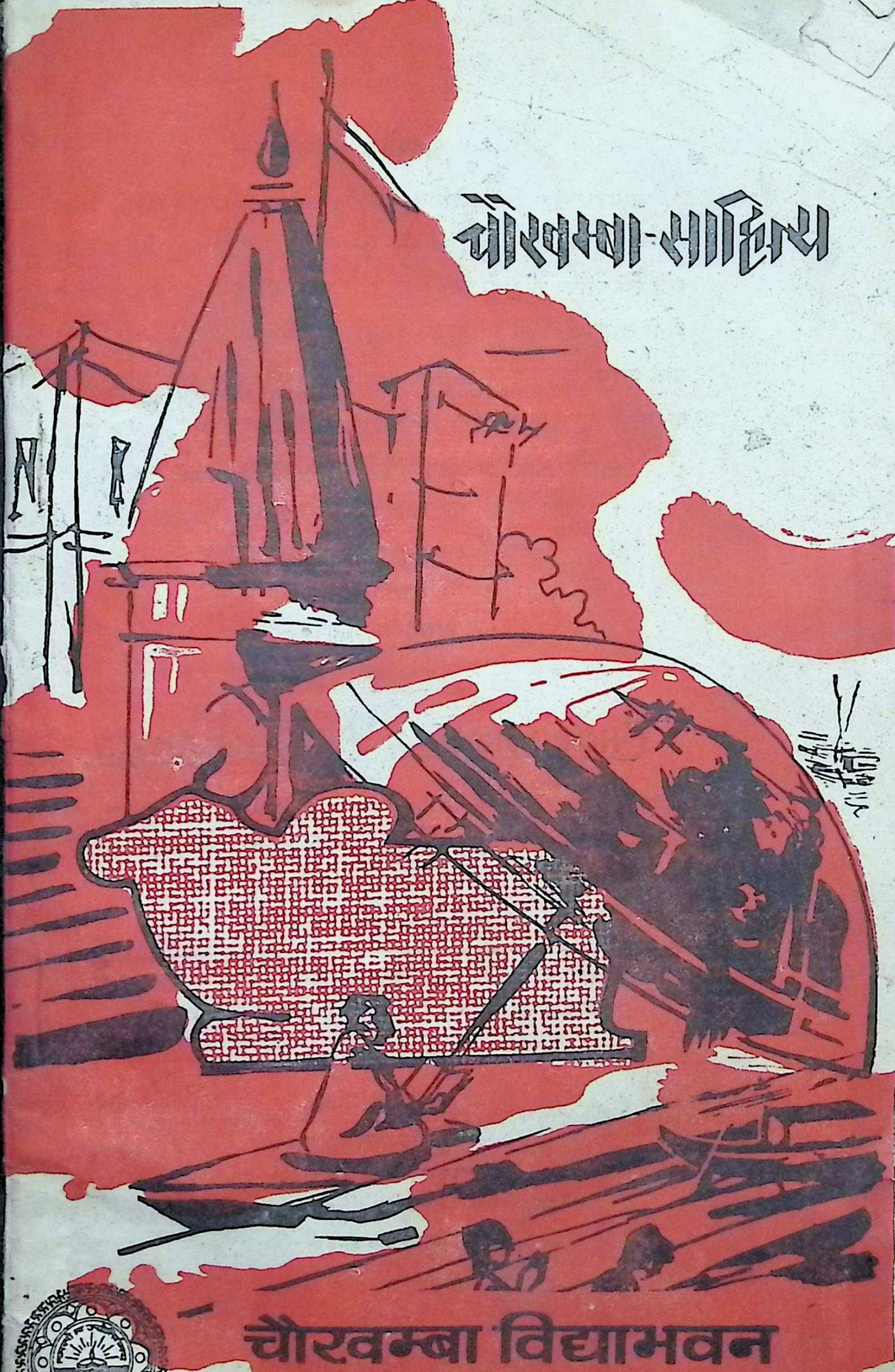

चौखम्बा विद्याभवन

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

—: आवश्यक सूचना :—

आपकी यह चिरपरिचित प्राचीन संस्था जो पहले चौक, चित्र सिनेमा के सामने (बनारस स्टेट बैंक भवन में) स्थित थी, अब व इसी बैंक भवन के ठीक पीछे स्थानांतरित हो गई है। इस बैंक भवन के दोनों तरफ से गली में होकर दुकान में जाने का रास्ता है। आप अपने सभी पत्र-व्यवहार में पूरा-पूरा पता लिखने की कृपा करें तथा अपने वाराणसी आगमन पर इसी मार्ग-दर्शन का सहारा लें—

चौखम्बा विद्याभवन

(भारतीय संस्कृति एवं साहित्य के प्रकाशक तथा वितरक)

चौक, (बनारस स्टेट बैंक भवन के पीछे)

पो० बाक्स नं० १०६९,

वाराणसी—२२१००१

* ❀ ❀

CHOWKHAMBA VIDYABHAWAN

(Oriental Booksellers & Publishers)

CHOWK (Behind The Benares State Bank Building)

P. Box No. 1069

VARANASI-221001

नोट—कृपया आप अपने सभी पत्र-व्यवहार में पूरा-पूरा पता लिखने के साथ पो० बा० नं० १०६९ का भी उल्लेख अवश्य करें।

श्रीराजशेखरप्रणीतं

बालरामायणम्

हिन्दीव्याख्यासमेतम्

व्याख्याकार—डा० गङ्गासागर राय

पुरोवाक् लेखक—पद्मभूषण आचार्य बलदेव उपाध्याय

मूल्य १००-००

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

॥ श्रीः ॥

तारः चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी   दूरध्वनि : { ६३०७६ दुकान / ५५३५७ निवास }

CATALOGUE No. 14

THE CHOWKHAMBA VIDYABHAWAN.

(Oriental Booksellers & Publishers)

CHOWK (Behind The Benares State Bank Building)
P. Box No. 1069
VARANASI-221001

चौखम्बा-साहित्य

(सूचीपत्र संख्या १४)

१९८४

चौखम्बा विद्याभवन

(भारतीय संस्कृति एवं साहित्य के प्रकाशक तथा वितरक)

चौक (बनारस स्टेट बैंक भवन के पीछे)
पो० बा० नं० १०६९
वाराणसी २२१००१

मूल्य १-००

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

निवेदन

(१) कृपया अपने प्रत्येक पत्र-व्यवहार में **चौखम्बा साहित्य संख्या १४** का उल्लेख अवश्य करने का कष्ट करें।

(२) इस सूचीपत्र में पुस्तकों के वर्तमान प्रचलित मूल्य दिये गये हैं, फिर भी कदाचित् प्रकाशकों द्वारा समय-समय पर पुस्तकों के मूल्य में परिवर्तन होते रहने से आपके आर्डर की पुस्तकें भेजते समय वर्तमान निर्धारित मूल्य लिया जायगा।

विभिन्न सूचीपत्र

निम्नलिखित विभिन्न साहित्य के पृथक-२ छपे सूचीपत्र आवश्यकतानुसार अमूल्य मंगवाकर अवलोकन करने की कृपा करें :—

(१) **चौखम्बा साहित्य** (स्वप्रकाशित ग्रन्थों का विवरण)।

(२) **संस्कृत साहित्य और वाङ्मय** (देश-विदेश में छपे संस्कृत वाङ्मय के ग्रन्थों का विवरण)।

(३) **हिन्दी साहित्य और वाङ्मय** (राष्ट्रभाषा हिन्दी में उच्चकोटि के प्रकाशित ग्रन्थों का विवरण)।

(४) **चिकित्सा साहित्य और वाङ्मय** (आयुर्वेदिक, एलोपैथिक, होमियोपैथिक, यूनानी एवं प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति के ग्रन्थों का विवरण)।

अन्य प्राप्तिस्थान—

चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन

के. ३७/११७, गोपालमन्दिर लेन,

पो० बा० नं० १०२९

वाराणसी २२१००१

* * *

चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान

(प्राच्यभारती के प्रकाशक एवं वितरक)

३८ यू. ए., जवाहरनगर, बंगलो रोड

दिल्ली ११०००७

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

सामान्य संस्कृतसेवी एवं भारतीय विद्याविद्
विद्वानों की सेवा में—

महानुभाव !

'चौखम्बा विद्याभवन' ने अपने प्रकाशनों के द्वारा संस्कृत-साहित्य एवं भारतीय विद्या की जो आज तक अपूर्व सेवा की है, वह सर्वविदित है। इसके अन्तर्गत संस्कृत वाङ्मय की सभी शाखाओं पर आकर-ग्रन्थों के अतिरिक्त उपयोगी एवं लोकप्रिय ग्रन्थों का भी प्रकाशन हुआ है, जिससे देश-विदेश के पण्डितों ने पर्याप्त लाभ उठाकर इस संस्था को गौरवान्वित किया है। हमारा उद्देश्य भारतीय सांस्कृतिक साहित्य की महान् कृतियों का प्रकाशन कर संस्कृत की अमर रचनाओं का रसास्वादन कराना है। हम इस महान् सारस्वत अनुष्ठान में अनवरत संलग्न हैं और इस संस्था की प्रतिष्ठा एवं गौरव के अनुरूप विविध प्रकार के प्रकाशनों द्वारा देववाणी का भण्डार भरने के लिए कृत-संकल्प हैं। हमें विश्वास है कि आप महानुभावों के प्रोत्साहन से हम अपनी पूर्वपरम्परा को सुरक्षित एवं संवर्धित करने में पूर्वापेक्षा अधिक शक्ति से जुटे रहेंगे।

व्यवस्थापक

चौखम्बा विद्याभवन

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

कतिपय आगामी प्रकाशन

१ **शुक्लयजुर्वेदसंहिता** । उव्वट-महीधरभाष्य । डॉ० रामकृष्णशास्त्री कृत हिन्दी टीका
२ **रावणार्जुनीयम्** । श्रीव्रजेशचन्द्र श्रीवास्तव कृत हिन्दी टीका सहित
३ **वाक्यपदीयम् (ब्रह्मकाण्ड)** । भर्तृहरिवृत्ति सहित समालोचनात्मक अनुवाद । पं० श्रीकाशीनाथ द्विवेदी
४ **संकेतनिधिः** । हिन्दी टीका सहित । श्रीसुदर्शनाचार्य
५ **भारतीय संस्कृति एवं धार्मिक विचार** । अनन्तशयनम् आयंगार
६ **भारत की आधुनिक आर्यभाषाओं का तुलनात्मक व्याकरण अनुवाद** । श्री गोविन्द झा
७ **धम्मपदकोशः** । श्री कन्छेदीलाल गुप्त
८ **कर्णार्जुनीयम्** । श्री रामाशीश पाण्डेय
९ **काव्यालङ्कारसूत्रवृत्तिः** । राजेन्द्रप्रसाद
१० **सर्व-धर्म-कोश** । डॉ० रामसरूप 'रसिकेश'
११ **मध्यसिद्धान्तकौमुदी** । संस्कृत-हिन्दी व्याख्या । पं० द्वारिकाप्रसाद द्विवेदी
१२ **मुहूर्तचिन्तामणिः** । हिन्दी टीका सहित । श्री विन्ध्येश्वरी प्रसाद
१३ **योगदर्शन-भोजवृत्तिः** । डॉ० श्रीकृष्णमणि त्रिपाठी कृत हिन्दी टीका सहित
१४ **विज्ञानभैरवम्** । संस्कृत-हिन्दी टीका । श्री बापूलाल 'आंजना'
१५ **शुक्लयजुर्वेदीय रुद्राष्टाध्यायी** । डॉ० ब्रह्मानन्द त्रिपाठी
१६ **वृत्तरत्नाकरः** । संस्कृत-हिन्दी व्याख्या सहित । पं० बलदेव उपाध्याय
१७ **मनुस्मृतिः** । १–२ अध्याय । डॉ० गजानन शास्त्री 'मुसलगाँवकर'
१८ **परिभाषेन्दुशेखरः** । 'सुबोधिनी'-हिन्दी व्याख्या सहित । आचार्य विश्वनाथ मिश्र
१९ **ग्रहलाघवम्** । संस्कृत-हिन्दी व्याख्या सहित । डॉ० ब्रह्मानन्द त्रिपाठी
२० **बाल हिन्दी-संस्कृत कोष** । रामजीलाल शर्मा
२१ **भारतीय दर्शन** । डॉ० उमाशङ्करशर्मा 'ऋषि'
२२ **भारतीय दर्शन : एक नई दृष्टि** । डॉ० जगदीशचन्द्र जैन
२३ **उत्तररामचरितम्** । संस्कृत-हिन्दीव्याख्योपेतम् । व्याख्याकारः—डॉ० रमाकान्तत्रिपाठी
२४ **संस्कृत व्याकरण में कारकतत्त्वानुशीलन** । डॉ० उमाशङ्करशर्मा ऋषि
25 Studies on Nadi Pariksha. (Sphygmology) By Dr. Sarva Deo Upadhyaya.
26 Vedic Yoga Sutra. By Shri Harishankar Joshi
२७ **शालाक्य-शास्त्र** (प्रथमखण्ड—नाक, कान तथा कण्ठ के रोग) डॉ० शिवनाथ खन्ना
२८ **'सचित्र' स्त्री-रोग चिकित्सा** । डॉ० जहानसिंह चौहान
२९ **शरीर-क्रिया-विज्ञान** । डॉ० शिवनाथ खन्ना
३० **नेत्र-विज्ञान** । डॉ० शिवनाथ खन्ना
३१ **पंचकर्म-चिकित्सा-विज्ञान** । डॉ० आर० ए० प्रसाद एवं डॉ० जी० के० गुर्जर
३२ **रस-भैषज्य परिभाषा विज्ञान** । सुरेशानन्द थपलियाल
३३ **ज्वर : एक अध्ययन** । वैद्य ओ० पी० शर्मा

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

कतिपय प्रकाशन

पौराणिकविषयानुक्रमणिका

(प्रथमो भागः)

लेखक—डॉ० श्रीकृष्णमणि त्रिपाठी

पौराणिक कथानक महत्त्वपूर्ण उपदेशों से परिपूर्ण तथा रोचक होने के कारण साधारण मनुष्यों से लेकर प्रौढ विद्वानों तक के लिए अत्यन्त माननीय और विशिष्ट शिक्षाप्रद है। इनमें प्राचीन भारत का स्वरूप स्पष्ट रूप से सामने आ जाता है। महर्षि व्यास ने पुराणों में वेदों का सार और स्मृतियों का शिक्षाप्रद उपदेश अङ्कित कर दिया है जिससे वेद-स्मृतियों के पूर्ण भाग न मिलने पर भी हमें उनके तत्त्वों का दर्शन हो जाता है। इस ग्रन्थ में पुराण विषयों के संकलयिता डा० श्रीकृष्णमणि त्रिपाठी ने अभी केवल छः पुराणों का ही विषय सङ्कलित किया है। शेष पुराणों के विषयों का सङ्कलन द्वितीय भाग में संभव है। इससे छः पुराणों के विषयों की जानकारी हो जाती है। इसमें पौराणिक कथानकों को लोकरुचि के अनुकूल बनाने का पूर्ण प्रयास किया गया है। उदात्तचरित्रों से परिपूर्ण पौराणिक आख्यानों का अनुशीलन करना प्रत्येक शिक्षित हिन्दुओं का परम कर्तव्य है। मूल्य ४०—००

पुराणपर्यालोचनम्

डॉ० श्रीकृष्णमणि त्रिपाठी

(उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा पुरस्कृत)

भारतीय वाङ्मय में पुराण-साहित्य का महत्त्वपूर्ण स्थान है। पुराणों के बिना वेदों का उपबृंहण सम्भव नहीं है। परन्तु समस्त पुराणों का अध्ययन सामान्य पाठक के लिए सहज सम्भव नहीं है। अतः सम्पू० सं० विश्वविद्यालय पुराणेतिहास विभाग के प्राध्यापक तथा अध्यक्ष डॉ० श्रीकृष्णमणि त्रिपाठी ने अनेक वर्षों के अध्ययन-अध्यापन एवं निर्वचन से प्राप्त अनुभव के आधार पर उपर्युक्त महत्त्वपूर्ण ग्रन्थ का लेखन सरलतम संस्कृत भाषा में किया है। प्रस्तुत पुस्तक में पुराणों के लोकोपयोगी विषयों का मनोवैज्ञानिक तर्कसंगत एवं हृदयस्पर्शी विवेचन निबद्ध कर विद्वान् लेखक ने पुराणजगत् को एक नवीन कृति भेंट की है। पुराणों पर की गयी शंकाओं का भी समाधान दिया गया है। विषय-प्रतिपादन की श्रेष्ठता के साथ ही इसकी भाषा अत्यन्त सरल एवं सुबोध है। यह ग्रन्थ पुराण साहित्य के अध्येताओं एवं शोधछात्रों के लिए विशेष रूप से संग्रहणीय है।

प्रथम : गवेषणात्मक भाग ५०—००
द्वितीय : समीक्षात्मक भाग ४०—००

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

कपिलपुराणम्

(समीक्षात्मकं संस्करणम्)

सम्पादक—डॉ० श्रीकृष्णमणि त्रिपाठी

यह उपपुराण अनेक मनोरञ्जक उपाख्यानों से परिपूर्ण है और इसमें पुराणविषयक महत्त्वपूर्ण ऐतिहासिक सामग्री पर्याप्तरूप से वर्णित है। अन्य पुराणों की अपेक्षा इसका कथानक अत्यन्त रुचिकर और उपादेय प्रतीत होता है। इसके सम्पादक डॉ० श्रीकृष्णमणि त्रिपाठी उत्तरप्रदेश शासन द्वारा पुरस्कृत विद्वान् हैं। इन्होंने इसके सम्पूर्ण कथानकों का सार संस्कृत-भाषा में सङ्कलित कर दिया है और अन्त में प्रत्येक अध्यायों का सारांश भी अङ्कित किया है जिससे यह उपपुराण अत्यन्त उपयोगी हो गया है। पुराण के अनुशीलन करनेवालों के लिये यह ग्रन्थ उपादेय एवं संग्राह्य है। मूल्य ४०–००

राजशेखरप्रणीतं

बालरामायणम्

हिन्दी अनुवाद सहित

अनुवादक—डॉ० गङ्गासागर राय

पुरोवाक् लेखक—पद्मभूषण आचार्य बलदेव उपाध्याय

संस्कृत वाङ्मय के इतिहास में आचार्य राजशेखर अपूर्व गौरवसम्पन्न व्यक्ति हैं, जिनकी कृतियों ने विगत एक सहस्र वर्षों तक कवियों, आलोचकों तथा साहित्यविद्या के अध्येताओं को चमत्कृत और प्रभावित करने के साथ ही साथ उनका मार्ग-दर्शन भी किया है। उन्होने नाट्यसाहित्य को अपने विशाल पाण्डित्य तथा कवित्वशक्ति से प्रतिभासम्पन्न बनाया है। वाल्मीकियरामायण पर आधृत उनका बालरामायण नाटक उनकी मौलिकता का उद्घोषक हैं। रामायणी कथा पर आश्रित यह नाटक आदिम नाटकों में से एक है और रामकथा के विकास में अपना ऐतिहासिक महत्व रखता हैं। दस अंकों वाले इस नाटक में राजशेखर ने अपनी मौलिकता और पाण्डिय का पदे-पदे प्रदर्शन किया है।

प्रकृत नाटक विगत एक सदी से दुर्लभ था। डॉ० गङ्गासागर राय ने इस दुर्लभ ग्रन्थ का प्रामाणिक हिन्दी अनुवाद के साथ सम्पादन किया है। राजशेखर जैसे पाण्डित्य वाले कवि का काव्य विना अनुवाद के सहज बोधगम्य नहीं है, अतः इस अनुवाद ने कवि की कृति को समझने और विचारने का मार्ग प्रशस्त किया है। ग्रन्थ के आरम्भ में नाटक, कवि और काव्य की परिचायिका विस्तृत एवं प्रामाणिक भूमिका है तथा अन्त में उपयोगी परिशिष्ट हैं। पद्मभूषण पण्डित बलदेव उपाध्याय ने पुरोवाक् लिखकर इस ग्रन्थ की महत्ता को बढ़ाया है।

हिन्दी अनुवाद सहित १००–००

मूलमात्र ६०–००

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

वैदिक साहित्य का इतिहास

लेखक—डा० पारसनाथ द्विवेदी

एम० ए०, पी-एच० डी०, डी० लिट्०, व्याकरण-साहित्याचार्य

संकायाध्यक्ष—साहित्य-संस्कृति-संकाय

श्रीसम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी

प्रस्तुत संस्करण अधिक व्यापक एवं प्रामाणिक होते हुए अत्यन्त सुबोध है। इसमें वैदिक वाङ्मय के साक्ष्य से अनेक मौलिक स्थापनाएँ हैं तथा वैदिक अनुशीलन का इतिहास एवं वैदिक देवताओं पर विशेष रूप से विचार किया गया है। वेदकालीन समाज की सभ्यता एवं संस्कृति के स्वरूप एवं विकास की रूप-रेखा अङ्कित है। वेद क्या है? उनकी रचना कब हुई? इनके प्रतिपाद्य विषय क्या हैं? इन सब विषय का विवेचन इस ग्रन्थ में हुआ है। लेखक ने पाश्चात्य एवं भारतीय विद्वानों के विचारों की तुलनात्मक समीक्षा करते हुए प्रतिपाद्य विषय के निदर्शन के लिए वैदिकसंहिता, ब्राह्मण, आरण्यक, उपनिषद्, सूत्र-साहित्य एवं विभिन्न ग्रन्थों तथा लेखकों के उद्धरण यथास्थान देकर विषय को अधिक सुस्पष्ट बनाने का प्रयास किया है। पुस्तक के अन्त में सन्दर्भ-ग्रन्थों की सूची एवं विषयानुक्रमणी भी दी गई है जो अनुसन्धान करने वाले छात्रों के लिए अत्यन्त उपयोगी सिद्ध होगी। वैदिक साहित्य का यह इतिहास अध्येताओं एवं शोधकर्त्ताओं के लिए अत्यन्त उपादेय सामग्री से सुसम्पन्न है। शोधकर्त्ताओं, परीक्षार्थियों एवं पुस्तकालयों के लिए यह ग्रन्थ संग्रहणीय है। छात्रों की अध्ययन सम्बन्धी कठिनाइयों को दूर करने के लिए यह संस्करण सर्वथा उपयोगी सिद्ध होगा। २५—००

अमरकोष का कोषशास्त्रीय तथा भाषाशास्त्रीय अध्ययन

लेखक—डॉ० कैलाशचन्द्र त्रिपाठी

कोषग्रन्थों में **'अमरकोष'** का प्रचलन सर्वाधिक है। यदि कहा जाय कि **'अमरकोष'** के अतिरिक्त शब्दज्ञान का व्यावहारिक लघुभूत उपाय दूसरा कोई नहीं तो इसमें अतिशयोक्ति नहीं है। इसकी उपादेयता का मूल्याङ्कन अब तक उपेक्षित रहा है। डा० कैलाशचन्द्र त्रिपाठी ने प्रस्तुत शोध-प्रबन्ध लिखकर इस अभाव की पूर्ति की है। प्रस्तुत ग्रन्थ में शोधकर्ता ने कोषविद्या के विकास एवं तुलनात्मक विश्लेषण को ध्यान में रखते हुए भाषाशास्त्रीय दृष्टिकोण को अपना कर शब्दों के स्वरूपात्मक-विवेचन में समन्वयात्मक मार्ग अपनाया है। इस कारण इस ग्रन्थ की उपयोगिता और बढ़ गई है। शब्दों की प्रायोगिक विशेषताओं की समीक्षा किये जाने से इसका व्यावहारिक पक्ष और अधिक व्यापक हो गया है। मूल्य ४०—००

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

श्रीमद्भट्टोजिविरचिता

वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी

'बालमनोरमा' एवं 'दीपिका' हिन्दी व्याख्या सहित

हिन्दी-व्याख्याकार—प्रो० गोपालदत्त पाण्डेय

श्रीयुत् भट्टोजिदीक्षित प्रणीत सिद्धान्तकौमुदी का प्रस्तुत अभिनव संस्करण एक महत्त्वपूर्ण प्रकाशन है। पाणिनि की अष्टाध्यायी पर भट्टोजिदीक्षित ने प्रक्रियोपयोगी सूत्रों का चयन कर प्रकरण-विभाग का समावेश करते हुए "सिद्धान्तकौमुदी" नामक वृत्ति-ग्रन्थ लिखा। कौमुदी का मूल आधार अष्टाध्यायी के सूत्र हैं। इसकी अनेक टीकाओं में वासुदेव दीक्षित विरचित "बालमनोरमा" बहुत प्रसिद्ध एवम् उपयोगी है।

वर्तमान समय में हिन्दी राष्ट्रभाषा होने के कारण संस्कृत के ग्रन्थरत्नों का हिन्दी में मौलिक व्याख्यान अपेक्षित है। व्याख्याकार ने व्याकरण की वैज्ञानिकता को दृष्टिगत कर 'दीपिका' व्याख्या द्वारा विषय को बोधगम्य बनाया है। साधनिका (रूपसिद्धि) करते समय प्रक्रिया के प्रत्येक चरण को तत्सम्बन्धी सूत्रों द्वारा स्पष्ट करने का (गणित के समान हल करने का) प्रयास किया है। सूत्रार्थ करते समय अनुवृत्ति-क्रम, विभक्ति-विपर्यय, शब्दों की यौगिकसिद्धि, परिभाषाओं का ज्ञापन आदि प्रकारों की उपयोगिता पर भी यथेष्ट बल दिया गया है।

प्रस्तुत संस्करण की सहायता से छात्र मूल ग्रन्थ की उपयोगिता को समझ व्याकरण-शास्त्र की व्यावहारिकता को जानने में समर्थ होंगे। केवल छात्रवर्ग ही इससे उपकृत नहीं होगा अपितु शोध-कर्ताओं के लिये भी इसमें प्रचुर सामग्री उपलब्ध होगी। प्रथम भाग : कारकान्त ५०—००, कारक प्रकरण १०—००

शेषभाग—शीघ्रप्राप्य

काशिका

'दीपिका' हिन्दी-व्याख्या-सहित

व्याख्याकार—प्रो० गोपालदत्त पाण्डेय

संस्कृत-व्याकरण के प्रक्रिया-ग्रन्थों में वामन-जयादित्य प्रणीत काशिका का महत्त्व सर्वविदित है। पाणिनि-व्याकरण की पूर्णता के प्रतीक इस ग्रन्थ पर संस्कृत में लिखी गई दो व्याख्यायें न्यास और पदमञ्जरी सुप्रसिद्ध हैं। हिन्दी में इसकी अविकलित व्याख्या अभी तक कोई नहीं लिखी गई है। इस अभाव की पूर्ति के लिये सोपानक्रमानुसार विश्लेषण-पूर्वक यह व्याख्या लिखी गई है। सूत्रार्थ की निष्पत्ति के लिये प्रकृत व्याख्या में अपेक्षित पदच्छेद, पदार्थ-निर्वचन, समास-विग्रह, वाक्य-योजना, आक्षेप तथा समाधान आदि का यथाविधि निरूपण किया गया है। अध्यायक्रमानुसार आठ खण्डों में यह ग्रन्थ शीघ्र प्रकाशित किया जा रहा है।

शीघ्रप्राप्य।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

वैदिक एवं वेदोत्तर भारतीय संस्कृति

आचार्य गङ्गाधर मिश्र

भारतीय संस्कृति के जिज्ञासु, देश-विदेश के मनीषियों तथा छात्रों के लिए सर्वथा अनुसन्धानपूर्ण, प्रामाणिक एवम् अपूर्व अनुशीलन-ग्रंथ। संस्कृत वाङ्मय के क्षीरोदधि का बोधवर्द्धक, शीलनिरूपक, मधुर नवनीत। भारत की निखरी सुछवि को विश्व-चक्षु के समक्ष रखने वाली महान् उपलब्धि। ग्रन्थागार की शोभा, संग्रहणीय, पठनीय, नितान्त रमणीय प्रकाशन। विश्वविद्यालयों के सांस्कृतिक शैक्षिक पाठचक्रम के अनुरूप, संप्राण आधार-प्रदान करने वाला, पचास वर्षों के श्रम तथा तप से लिखा गया आलोकपुञ्ज। हीरकाक्षर एवम् पुष्पाक्षर भाषा का अद्भुत, प्रभावापन्न मंजुल आकर्षण।

प्रस्तुत ग्रन्थ के रचनाकार दर्जनों शोधग्रंथों के लेखक, आपके जाने-पहचाने आचार्य पं० गङ्गाधरमिश्र है। जिनके संबंध में युगाराध्य, महाकवि श्रीसूर्यकान्त-त्रिपाठी 'निराला' तथा युगप्रवर्त्तक विश्वकवि श्री सुमित्रानन्दन पंत ने लिखा है—"वे जो कुछ भी हिन्दी में लिखेंगे, वह प्रामाणिक रचना समझी जायगी।" "हिन्दी में अभी ऐसे कृती साहित्यकार जीवित हैं, जो जीवन-पावनी गङ्गा की धारा की तरह भारतीय मनीषा को उर्वर बनाकर अपना गङ्गाधर नाम चरितार्थ कर रहे हैं। यह जानकर बड़ा सन्तोष मन को होता है।……वे मेरे लिए ऋषि तुल्य है।" मूल्य ३०—००

तर्कभाषा

'माधुरी' हिन्दी व्याख्या सहित

व्याख्याकार—डॉ० गजाननशास्त्री मुसलगाँवकर

न्याय-वैशेषिकशास्त्र के धुरन्धुर आचार्य श्री केशवमिश्र की 'तर्कभाषा' न्याय-वैशेषिकशास्त्र के पद-पदार्थों को हृदयंगम कराने में अनुपम ग्रन्थ है। इस ग्रन्थ के अध्ययन से न्याय-वैशेषिकशास्त्र में अबाधित प्रवेश हो जाता है। किन्तु वर्तमानयुग की अध्ययन-अध्यापनप्रणाली की शिथिलता से ग्रन्थ की दुर्बोधता बढ़ती जा रही है। फलस्वरूप छात्रवर्ग को न्याय-वैशेषिकशास्त्र से भय लगने लगा है। अतः ग्रन्थ की दुर्बोधता को दूर कर उसे सुबोध बनाने के हेतु हमने संकल्प किया है। विद्वान् व्याख्याकार ने ग्रन्थ की 'माधुरी' हिन्दी व्याख्या लिखकर हमारे संकल्प को साकार किया है।

प्रकृत व्याख्या ग्रंथ में मूल का अर्थ, ग्रन्थ का रहस्योद्घाटन, न्याय-वैशेषिक-शास्त्र के पद-पदार्थों का स्पष्ट परिचय, प्रासंगिक अन्यान्य शास्त्रीय विषयों का परिचय आदि विस्तार से समाविष्ट हैं। न्याय-वैशेषिकशास्त्र में व्युत्पत्ति प्राप्त करने की इच्छा रखने वाले छात्र एवं शोधकर्ता इस संस्करण से अवश्य लाभान्वित होंगे, ऐसा हमारा विश्वास है। ३५—००

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

भावप्रकाशनम्

सुविस्तृत भूमिका-टिप्पणी-हिन्दीभाष्यानुवादसहित

हिन्दीभाष्यानुवादकार—डॉ० मदन मोहन अग्रवाल

(उत्तर-प्रदेश सरकार द्वारा पुरस्कृत)

शारदातनय का भावप्रकाशन संस्कृत-नाट्य-शास्त्र की परम्परा का एक अद्वितीय रत्न है। भरत का नाट्यशास्त्र नृत्य और संगीत प्रधान है। उनके शिष्य कोहल ने लोकजीवन से सम्बन्ध रखने वाली उन सभी कलाओं, गीतों और उपरूपकों का विश्लेषण किया जिनके बीज केवल भरत में मिलते हैं या जो अछूते रह गये हैं। सागरनन्दी, रामचन्द्रगुणचन्द्र आदि ने भरत और अभिनव गुप्त के आधार पर नाट्यविद्या को सुरक्षित रखने का प्रयत्न किया था। अनेक कश्मीरी चिन्तकों ने नाट्यविद्या की विवृत्ति की थी, जिनके अब केवल नाम यत्र-तत्र सुरक्षित हैं। ऐसा जान पड़ता है कि शारदातनय के समक्ष नाट्यशास्त्र की अद्भुत परम्परा वाली व्याख्या-पद्धति अवश्य उपलब्ध रही होगी। शारदातनय ने १२ वीं शताब्दी तक की नाट्यशास्त्रीय परम्परा को भावप्रकाशन में बहुत कौशल के साथ उपनिबद्ध कर दिया है। नाट्यतत्त्व और काव्यतत्त्व दोनों एकत्र भावप्रकाशन में देखे जा सकते हैं। किन्तु शारदातनय को इतने से संतोष नहीं था। वे संगीत के परम मर्मज्ञ थे। संगीत की पारसीक परम्परा से भी वे परिचित हो चुके थे, साथ ही संगीत की दाक्षिणात्य शैली से भी वे अवगत थे। अतः शारदातनय ने बहुत ही उदारता के साथ भावप्रकाशन में इन सब को एक में गूँथ दिया है।

१००–००

JIVAGOSVAMI'S RELIGION OF DEVOTION AND LOVE

(BENGAL VAISNAVISM)

By

Jadunath Sinha M. A. Ph. D.,

Premchand Roychand Scholar

Retired Professor of Philosophy, Meerut College, Meerut.

Price Rs. 85–00

श्रीमदमरसिंहविरचितः

अमरकोषः

'रामाश्रमी'टीकोपेतः

संस्कर्ता—पं० शिवदत्त दाधिमथ

मूल्य १२५–००

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

'सचित्र' बालतन्त्र

(PEDIATRICS)

डॉ० शिवनाथ खन्ना

एम. बी. बी. एस., डी. पी. एच., आयुर्वेदरत्न

भूतपूर्व रीडर—काशी हिन्दू विश्वविद्यालय

प्राय: ५०० पृष्ठ की इस पुस्तक में लेखक ने बालकों से सम्बन्धित रोगों के लक्षण, निदान तथा चिकित्सा का विस्तारपूर्वक वर्णन किया है। संक्रामक तथा हीनताजन्य रोगों से बच्चों को बचाने की विधियाँ, बच्चों को देने के लिये औषधि की मात्रा निर्धारित करने की विधि तथा बच्चों को देने की किन-किन औषधियों में विशेष सावधानी की आवश्यकता है तथा कौन-कौन औषधि वर्जित है, का विशेष ज्ञान चिकित्सकों तथा चिकित्साशास्त्र के विद्यार्थियों को जानना आवश्यक है। किसी भी चिकित्सक के यहाँ बाल रोगियों की प्रधानता रहती है। इसलिये बच्चों की चिकित्सा के सिद्धान्तों का जानना विशेष महत्त्व रखता है। इस दृष्टि से इस पुस्तक का विशेष महत्त्व है। पुस्तक चित्रों तथा तालिकाओं से अलंकृत है। पुस्तक की भाषा अत्यन्त सरल है इसलिये चिकित्सकों के अतिरिक्त प्रत्येक परिवार में इसका रहना आवश्यक है। ५०–००

'सचित्र'

प्रसूति-तन्त्र

(OBSTETRICS)

लेखक—डॉ० शिवनाथ खन्ना

एम० बी० बी० एस०, डी० पी० एच्०, आयुर्वेदरत्न

विद्वान् लेखक ने इस जटिल विषय को अत्यन्त सरल भाषा में लिखा है जिससे चिकित्सक, चिकित्सा-विज्ञान के विद्यार्थी के अतिरिक्त नर्स, मिड-वाइफ तथा साधारण जनता भी आसानी से समझ सके। प्रत्येक विषय को चित्रों द्वारा समझाया गया है। इसमें प्रसूति सम्बन्धी विषय प्रधानतः ४ खण्डों में विभाजित किया गया है। यथा—प्रथम खण्ड—इसमें गर्भावस्था सम्बन्धी विषय का वर्णन किया गया है। द्वितीय खण्ड—इसमें प्रसव (Delivery) कराने की विधि, प्रसव के समय की कठिनाई तथा उसके उपचार आदि का वर्णन है। तृतीय खण्ड—इसमें प्रसूतावस्था (Purperium) के समय की सावधानी, विकार, उपद्रव आदि की चिकित्सा का वर्णन है। चतुर्थ खण्ड—इसमें पारिभाषिक-शब्द, औषधि आदि की तालिका है। पुस्तक सभी दृष्टि से परम उपयोगी बनाई गई है। (डिमाई १६ पेजी, पृष्ठ ७५०) ५०–००

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

'सचित्र'

शालाक्य-शास्त्र

(प्रथम खण्ड—नाक, कान तथा कण्ठ के रोग)

(DISEASES OF NOSE, EAR & THROAT)

लेखक—डॉ० शिवनाथ खन्ना

एम० बी० बी० एस०, डी० पी० एच्, आयुर्वेदरत्न

प्राय: ४०० पृष्ठों की इस छोटी-सी पुस्तक में लेखक ने नाक, कान तथा कण्ठ के रोगों का वर्णन करने के साथ-साथ चित्रों सहित इन रोगों की चिकित्सा में काम आने वाले यंत्रों का भी वर्णन किया है। पुस्तक अत्यन्त सरल भाषा में लिखी गई है जिससे विद्यार्थी तथा साधारण पाठक को समझने में कोई कठिनाई न हो। इन रोगों से सम्बन्धित शल्य-कर्म का भी विस्तारपूर्वक वर्णन किया गया है। चिकित्सा-विज्ञान के विद्यार्थी तथा चिकित्सकों के लिये पुस्तक अत्यन्त लाभकारी है। पुस्तक को प्राय: ४ खण्डों व ५० अध्यायों में विभाजित किया गया है। प्रत्येक खण्ड में प्रारम्भ में रोग से सम्बन्धित शरीर-रचना (Anatomy), शरीर-क्रिया (Physiology) का वर्णन करने के पश्चात् रोग के लक्षण, निदान, चिकित्सा आदि का वर्णन किया गया है। शीघ्रप्रकाश्य !

•

'सचित्र' स्त्री-रोग चिकित्सा

लेखक—डॉ० जहानसिंह चौहान

आयुर्वेदाचार्य, आयुर्वेदरत्न

अद्यावधि हिन्दी में प्रकाशित पुस्तकों में यह पहली पुस्तक है जिसमें स्त्री-रोग विषयक गम्भीर से गम्भीर एवं साधारण से साधारण रोगों का विस्तृत वर्णन किया गया है। इस पुस्तक के लेखक श्री चौहान जी एक कुशल एवं सिद्धहस्त चिकित्सक एवं लेखक हैं। आपका एलोपैथिक एवं आयुर्वेद चिकित्सा पर समान अधिकार है। पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित आपके लेखों को चिकित्सक-वर्ग, छात्र-वर्ग एवं गवेषणात्मक-वर्ग के महान् पुरुषों ने पढ़कर प्रशंसा की है एवं सराहा है।

स्त्री-रोग चिकित्सा के निर्माण में विद्वान् लेखक को घोर परिश्रम करना पड़ा है क्योंकि विद्वान् लेखक को आज तक बाजार में प्राप्त स्त्री-रोग विषयक पुस्तकों को पढ़कर निराशा का सामना करना पड़ा है। कुछ विद्वानों के आग्रह पर यह दुरूह कार्य लेखक ने सहर्ष स्वीकार किया और आज तक स्त्री रोग पर छपी पुस्तकों में यह सबसे उत्तम सिद्ध होगी ऐसा अपना अनुभव है, क्योंकि सांगोपांग चिकित्सा एवं शल्य-क्रिया वर्णन इस संस्करण की विशेषता है। यह पुस्तक गवेषणात्मकों के लिये, सहायक चिकित्सकों के लिए हृदय-हार तथा छात्रों के लिए विशेष परीक्षोपयोगी सिद्ध होगी।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

एलोपैथिक की पेटेण्ट औषधियाँ

(Allopathic Patent Medicines)

डॉ० शिवनाथ खन्ना—एम. बी. बी. एस., डी. पी. एच.

रोगपरिचय, रोगनिवारण, क्लिनिकल पैथोलोजी—आदि के यशस्वी लेखक द्वारा लिखित यह पुस्तक चिकित्सकों के लिये विशेष लाभप्रद है। इस उपयोगी पुस्तक में प्रतिष्ठित औषधि निर्माताओं की औषधियों के गुण, घटक, प्रयोग तथा सावधानियों का विस्तारपूर्वक वर्णन है। मुख से देने वाली गोलियाँ, पाउडर, मिक्श्चर, इन्जेक्शन द्वारा दी जाने वाली औषधियाँ तथा शरीर के विभिन्न भागों में लगाई जाने वाली औषधियों का अलग अलग अध्याय में वर्णन किया गया है। अन्त में चिकित्सकों की सुविधा के लिये किस रोग तथा लक्षण में किस औषधि से लाभ हो सकता है, पृष्ठ के अनुसार वर्णन किया गया है। ३०-००

आयुर्वेद की पेटेण्ट औषधियाँ

डॉ० जहानसिंह चौहान

जैसा कि ग्रन्थ का विषय उपर्युक्त शीर्षक से ही स्पष्ट है तथापि इस ग्रन्थ की अपनी कुछ विशेषतायें हैं, जैसे—प्रथम खण्ड में—मुख द्वारा सेवन किये जाने वाले अनेक योग, द्वितीय खण्ड में—बाह्य प्रयोग की औषधियाँ तथा तृतीय खण्ड में—इन्जेक्शन द्वारा प्रयुक्त होने वाले प्रयोग। पाठकों की सुविधा के लिये पुस्तक के आरम्भ में औषधि प्रयोग सूची दी गयी है। ग्रन्थ के अन्त में प्रधान रोग और उसके विभिन्न लक्षणों में प्रयुक्त होने वाली औषधियों की तालिका भी दी गयी है। प्रस्तुत पुस्तक में सुप्रसिद्ध २३ आयुर्वेदिक प्रतिष्ठानों के पेटेंट औषध-योग भी दिये गये हैं। अतः यह पुस्तक सर्वांगसुन्दर अतएव सभी के संग्रह करने योग्य है। २५–००

(सरस) दोष-धातु-मलविज्ञान

डॉ० बसन्तकुमार श्रीमाल

डॉ० श्रीमाल द्वारा लिखित 'सरस दोष-धातु-मल-विज्ञान' अपने ढंग का एक प्रामाणिक ग्रन्थ है। इसमें लघुत्रयी एवं बृहत्त्रयी के शास्त्रीय उद्धरणों तथा सम्बन्धित विषय के आधुनिक मनीषियों के प्रामाणिक विचारों का अनुपम संयोग है। विषय-विवेचन की मौलिकता ग्रन्थकार की अपनी है। जिसको उन्होंने पाँच अध्यायों में दर्शाया है, साथ ही ग्रन्थ से सम्बन्ध रखनेवाले वे अवशिष्ट विषय जो उक्त पाँच अध्यायों में नहीं आ सके थे उनको परिशष्ट में दे दिया है। अतः यह पुस्तक लेखक की मौलिकता तथा शास्त्र की प्रामाणिकता से पूर्ण और परीक्षोपयोगी है। मूल्य १५–००

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

वर्त्तमान शताब्दी का प्रतिनिधि मौलिक निघण्टु-ग्रन्थ

प्रियव्रतशर्मकृतः

प्रियनिघण्टुः

तत्कृतया पद्माख्य-हिन्दीव्याख्यया संवलितः

अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति के लब्धप्रतिष्ठ विद्वान् आचार्य प्रियव्रत शर्मा जी द्रव्य-गुण के अधिकारी एवं मर्मज्ञ मनीषी माने जाते हैं। द्रव्यगुणशास्त्र पर इनके द्वारा विरचित प्रभूत वाङ्मय प्रामाणिक सामग्री के रूप में देश-विदेश में सर्वं-विदित है। प्रस्तुत ग्रन्थ इसी श्रृंखला में एक अभिनव अवदान है जो निघण्टुओं की प्राचीन शैली पर आचार्यजी द्वारा स्वरचित ललित संस्कृत श्लोकों में निबद्ध है तथा समस्त द्रव्यगुण के सार को समाहित किये हैं। इसमें व्यवहारोपयोगी सभी द्रव्यों का परिचय तथा प्रमुख गुण-कर्म एवं प्रयोग दिये गये हैं, साथ-साथ वैज्ञानिक अनुसन्धान से उपलब्ध नवीन तथ्यों का भी समावेश किया गया है जिससे विषय का ज्ञान सरलता से हृदयंगम हो जाता है। इस प्रकार प्राचीन एवं नवीन का इसमें अद्भुत समन्वय होने के कारण वर्तमान काल का यह प्रतिनिधि निघण्टु है।

छात्रों तथा चिकित्सकों के लिए यह प्रिय एवं अत्युपयोगी होने के साथ-साथ अध्यापकों और शोधकर्त्ताओं के लिए भी पथ-प्रदर्शक होगा, इसमें कोई सन्देह नहीं। २०—००

सर्व-धर्म-कोश

डॉ० रामसरूप 'रसिकेश'

शास्त्री, एम० ए०, पी-एच. डी., विद्यावाचस्पति

क्या यह लज्जा से डूब मरने का मकाम नहीं कि हम धर्म व मजहब के नाम पर आये दिन सैकड़ों-सहस्रों निर्दोष बच्चों, स्त्रियों व पुरुषों का खून बहाते हैं तथा करोड़ों-अरबों की संपत्ति स्वाहा कर देते हैं? यह सब हो रहा है—पुलिस, सेना व एकता-परिषदों की मौजूदगी में भी। क्यों? इसलिए कि हम केवल अपने ही धर्म का अध्ययन कर उसे ही सर्वोत्तम मान लेते हैं। जब तक हम सभी धर्मों का अध्ययन न करेंगे, तब तक यह क्रूर मार-काट जारी रहेगी और हम मगर-मच्छी आँसू बहाते रहेंगे। इसी विकट राष्ट्रीय समस्या के समाधान के लिए विद्वान् यशस्वी व अनुभवी लेखक ने वर्षों तक सभी धर्मों का सहानुभूति-पूर्वक अध्ययन कर इस अमूल्य ग्रंथ की रचना की है। इसके अध्ययन से हम सभी धार्मिक, नैतिक व सामाजिक विषयों पर सब धर्मों के विचार तुरन्त जान लेंगे तथा परस्पर गला काटने के स्थान पर गले मिलेंगे। विस्तृत भूमिका में धर्म का उद्भव, विकास, धर्म-संस्थापकों व धर्म-ग्रन्थों का परिचय दिया गया है। विषय वर्णमाला-क्रमानुसार तथा उद्धरण काल-क्रमानुसार हैं। निस्सन्देह यह ग्रंथ प्रत्येक घर, पुस्तकालय, मन्दिर, मस्जिद, गिरजे आदि में रखने व पढ़ने योग्य है।

यन्त्रस्थ

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

परिभाषेन्दुशेखरः

'सुबोधिनी' हिन्दीव्याख्योपेतः

व्याख्याता—आचार्यविश्वनाथमिश्रः

नागेशभट्ट विरचित परिभाषेन्दुशेखर व्याकरणशास्त्र का प्रौढ एवं महनीय ग्रन्थ है। इसकी सर्वाङ्गीण उपयोगिता को घ्यान में रखकर प्राचीन एवं अर्वाचीन विद्वानों ने इसके ऊपर विभिन्न संस्कृत व्याख्याएँ लिखी हैं। किन्तु इस पुस्तक के ऐसे व्याख्यान का आजतक अभाव ही रहा है जिसमें प्रत्येक पंक्ति की स्पष्ट एवं बोधगम्य व्याख्या की गई हो। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए श्री विश्वनाथ मिश्र ने इसकी सुबोधिनी नामक विस्तृत हिन्दी व्याख्या की है। परिभाषेन्दु के मूल के अर्थ का भलीभाँति स्पष्टीकरण इस व्याख्या का उद्देश्य है। इसमें सन्देह नहीं कि यह व्याख्या अपने उद्देश्य की पूर्ति पूर्णरूपेण सफल है।

प्रकृत व्याख्या में प्रत्येक पंक्ति के अर्थ को विस्तार से समझाया गया है। परिभाषाओं के अवतरण में आये हुए प्रत्येक प्रयोग की सिद्धि करके पूर्वपक्ष का उपस्थापन बड़ी सरलता से किया गया है। मूल में आये हुए "अतएव तेंन, तस्मात् यतः" इत्यादि सापेक्ष एवं भावगाम्भीर्यपूर्ण शब्दों का स्पष्टीकरण भलीभाँति किया गया है। व्याख्या इतने विस्तार से की गई है जिससे परिभाषा का कोई भी व्याख्येय अंश अछूता नहीं रह गया है। व्याकरणशास्त्रीय पारिभाषिक शब्दों का विस्तृत परिचय भूमिका में दे दिया गया है, जिससे परिभाषाओं को समझने में और भी सरलता हो गई है। परिभाषेन्दुशेखर के निर्भ्रान्त ज्ञान के लिये यह टीका परमोपयोगिनी है। यन्त्रस्थ

THE PHILOSOPHY OF NIMBARKA

Dr. Madan Mohan Agrawal

'The Philosophy of Nimbarka' in two parts, viz. (1) The Dvaitadvaita Philosophy (2) Relation of Jiva and Brahman, is a result of painstaking research and critical evolution of various philosophical issues along modern methods of Scientific research. The concept of relation has been the central point of discussion among Non-dualist, Shaivite and Vaishnavite scholars. The Nimbarka-school of Vaishnavism has also not remainded behind in this context and has made notable contribution to the subject. The author has endeavoured to discuss the different types of relation of difference and non-difference, origin and development of difference and non-difference, with special reference to the natural difference and non-difference. Hence, the book is expected to stir interest in a great number of readers.

75–00

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

THE DOCTRINE OF THE 'TANTRAYUKTI–S'.

Dr. W. K. Lele

The author of the present book has discovered that the ancient Indian intellectuals had envisaged a perfect 'Methodology of Composing Theoretico-Scientific Treatises.' It was encoded in verbal and significative devices, thirty-six in number, known as the 'Tantrayukti-s'. The 'Tantrayukti-doctrine' emerged before the fifth century B. C. and had at least five traditions. Scientific works in all disciplines were written in conformity with the Tantrayukti-s.

The author has decoded the Tantrayukti-doctrine. Besides defining, detailing and discussing the above-mentioned verbal and significative devices, he has demonstrated their actual applications in the works on Sanskrit Poetics.

The author has shown that these tantrayukti-s enable the reader to understand the unexpressed, the slightly expressed, the tangentially expressed, and the concealed meanings of different scientific topics and concepts. Thus these yukti-s dispel ignorance and throw light on the true and full knowledge of a theoretico-scientific subject. Therefore, perfect knowledge of the 'Tantrayukti-s' is a MUST for every student and critic of ancient Indian scientific treatises.

The present book which promises to open-up new areas of research, is the only book of its kind so far published. 50–00

STUDIES ON NADI PARIKṢHA (Sphygmology).

Dr. Sarva Deo Upadhyaya

This book entitled Studies on Nadi Pariksha (Sphygmology) is an humble attempt to re-establish the principles and practice of Nadipariksha on universal basis. Varanasi has always attracted patients to seek the diagnosis and treatment based on Nadipariksha. The national and international reputation of Pandit Satya Narayan Shastri, as an expert in Nadi Pariksha diagnosis was too well known for repetition here. The patients who visit Ayurvedic physicians for treatment are still inclined to be diagnosed by Nadi Pariksha. Systematic and comprehensive training of Nadi Pariksha in Ayurvedic colleges could not be standardized due to lack of data based on scientific research. On that basis Nadi Pariksha was considered necessary before starting the treatment.

It is hoped that this work will pave the way and stimulate systematic and scientific studies on pulse examination a hitherto a less cared area for research in Ayurveda. In the Press

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

॥ श्रीः ॥

चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी के प्रकाशन

(भारतवर्ष के प्रायः सभी विश्वविद्यालयों एवं समस्त संस्कृत शिक्षा-संस्थानों के पाठ्यक्रम में निर्धारित परीक्षा-पाठ्य एवं परीक्षोपयोगी ग्रन्थों का विवरण)

विद्याभवन संस्कृत ग्रन्थमाला

१ **वेदान्तसारः (वेदान्तः)**। सदानन्द । 'भावबोधिनी' संस्कृत-हिन्दी व्याख्या सहित । श्री रामशरण त्रिपाठी शास्त्री ९-००

२ **वासवदत्ता (गद्यकाव्यम्)**। महाकवि सुबन्धु । 'चपला' संस्कृत-हिन्दी व्याख्या सहित । पं० शङ्करदेव शास्त्री १५-००

३-५ **संस्कृतालोकः (व्याकरणम्)**। पं० रामबालक शास्त्री । १-३ किरण ६-००

६ **तर्कामृतम् (न्यायः)**। श्री जगदीश भट्टाचार्य । 'प्रकाश' संस्कृत-हिन्दी व्याख्या सहित । आचार्य रामचन्द्र मिश्र ३-००

७ **दशरूपकम् (अलङ्कारः)**। धनञ्जयकृतम् । धनिककृत 'अवलोक' संस्कृत टीका एवं 'चन्द्रकला' हिन्दी टीका सहित । डॉ० भोलाशङ्कर व्यास २५-००

८ **शिशुपालवधम् (काव्यम्)**। महाकवि माघ । मल्लिनाथकृत 'सर्वङ्कषा' संस्कृत टीका एवं 'मणिप्रभा' हिन्दी व्याख्या सहित । पं० हरगोविन्द शास्त्री
१-६ सर्ग १५-०० सम्पूर्ण ७०-००

९ **संस्कृत स्वयं-शिक्षक प्रभा (व्याकरणम्)**। गौरीशंकर शास्त्री ५-००

१० **महावीरचरितम् (नाटकम्)**। महाकवि भवभूति । 'प्रकाश' संस्कृत-हिन्दी टीका सहित । आचार्य रामचन्द्र मिश्र २०-००

११ **रसगङ्गाधरः (अलङ्कारः)**। पण्डितराज जगन्नाथ । आचार्य बदरीनाथ कृत 'चन्द्रिका' संस्कृत टीका एवं आचार्य मदनमोहन झा कृत हिन्दी टीका सहित । १-३ भाग सम्पूर्ण १६५-०० । प्रथमाननपर्यन्त प्रथम भाग ३५-००
द्वितीयानन का उत्प्रेक्षानिरूपणान्त द्वितीय भाग ६५-००
अतिशयोक्त्यलङ्कारादिसमाप्तिपर्यन्त तृतीय भाग ६५-००

१२ **कर्पूरमंजरी (नाटकम्)**। राजशेखर । 'मकरन्द' संस्कृत-हिन्दी व्याख्या सहित । श्रीरामकुमार आचार्य १०-००

१३ **संस्कृत वाङ्मय परिचय (साहित्येतिहासः)**। मधुसूदन प्रसाद मिश्र यन्त्रस्थ

१४ **प्रबोधचन्द्रोदयम् (नाटकम्)**। श्रीकृष्णमिश्र । 'प्रकाश' संस्कृत-हिन्दी टीका सहित । आचार्य रामचन्द्र मिश्र १५-००

१५ **काव्यप्रकाशः (अलङ्कारः)**। आचार्य मम्मट । 'शशिकला' हिन्दी टीका सहित । डॉ० सत्यव्रत सिंह । सम्पूर्ण ४०-००

१६ **ऋतुसंहारम् (काव्यम्)**। महाकवि कालिदास । 'प्रभा' हिन्दी टीका सहित । श्री केदारनाथ शर्मा २-००

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

१७ **पञ्चतन्त्रम् (नीति-काव्यम्)** । श्रीविष्णुशर्मा । 'सरला' हिन्दी टीका ।
श्रीगोकुलदास गुप्त सम्पूर्ण ३०–००
मित्रभेद [प्रथम तन्त्र] १०–०० मित्रसम्प्राप्ति [द्वितीय तन्त्र] ५–००
काकोलूकीय [तृतीय तन्त्र] ६–०० लब्धप्रणाश [चतुर्थ तन्त्र] ४–००
अपरीक्षितकारक [पञ्चम तन्त्र] श्रीकृष्णमणित्रिपाठी कृत संस्कृत-हिन्दी व्याख्या ६–५०

१८ **प्रियदर्शिका (नाटकम्)** । श्रीहर्ष । 'प्रकाश' संस्कृत-हिन्दी टीका सहित ।
आचार्य रामचन्द्र मिश्र ८–००

१९ **अहिबलचक्रम् (ज्यौतिषम्)** । सान्वय 'शिशुतोषिणी' हिन्दी टीका सहित ।
पं० श्री विन्ध्येश्वरीप्रसाद द्विवेदी २–००

२० **प्रसन्नराघवम् (नाटकम्)** । महाकवि जयदेव । 'चन्द्रकला' संस्कृत-हिन्दी
टीका सहित । आचार्य श्री शेषराजशर्मा 'रेग्मी' २०–००

२१ **भोजप्रबन्धः (काव्यम्)** । वल्लालसेन । 'राज्यश्री' हिन्दी टीका सहित ।
पं० केदारनाथ शर्मा । डॉ० भोलाशङ्करव्यास सम्पादित ८–००

२२ **लघुमन्जूषारहस्यम् (व्याकरणम्)** । [वैं० सि० लघुमन्जूषा-प्रश्नोत्तरी]
स्वामी रामेश्वर पुरी ५–००

२३ **काव्यप्रबन्धः (काव्यम्)** । पं० बालकृष्णभट्ट शास्त्री ७–५०

२४ **कुवलयानन्दः (अलङ्कारः)** । अप्पयदीक्षित । 'अलङ्कारसुरभि' हिन्दी टीका ।
डॉ० भोलाशङ्कर व्यास ४०–००

२५ **अमृतमन्थन अथवा जीवन का दिव्यपक्ष (वेदान्तः)** । भाषा ।
डॉ० मङ्गलदेव शास्त्री १५–००

२६ **चम्पूरामायणम् (चम्पूः)** । 'प्रकाश' संस्कृत-हिन्दी टीका सहित ।
आचार्य रामचन्द्र मिश्र । बालकाण्ड ७–५०, सुन्दरकाण्ड ५–०० सम्पूर्ण २०–००

२७ **संस्कृतपाठमाला (व्याकरणम्)** । पं० राहुल सांकृत्यायन । प्रथम भाग २–००
द्वितीय भाग २–००, तृतीय भाग २–००, चतुर्थ भाग २–००, पञ्चम भाग २–००
सम्पूर्ण १–५ भाग १०–००

२८ **श्रीमद्वाल्मीकीयरामायणम् (भारतादि इतिहास)** । मूलमात्र ।
सम्पादक—पं० शिवरामशर्मा वशिष्ठ ८०–००

२९ **साहित्यदर्पणम् (अलङ्कारः)** । विश्वनाथकविराज । 'शशिकला' हिन्दी
टीका सहित । डॉ० सत्यव्रत सिंह १–६ परिच्छेद ५०–००
७–१० परिच्छेद २५–०० सम्पूर्ण ७०–००

३० **चन्द्रालोकरहस्यम् (अलङ्कारः)** । [चन्द्रालोक-प्रश्नोत्तरी] । जे० एल०
मानवल्ली तथा जी० ए० वेताल ८–००

३१ **चम्पूभारतम् (चम्पूः)** । अनन्तभट्ट । 'प्रकाश' संस्कृत-हिन्दी टीका सहित ।
आचार्य रामचन्द्र मिश्र ४०–००

३२ **अदर्श-हिन्दी-संस्कृत-कोशः (कोशः)** । डॉ० रामस्वरूप शास्त्री ।
(द्वितीय संशोधित एवं परिवर्द्धित संस्करण १९७९ ई०) १००–००

३३ **वाग्भटालङ्कारः (अलङ्कारः)** । सिंहदेवगणि विरचित संस्कृत व्याख्या ।
डॉ० सत्यव्रतसिंह कृत 'शशिकला' हिन्दी टीका सहित ८–००

३४ **श्रुतबोधः (छन्दः)** । महाकवि कालिदास । सान्वय 'विमला' संस्कृत-हिन्दी
टीका सहित । श्री कनकलाल ठक्कुर एवं ब्रह्मशङ्कर मिश्र १–५०

३५ **पञ्चरात्रम् (नाटकम्)** । महाकवि भास । 'प्रकाश' संस्कृत-हिन्दी
टीका सहित । आचार्य रामचन्द्र मिश्र ८–००

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

३६ **हर्षचरितम् (गद्यकाव्यम्)**। महाकवि बाणभट्ट। श्री शङ्कर कवि विरचित 'सङ्केत' टीका। आचार्य जगन्नाथ पाठक कृत हिन्दी टीका सहित। १–२ उच्छवास १०–००, १–४ उच्छ्वास २०–०० सम्पूर्ण ३०–००

३७ **काव्यादर्शः (अलङ्कारः)**। महाकवि दण्डी। 'प्रकाश' संस्कृत-हिन्दी टीका सहित। आचार्य रामचन्द्र मिश्र यंत्रस्थ

३८ **कृषकाणां नागपाशः (नाटकम्)**। डॉ० श्री भगीरथप्रसाद त्रिपाठी २–००

३९ **प्रतिज्ञायौगन्धरायणम् (नाटकम्)**। महाकवि भास। 'प्रकाश' संस्कृत-हिन्दी टीका सहित। पं० श्री कपिलदेव गिरि ८–००

४० **कथा-संवर्तिका (गद्यकाव्यम्)**। डॉ० श्री भगीरथप्रसाद त्रिपाठी २–००

४१ **बृहत्संहिता (ज्यौतिषम्)**। वराहमिहिर। 'विमला' हिन्दी टीका सहित। पं० श्री अच्युतानन्द झा ६०–००

४२ **संस्कृतव्याकरणम् (व्याकरणम्)**। पं० श्री रामचन्द्र झा १५–००

४३ **नृसिंहचम्पूः (चम्पूः)**। श्रीसूर्य। 'प्रकाश' संस्कृत-हिन्दी टीका सहित डॉ० सूर्यकान्त शास्त्री १०–००

४४ **अभिनव-बृहज्ज्यौतिषसारः (ज्योतिषम्)**। हिन्दी टीका सहित। श्री वादेसुव गुप्त २५–००

४५ **ऋग्वेदभाष्यभूमिका (वेदः)**। सायणाचार्य। हिन्दी टीका सहित। आचार्य जगन्नाथ पाठक ७–००

४६ **चारुदत्तम् (नाटकम्)**। महाकवि भास। 'प्रकाश' संस्कृत-हिन्दी टीका सहित। आचार्य श्री कपिलदेव गिरि ८–००

४७ **अनर्घराघवम् (नाटकम्)**। मुरारि कवि। 'प्रकाश' संस्कृत-हिन्दी टीका सहित। आचार्य रामचन्द्र मिश्र ३०–००

४८ **छन्दोविंशतिका (छन्दः)**। 'विमला' हिन्दी टीका। पं० रामचन्द्र झा ०–७५

४९ **संस्कृतसाहित्येतिहासः (साहित्येतिहासः)**। आचार्य रामचन्द्र मिश्र २०–००

५० **कर्णभारम् (नाटकम्)**। महाकवि भास। 'प्रकाश' संस्कृत-हिन्दी टीका सहित। पं० श्री रामजी मिश्र ४–००

५१ **दूतघटोत्कचम् (नाटकम्)**। महाकवि भास। 'प्रकाश' संस्कृत-हिन्दी टीका सहित। पं० श्री रामजी मिश्र ४–००

५२ **दूतवाक्यम् (नाटकम्)**। महाकवि भास। 'प्रकाश' संस्कृत-हिन्दी टीका सहित। पं० श्री रामजी मिश्र ४–००

५३ **मध्यमव्यायोगः (नाटकम्)**। महाकवि भास। 'प्रकाश' संस्कृत-हिन्दी टीका सहित। पं० श्री रामजी मिश्र ४–५०

५४ **कौमुदी-कथा-कल्लोलिनी (व्याकरणम्)**। प्रो० रामशरण शास्त्री यन्त्रस्थ

५५ **गाथासप्तशती (काव्यम्)**। शालिवाहन हाल। हिन्दी टीका सहित। श्री नर्मदेश्वर चतुर्वेदी यन्त्रस्थ

५६ **बालचरितम् (नाटकम्)**। महाकवि भास। 'प्रकाश' संस्कृत-हिन्दी टीका सहित। पं० श्री रामजी मिश्र ८–००

५७ **निरुक्तम् (वेदः)**। यास्क। १–७ अध्याय। हिन्दी टीका सहित। डॉ० उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि'। (नवीन संशोधित संस्करण) ४०–००

५८ **अभिज्ञानशाकुन्तलम् (नाटकम्)**। महाकवि कालिदास। हिन्दी टीका सहित। श्री देवदत्त शास्त्री। चतुर्थ अङ्क ५–००

५९ **प्राकृतपुष्करिणी (काव्यम्)**। हिन्दी अनुवाद युक्त। डॉ० जगदीशचन्द्र जैन ८–००

६० **सिद्धान्तकौमुदी (व्याकरणम्)**। भट्टोजिदीक्षित। **कारकप्रकरणम्** हिन्दी टीका सहित। डॉ० उमेशचन्द्र पाण्डेय ४–००

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

६१ **वैराग्यशतकम् (वेदान्तः)**। भर्तृहरि। हिन्दी टीका सहित। जगन्नाथ शास्त्री होसिंग तथा राधेलाल त्रिवेदी ५–००

६२ **लीलावती (ज्यौतिषम्)**। भास्कराचार्य। सोपपत्तिक-सोदाहरण 'तत्त्वप्रकाशिका' संस्कृत-हिन्दी टीका सहित। पं० श्री लखणलाल झा २५–००

६३ **संस्कृत व्याकरण की उपक्रमणिका (व्याकरणम्)**। स्व० ईश्वरचन्द्र विद्यासागर। हिन्दी टीका सहित। अनुवादक–श्री गोपालचन्द्र वेदान्तशास्त्री ६–२५

६४ **कादम्बरी-शुकनासोपदेशः (गद्यकाव्यम्)**। महाकवि बाणभट्ट। 'उत्तमा' एवं 'मालती' संस्कृत-हिन्दी टीका सहित। पं० रमाकान्त झा तथा पं० हरिहर झा ८–००

६५ **कादम्बरी–महाश्वेतावृत्तान्तः (गद्यकाव्यम्)**। महाकवि बाणभट्ट। हिन्दी टीका सहित। श्री प्रद्युम्न पाण्डेय १५–००

६६ **नवसाहसाङ्कचरितम् (काव्यम्)**। आचार्य परिमलपद्मगुप्त। हिन्दी टीका सहित। श्री जितेन्द्रचन्द्र शास्त्री ५०–००

६७ **शृङ्गारशतकम् (काव्यम्)**। भर्तृहरि। व्याख्या तथा पद्यानुवाद सहित। जगन्नाथ शास्त्री होसिंग तथा राधेलाल त्रिवेदी ५–००

६८ **संस्कृतव्याकरणोदयः (व्याकरणम्)**। डॉ० जयमन्त मिश्र १५–००

६९ **सुभद्राहरणम् (नाटकम्)**। माधवभट्ट। 'प्रकाश' हिन्दी टीका सहित। आचार्य त्रिनाथ शर्मा ५–००

७० **कौषीतकिब्राह्मणपर्यालोचनम्** अथवा **कौषीतकिब्राह्मण आचार-विचाराः (वेदः)**। डॉ० मङ्गलदेव शास्त्री १०–००

७१ **अलङ्कारपीयूषः (अलङ्कारः)**। हिन्दी टीका युक्त। डॉ० गङ्गासागर राय ५–००

७२ **संस्कृत-व्याकरण-कौमुदी (व्याकरणम्)**। स्व० ईश्वरचन्द्र विद्यासागर। हिन्दी टीका सहित। पं० गोपालचन्द्र वेदान्तशास्त्री। प्रथम भाग ६–२५ द्वितीय भाग ६–२५ तृतीय भाग ६–२५ चतुर्थ भाग ६–२५ सम्पूर्ण २५–००

७३ **अविमारकम् (नाटकम्)**। महाकवि भास। 'प्रकाश' संस्कृत-हिन्दी टीका सहित। आचार्य श्री रामचन्द्र मिश्र ८–००

७४ **न्यायकुसुमाञ्जलिः (न्यायः)**। श्री उदयनाचार्य। हरिदास भट्टाचार्य कृत 'हरिदासी' संस्कृत टीका एवं 'कुसुमाञ्जलिपरिमल' हिन्दी टीका सहित। हिन्दी व्याख्याकार—आचार्य विश्वेश्वर सिद्धान्तशिरोमणि ३५–००

७५ **कौटिलीयं अर्थशास्त्रम् (अर्थशास्त्रम्)**। हिन्दी टीका सहित। श्री वाचस्पति गैरोला [उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा पुरस्कृत] १२५–००

७६ **अभिषेकनाटकम् (नाटकम्)**। महाकवि भास। 'प्रकाश' संस्कृत-हिन्दी टीका सहित। आचार्य रामचन्द्र मिश्र ८–००

७७ **चाणक्यसूत्रम् (नीतिः)**। हिन्दी टीका सहित। श्री वाचस्पति गैरोला ३–००

७८ **उत्कीर्णलेखपञ्चकम् (गद्यकाव्यम्)**। 'रमा' हिन्दी टीका सहित। श्री हरिहर झा एवं रमाकान्त झा १०–००

७९ **अभिलेखमाला (गद्यकाव्यम्)**। 'रमा' हिन्दी टीका सहित। श्री हरिहर झा एवं रमाकान्त झा १२–५०

८० **सिद्धान्तकौमुदी–वैदिकीप्रक्रिया (व्याकरणम्)**। हिन्दी व्याख्या सहित। डॉ० उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि'। (नवीन परिष्कृत संस्करण १९८३) १५–००

८१ **पारिजातहरणचम्पूः (चम्पूकाव्यम्)**। महाकवि शेषश्रीकृष्ण। सान्वय 'श्रद्धा' हिन्दी टीका सहित। आचार्य त्रिनाथ शर्मा ८–००

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

८२ बुद्धचरितम् (काव्यम्) । अश्वघोष । हिन्दी टीका सहित ।
महन्त श्री रामचन्द्रदास शास्त्री । प्रथम भाग [सर्ग १–१४] १२–५०
द्वितीय भाग [सर्ग १५–२८] १२–५० सम्पूर्ण २५–००

८३ हर्षचरितम् (गद्यकाव्यम्) । पञ्चमोच्छ्वास । महाकवि बाणभट्ट ।
'सुधा' संस्कृत-हिन्दी टीका सहित । श्री शिवनाथ शर्मा पाण्डेय ७–५०

८४ चन्द्रप्रभचरितम् (गद्यकाव्यम्) । म० म० आशुकवि शङ्करलाल ।
'पौर्णमासी' संस्कृत व्याख्या, परिशिष्ट नोट्स सहित १५–००

८५ संस्कृतप्रकाशः (व्याकरणम्) । श्री कुबेरनाथ द्विवेदी ८–००

८६ किरातार्जुनीयम् (काव्यम्) । महाकवि भारवि । 'सुधा' संस्कृत-हिन्दी
टीका सहित । श्री उमेशचन्द्र पाण्डेय १३ वाँ सर्ग ४–००

८७ लटकमेलकम् (नाटकम्) । कवि शङ्करधर । 'प्रकाश' हिन्दी टीका सहित ।
पं० श्री कपिलदेव गिरि ४–००

८८ ऊरुभङ्गम् (नाटकम्) । महाकवि भास । 'प्रकाश' संस्कृत-हिन्दी टीका ।
पं० श्री कपिलदेव गिरि ४–००

८९ वैदिक-सूक्त-पञ्चकम् (वेदः) । 'प्रकाश' हिन्दी टीका सहित ।
आचार्य मधुसूदनप्रसाद मिश्र २–००

९० लघुसारस्वतव्याकरणम् (व्याकरणम्) । श्री अनुभूतिस्वरूपाचार्य ।
पं० श्री गणेशदत्तमिश्र सम्पादित २–००

९१ लघुसिद्धान्तचन्द्रिका (व्याकरणम्) । श्रीरामशर्मा ।
पं० श्री गणेशदत्त मिश्र सम्पादित २–००

९२ चारुचर्या (नीतिः) । महाकवि क्षेमेन्द्र । 'प्रकाश' हिन्दी टीका ।
श्री पं० देवदत्त शास्त्री २–००

९३ ज्योतिषप्रश्न-फल-गणना (ज्यौतिषम्) । 'विमला' हिन्दी टीका
सहित । पं० श्री दयाशङ्कर उपाध्याय २–००

९४ वीरोत्साहवर्धनम् (काव्यम्) । पं० श्री सुरेशचन्द्र त्रिपाठी २–००

९५ तर्कसंग्रहरहस्यम् (न्यायः) । [प्रश्नोत्तरी] । आचार्य श्री कीर्त्यानन्द झा ३–००

९६ सौगन्धिकाहरणम् (नाटकम्) । श्रीविश्वनाथ । 'प्रकाश' हिन्दी
टीका सहित । पं० श्री कपिलदेव गिरि ७–५०

९७ ध्वन्यालोकः (अलङ्कारः) । आनन्दवर्द्धनाचार्य । अभिनवगुप्तकृत
'लोचन' संस्कृत टीका एवं 'प्रकाश' हिन्दी टीका सहित । हिन्दी व्याख्याकार–
आचार्य जगन्नाथ पाठक । प्रथम उद्योत २०–००, १–२ उद्योत ३५–०० सम्पूर्ण ५५–००

९८ विश्वगुणादर्शचम्पूः (चम्पूकाव्यम्) । श्रीवेंकटाध्वरी । बालकृष्ण
शास्त्री कृत 'पदार्थचन्द्रिका' संस्कृत टीका तथा श्रीजयशङ्कर कृत
सान्वय 'प्रभा' हिन्दी टीका सहित । सुरेन्द्रनाथ शास्त्री सम्पादित ५०–००

९९ हरिश्चन्द्रोपाख्यानम् (वेदः) । सायणभाष्य सहित । 'प्रकाश' हिन्दी
टीका । डॉ० उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि' १२–५०

१०० वेदान्तपरिभाषा (वेदान्तः) । श्रीधर्मराजाध्वरीन्द्र । 'प्रकाश' हिन्दी
टीका सहित । डॉ० गजाननशास्त्री मुसलगाँवकर । नवीन परिवर्द्धित संस्करण ४०–००

१०१ मानसागरी (ज्यौतिषम्) । 'सुबोधिनी' हिन्दी टीका । श्री मधुकान्त झा ३५–००

१०२ वैदिक-सूक्त-मञ्जरी (वेदः) । पदपाठ, हिन्दी-अंग्रेजी व्याख्या सहित ।
सम्पादक—डॉ० रामकृष्ण शास्त्री ७–५०

१०३ हास्यार्णवप्रहसनम् (नाटकम्) । जगदीश्वर भट्टाचार्य । 'प्रभा'
हिन्दी टीका सहित । ईश्वरप्रसाद चतुर्वेदी ७–५०

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

१०४ **संस्कृत-भाषाविज्ञानम् (व्याकरणम्)**। चक्रवर्ती श्रीरामाधीन चतुर्वेदी १५–००

१०५ **कुमारसम्भवम् (काव्यम्)**। महाकवि कालिदास। मल्लिनाथकृत 'सञ्जीविनी' तथा 'प्रकाश' हिन्दी टीका सहित। प्रद्युम्न पाण्डेय। सम्पूर्ण ३०–००

१०६ **सूर्यशतकम् (काव्यम्)**। मयूरभट्ट। 'कला' हिन्दी टीका, विस्तृत भूमिकादि सहित। श्री रमाकान्त त्रिपाठी १०–००

१०७ **प्रमेयरत्नमाला (जैन)**। लघुअनन्तवीर्य [आचार्य माणिक्यनन्दी कृत 'परीक्षामुख' सूत्र पर टीका]। 'चिन्तामणि' व्याख्या सहित। श्री हीरालाल शास्त्री जैन ५०–००

१०८ **पाणिनीयनाटकम् (नाटकम्)**। श्रीगोपालशास्त्री 'दर्शनकेशरी' ७–५०

१०९ **अभिधानचिन्तामणिः (कोशः)**। हेमचन्द्राचार्य। 'मणिप्रभा' हिन्दी व्याख्या, विमर्श सहित। पं० श्री हरगोविन्द शास्त्री ७५–००

११० **रसगङ्गाधरहृदयम् (अलङ्कारः)**। [रसगङ्गाधर-प्रश्नोत्तरी] श्री ज्ञानचन्द्र त्यागी ८–००

१११ **मेघदूतम् (काव्यम्)**। महाकवि कालिदास। 'चन्द्रकला' संस्कृत-हिन्दी टीका सहित। श्री शेषराजशर्मा 'रेग्मी'। पूर्वमेघ १०–०० सम्पूर्ण १८–००

११२ **नीलकण्ठविजयचम्पूः (चम्पूकाव्यम्)**। नीलकण्ठदीक्षित। 'प्रकाश' हिन्दी टीका सहित। आचार्य रामचन्द्र मिश्र १५–००

११३ **सर्वदर्शनसंग्रहः (दर्शनम्)**। माधवाचार्य। हिन्दी टीका सहित श्री उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि' १२५–००

११४ **भारतकथा (काव्यम्)**। म० म० गङ्गाधर शास्त्री। 'बोधिनी' संस्कृत-हिन्दी टीका सहित। पं० सनत्कुमार शुक्ल ३–००

११५ **शब्दधातुरूपसंग्रहः (व्याकरणम्)**। सम्पादक—पं० रामचन्द्र झा ३–००

११६ **अमृतोदयम् (नाटकम्)**। गोकुलनाथ। 'प्रकाश' संस्कृत-हिन्दी टीका सहित। आचार्य रामचन्द्र मिश्र २५–००

११७ **निबन्धप्रकाशः (व्याकरणम्)**। आचार्य कृष्णकुमार अवस्थी ७–५०

११८ **औचित्यविचारचर्चा (अलङ्कारः)**। क्षेमेन्द्र। 'प्रभा' संस्कृत-हिन्दी टीका सहित। आचार्य श्री व्रजमोहन झा १५–००

११९ **रामाभ्युदययात्रा (काव्यम्)**। संस्कृत-हिन्दी टीका सहित। श्री रुद्रप्रसाद अवस्थी १०–००

१२० **कृष्णस्य शान्तिप्रयासः (काव्यम्)**। 'प्रकाश' संस्कृत-हिन्दी टीका सहित। पं० बालकेश्वर प्रसाद मिश्र ७–५०

१२१ **काव्यमीमांसा (अलङ्कारः)**। राजशेखर। 'प्रकाश' हिन्दी टीका सहित। डॉ० गङ्गासागर राय २५–००

१२२ **संस्कृत-रचना (व्याकरणम्)**। ['स्टूडेण्ट गाइड टू संस्कृत कम्पोजिशन' आप्टे रचित का हिन्दी रूपान्तर] अनु०—डॉ० उमेशचन्द्र पाण्डेय १५–००

१२३ **देववाणी-प्रवेशिका (व्याकरणम्)**। श्री अनसूयाप्रसाद भट्ट।
प्रथम भाग १–५० द्वितीय भाग २–०० तृतीय भाग १–५०
चतुर्थ भाग २–५० पञ्चम भाग ३–५० सम्पूर्ण ११–००

१२४ **ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्यम् (वेदान्तः)**। श्रीशङ्कराचार्य। 'ब्रह्मतत्त्वविमर्शिनी' हिन्दी टीका सहित। स्वामी श्री हनुमानदास षट्शास्त्री सम्पूर्ण ७५–००
प्रथम भाग [१–२ अध्याय] ४५–००, द्वितीय भाग [३–४ अध्याय] ३०–००

१२५ **विद्धशालभञ्जिका (नाटकम्)**। राजशेखर। 'प्रकाश' हिन्दी टीका सहित। रमाकान्त त्रिपाठी १०–००

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

१२६ **चण्डकौशिकम् (नाटकम्)** । आर्यक्षेमेश्वर । 'प्रकाश' संस्कृत हिन्दी टीका सहित । श्री जगदीश मिश्र १५–००

१२७ **आर्यासप्तशती (काव्यम्)** । गोवर्द्धनाचार्य । संस्कृत-हिन्दी टीका सहित । डॉ० रमाकान्त त्रिपाठी ६०–००

१२८ **राघवपाण्डवीयम् (काव्यम्)** । पण्डित कविराज । 'सुबोधिनी' तथा 'सरला' संस्कृत-हिन्दी टीका सहित । पं० दामोदर झा ६०–००

१२९ **शुक्लयजुर्वेदसंहिता (वेदः)** । 'प्रकाश' नामक टिप्पणी सहित । सम्पादक—दौलतराम गौड़ वेदाचार्य २०–००

१३० **प्राकृतप्रबोधः (व्याकरणम्)** । डॉ० नेमिचन्द शास्त्री ३५–००

१३१ **लघुसिद्धान्तकौमुदी (व्याकरणम्)** । श्रीवरदराजाचार्य । वैज्ञानिक, विवेचनात्मक 'माहेश्वरी' हिन्दी टीका सहित । श्री महेशसिंह कुशवाहा ।
[उ० प्र० सरकार द्वारा पुरस्कृत] प्रथम खण्ड : व्याख्या भाग सम्पूर्ण ७५–००
द्वितीय खण्ड : परिशिष्टात्मक रूपसिद्धि भाग २५–००

१३२ **परमतत्त्वमीमांसा (दर्शनम्)** । विद्याभूषण श्रीकृष्ण जोशी १५–००

१३३ **नन्दिकेश्वरकाशिका (व्याकरणम्)** । उपमन्युकृत टीका सहित ०–५०

१३४ **आश्चर्यचूडामणिः (नाटकम्)** । महाकवि शक्तिभद्र विरचित । 'रमा' 'मालती' संस्कृत-हिन्दी टीका सहित । पं० श्री रमाकान्त झा २०–००

१३५ **मत्तविलासप्रहसनम् (नाटकम्)** । श्री महेन्द्रविक्रम वर्म कृत । 'प्रकाश' हिन्दी टीका सहित । श्री कपिलदेव गिरि ४–००

१३६ **काव्यालङ्कारः (अलङ्कारः)** । महाकवि रुद्रट विरचित । नमिसाधु कृत संस्कृत टीका तथा 'प्रकाश' हिन्दी टीका सहित । पं० रामदेव शुक्ल ४०–००

१३७ **ब्रह्मसूत्रशाङ्करभाष्यम् (वेदान्तः)** । शङ्कराचार्य । 'ब्रह्मतत्त्वप्रकाशिका' हिन्दी टीका सहित । आचार्य विश्वेश्वर सिद्धान्तशिरोमणि । चतुःसूत्री १५–००

१३८ **व्याकरणमहाभाष्यम् (व्याकरणम्)** । महर्षि पतञ्जलि विरचित । 'प्रदीप' (कैयट) संस्कृत टीका एवं 'प्रकाश' हिन्दी टीका सहित आचार्य मधुसूदन प्रसाद मिश्र । पस्पशाह्निक ५–००, १–३ आह्निक ३०–००
१–५ आह्निक ४०–००

१३९ **विज्ञप्तिमात्रतासिद्धिः विंशतिकारिका-वृत्तिश्च (बौद्ध)** । आचार्य वसुबन्धु । हिन्दी टीका सहित । डॉ० महेश तिवारी २५–००

१४० **प्रबन्धरत्नाकरः (निबन्धः)** । डॉ० रमेशचन्द्र शुक्ल ५५–००

१४१ **नारीजागरणनाटकम् (नाटकम्)** । श्रीगोपालशास्त्री 'दर्शनकेशरी' ७–५०

१४२ **सूक्तिमञ्जरी (काव्यम्)** । हिन्दीटीका सहित । आचार्य बलदेव उपाध्याय २०–००

१४३ **समयमातृका (काव्यम्)** । महाकवि क्षेमेन्द्र । 'प्रकाश' हिन्दी टीका सहित । डॉ० रमाशङ्कर त्रिपाठी १५–००

१४४ **वेतालपञ्चविंशतिः (गद्यकाव्यम्)** । 'प्रकाश' हिन्दी टीका सहित । पं० श्री दामोदर झा २५–००

१४५ **कादम्बरीकथासारः (गद्यकाव्यम्)** । हिन्दी-अंग्रेजी व्याख्या सहित सम्पादक—श्री बलराम सदाशिव अग्निहोत्री ३०–००

१४६ **किरातार्जुनीयम् (काव्यम्)** । महाकवि भारवि । 'प्रबोधिनी' संस्कृत-हिन्दी टीका सहित । प्रो० समीर शर्मा प्रथम सर्ग ६–००

१४७ **कठोपनिषद् (उपनिषद्)** । 'शांकरभाष्य' । 'प्रकाश' संस्कृत-हिन्दी व्याख्या सहित । सुरेन्द्रदेव शास्त्री १०–००

१४८ **सहृदयानन्दम् (काव्यम्)** । महाकवि कृष्णानन्द प्रणीत । 'प्रकाश' हिन्दी टीका सहित । पं० वाचस्पति द्विवेदी २०–००

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

१४९ **संस्कृत-प्रथम-पाठमाला (व्याकरणम्)**। डॉ० जे० आर० बेलन्टाइन। हिन्दी अनुवाद सहित। अनु० उमेशचन्द्र पाण्डेय ३-००

१५० **धम्मपदम् (बौद्ध)**। सटिप्पण 'प्रकाश' हिन्दी व्याख्या सहित श्री कन्छेदीलाल गुप्त १५-००

१५१ **जवाहरलालनेहरू-विजय-नाटकम् (नाटकम्)**। हिन्दी टीका सहित। श्री रमाकान्तमिश्र ४-००

१५२ **युधिष्ठिरविजयम् (काव्यम्)**। महाकवि श्री वासुदेव। 'प्रकाश' संस्कृत-हिन्दी टीका सहित। प्रो० व्रजेशचन्द्र श्रीवास्तव ५०-००

१५३ **कारकदर्शनम् (व्याकरणम्)**। [सिद्धान्तकौमुदी का कारक भाग] हिन्दी टीका सहित। डॉ० कलानाथ झा १२-५०

१५४ **बृहदवकहडाचक्रम् (ज्यौतिषम्)**। 'बालबोधिनी' हिन्दी टीका सहित। पं० अवधविहारी अग्निहोत्री ३-००

१५५ **ब्रह्मसूत्रः (वेदान्तः)**। 'सुषमा' हिन्दीटीका। स्वामीहनुमानदास षट्शास्त्री २५-००

१५६ **टालस्टाय-कथासप्तकम् (गद्यकाव्यम्)**। संस्कृत टीका सहित। भगीरथप्रसाद त्रिपाठी 'वागीशशास्त्री' १०-००

१५७ **वेदसञ्चयनम् (वेदः)**। हिन्दी टीका सहित। डॉ० यदुनन्दन मिश्र १५-००

१५८ **सांख्यकारिका (सांख्य)**। ईश्वरकृष्ण। 'गौडपादभाष्य' सहित। 'गौडपादभाष्यभाववर्णिनी' सं० हि० टीका युक्त। पं० ज्वालाप्रसाद गौड़ ८-००

१५९ **मेघदूतम् (काव्यम्)**। कालिदास। [पद्यानुवाद] पं० सुधाकर मिश्र एवं [भाषानुवाद] आचार्य श्री शेषराजशर्मा 'रेग्मी' १५-००

१६० **कादम्बरी-कथामुखम् (गद्यकाव्यम्)**। बाणभट्ट। संस्कृत-हिन्दी व्याख्या सहित। प्रो० समीर शर्मा 'रेग्मी' ८-००

१६१ **मुद्राराक्षसम् (नाटकम्)**। विशाखदत्त। संस्कृत-हिन्दी-अंग्रेजी व्याख्या सहित। श्री जगदीशचन्द्र मिश्र ३५-००

१६२ **नीतिवाक्यामृतम् (जैन)**। हिन्दी टीका सहित। रामचन्द्र मालवीय २५-००

१६३ **ऋग्वेदसंहिता (वेदः)**। प्रथम अध्याय, सूक्त १-१९। सस्वर, संहितापाठ, पदपाठ, सायणभाष्य, स्कन्दभाष्य, हिन्दी व्याख्या तथा हिन्दी-अंग्रेजी अनुवाद। सम्पा० डॉ० उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि' ४०-००

१६४ **अनुवादरत्नाकरः (व्याकरणम्)**। डॉ० रमाकान्त त्रिपाठी ४०-००

१६५ **अभिधावृत्तिमातृका (काव्यम्)**। डॉ० रेवाप्रसाद द्विवेदी १५-००

१६६ **शब्दव्यापारविचारः (अलङ्कारः)**। डॉ० रेवाप्रसाद द्विवेदी ८-००

१६७ **शुक्लयजुर्वेदसंहिता (वेदः)**। पदपाठ-उव्वट-महीधरभाष्यसंवलिता। 'तत्वबोधिनी' हिन्दी व्याख्या सहित। व्याख्याकार—डॉ० रामकृष्ण शास्त्री यन्त्रस्थ

भास-नाटक-चक्रम् (नाटक)। (महाकवि भास के सम्पूर्ण नाटकों का सङ्कलन)

आचार्य बलदेव उपाध्याय सम्पादित 'महाकविभास' नामक सुविस्तृत भूमिकादि विभूषित 'प्रकाश' संस्कृत-हिन्दी व्याख्या सहित। १-२ भाग सम्पूर्ण १००-००

भर्तृहरिशतकत्रयम् (काव्य)। (नीतिशतक, शृङ्गारशतक, वैराग्यशतक)

सरल सुबोध हिन्दी व्याख्या पद्यानुवाद सहित।

मूल के साथ हिन्दी भावानुवाद, हिन्दी पद्यानुवाद भी प्रकाशित किया गया है। संस्कृत न जानने वाले व्यक्ति भी ग्रन्थों के मूल भावों को हृदयङ्गम कर आनन्द के भागी हो सकते है। १५-००

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

विद्याभवन राष्ट्रभाषा ग्रन्थमाला

१ बौद्ध-दर्शन-मीमांसा (दर्शन)। आचार्य बलदेव उपाध्याय ४०—००
२ सदाचार सोपान (नीति)। पं० रामबालक शास्त्री २—००
३ महाकवियों की अमर रचनाएँ (जीवनी)। चक्रधर शर्मा १०—००
४ संस्कृत-कवि-दर्शन (समालोचना)। डाक्टर भोलाशङ्कर व्यास ३५—००
५ पथचिह्न (सदाचार)। शान्तिप्रिय द्विवेदी ५—००
६ भारतीय इतिहास (इतिहास)। श्री रामस्वरूप २—००
७ भारत का भूगोल (भूगोल)। श्री रामस्वरूप १—५०
८ नागरिकशास्त्र (नागरिकशास्त्र)। पं० हनुमान प्रसाद शर्मा २—००
९ गोस्वामी तुलसीदास (समालोचना)। पं० सीताराम चतुर्वेदी १०—००
१० भारतीय व्रतोत्सव (व्रतमाहात्म्य)। आचार्य श्री पुरुषोत्तम चतुर्वेदी १५—००
११ हमारे आधुनिक कवि और उनकी कविताएँ (समालोचना)।
व्यथित हृदय १५—००
१२ हिन्दू संस्कार (धर्मशास्त्र)। डा० राजबली पाण्डेय। संशोधित संस्करण ५०—००
१३ काव्याङ्गनिर्णय (अलङ्कार)। जङ्गबहादुर मिश्र 'रंजन' यन्त्रस्थ
१४ कादम्बरी : एक सांस्कृतिक अध्ययन (समालोचना)।
डा० वासुदेवशरण अग्रवाल ४०—००
१५ भक्ति का विकास (वेदान्त)। डॉ० मुंशीराम शर्मा ७५—००
१६ जीवन-दर्शन (वेदान्त)। डाक्टर मुंशीराम शर्मा ५—००
१७ साहित्य और सिद्धान्त (समालोचना)। श्यामलाकान्त वर्मा यन्त्रस्थ
१८ ऐतिहासिक उपन्यासों में कल्पना और सत्य (समालोचना)।
श्री बी० एम० चिन्तामणि यन्त्रस्थ
१९ अक्षर अमर रहें (निबन्ध संग्रह)। वाचस्पति गैरोला १५—००
२० मराठी का भक्ति साहित्य (समालोचना)। प्रो० भी० गो० देशपाण्डे ३५—००
२१ भक्तितरङ्गिणी (वेदान्त)। डाक्टर मुंशीराम शर्मा १०—००
२२ मन्दाकिनी (समालोचना)। डाक्टर देवर्षि सनाढ्य ५—००
२३ भारतीय भाषा विज्ञान (व्याकरण)। पं० किशोरीदास वाजपेयी यन्त्रस्थ
२४ सावित्री सत्यवान्। पं० राजनारायण शुक्ल ७—५०
२५ विक्रमादित्य (संवत् प्रवर्तक) (इतिहास)। डॉ० राजबली पाण्डेय ३५—००
२६ हिन्दुओं की प्रबुद्ध रचनाएँ (समालोचना)। थि० गोल्डस्टकर।
अनु० सुश्री रमा शास्त्री १०—००
२७ असामान्य मनोविज्ञान (मनोविज्ञान)। डाक्टर रामकुमार राय यन्त्रस्थ
२८ संस्कृत साहित्य का इतिहास (बृहत् संस्करण) (समालोचना)।
श्री वाचस्पति गैरोला ७५—००
२९ संस्कृत साहित्य का संक्षिप्त इतिहास (समालोचना)।
श्री वाचस्पति गैरोला ५०—००
३० कलाविलासिनी वासवदत्ता (काव्य)। श्री देवदत्त शास्त्री १२—५०
३१ चिन्तन के नये चरण (समालोचना)। श्री देवदत्त शास्त्री ३०—००
३२ प्राकृत व्याकरण (व्याकरण)। आचार्य श्री मधुसूदनप्रसाद मिश्र १५—००
३३ रसराज (काव्य)। महाकवि मतिराममिश्र प्रणीत। आचार्य रामजी
मिश्र रचित सुबोध व्याख्या समालोचना सहित यन्त्रस्थ

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

३४ **प्राचीन भारतीय मिट्टी के बर्तन (इतिहास)**। राय गोविन्दचन्द ३५–००
३५ **हिन्दी के पौराणिक नाटक (समालोचना)**। डाक्टर देवर्षि सनाढ्य ४०–००
३६ **सब धर्मों की बुनियादी एकता (धर्मशास्त्र)**। डाक्टर भगवानदास ४५–००
३७ **वैदिक व्याकरण (व्याकरण)**। श्री उमेशचन्द्र पाण्डेय ५–००
३८ **अवन्ति कुमारियाँ (काव्य)**। श्री देवदत्त शास्त्री ७–५०
३९ **मानक हिन्दी व्याकरण (व्याकरण)**। श्री रामचन्द्र वर्मा ५–००
४० **वैदिक माइथोलाजी** (वैदिक पुराकथाशास्त्र) **(वैदिक)**।
प्रो० ए० मैकडोनल। हिन्दी रूपान्तरकार—डाक्टर रामकुमार राय ६५–००
४१ **महाकवि कालिदास (समालोचना)**। डा० रमाशंकर तिवारी
(देवपुरस्कार से पुरस्कृत) ४०–००
४२ **प्राकृत साहित्य का इतिहास (समालोचना)**। डा० जगदीशचन्द्र जैन ७५–००
४३ **मार्कण्डेयपुराण : एक अध्ययन (पुराण)**। आचार्य बदरीनाथ शुक्ल २०–००
४४ **चारुचर्या (नीति)**। महाकवि क्षेमेन्द्र। हिन्दी टीका सहित।
देवदत्त शास्त्री ७–५०
४५ **पौराणिक कथाएँ (पुराण)**। श्री हृदयराम शर्मा यन्त्रस्थ
४६ **वैदिक इण्डेक्स** (वैदिक नामों और विषयों की व्याख्यात्मक अनुसूची)
(वैदिक)। मैकडोनेल और कीथ। अनु० डाक्टर रामकुमार राय।
१–२ भाग २००–००
४७ **कालिदास : एक अनुशीलन (समालोचना)**। श्री देवदत्त शास्त्री ७–५०
४८ **संस्कृत साहित्य का इतिहास (समालोचना)**। आर्थर मैक्डोनल।
हिन्दी अनुवाद सहित। श्री चारुचन्द्र शास्त्री प्रथम भाग २५–००
द्वितीय भाग यन्त्रस्थ
४९ **हिन्दी और मराठी का निर्गुण सन्त काव्य (समालोचना)**।
डॉ० प्रभाकर माचवे ४०–००
५० **पाणिनि-कालीन भारतवर्ष** (पाणिनि कृत अष्टाध्यायी का सांस्कृतिक
अध्ययन) **(व्याकरणेतिहास)**। डाक्टर वासुदेवशरण अग्रवाल ६०–००
५१ **कौटिलीय अर्थशास्त्र (नीति)**। (शोधपूर्ण हिन्दी रूपान्तर)
श्रीवाचस्पति गैरोला ७५–००
५२ **दिनकर की उर्वशी (समालोचना)**। (समीक्षात्मक अनुशीलन)
डाक्टर रमाशङ्कर तिवारी १५–००
५३ **भारतीय साहित्य की रूपरेखा (समालोचना)**। श्रीभोलाशङ्कर व्यास ३०–००
५४ **परिक्रमा**। स्व० श्री शान्तिप्रिय द्विवेदी यन्त्रस्थ
५५ **लौकिक संस्कृत साहित्य (समालोचना)**। ए० बी० कीथ।
अनुवादक—श्री चारुचन्द्र शास्त्री २०–००
५६ **स्मृति के हस्ताक्षर (समालोचना)**। श्री देवदत्त शास्त्री १५–००
५७ **काव्यचिन्ता (समालोचना)**। डा० रमाशङ्कर तिवारी १५–००
५८ **भारतीय इतिहास का परिचय (समालोचना)**। राजबली पाण्डेय ३५–००
५९ **विश्लेषणात्मक मनोविज्ञान (मनोविज्ञान)**। डा० सी० जी० युङ्ग।
अनुवादक—अरविन्द वसावड़ा ४–००
६० **मध्यकालीन साहित्य में अवतारवाद (समालोचना)**। डा० कपिलदेव
पाण्डेय। भूमिका लेखक—डॉ० हजारीप्रसाद द्विवेदी १००–००
६१ **वैदिक निबन्धावली (वैदिक)**। डॉ० मुंशीराम शर्मा १०–००

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

६२ **आचार्य हेमचन्द्र और उनका शब्दानुशासन : एक अध्ययन (समालोचना)**। डॉ० नेमिचन्द्र शास्त्री ४०–००
६३ **संस्कृत सुकवि समीक्षा (समालोचना)**। आचार्य बलदेव उपाध्याय ६०–००
६४ **व्यावहारिक मनोविज्ञान (मनोविज्ञान)**। डॉ० रामकुमार राय २०–००
६५ **व्यावहारिक मनोविज्ञान की रूपरेखा (मनोविज्ञान)**। डॉ० रामकुमार राय १५–००
६६ **वैदिक आख्यान (वैदिक)**। डॉ० गंगासागर राय ७–५०
६७ **मूल संस्कृत-उद्धरण** (ओरिजिनल संस्कृत टेक्स्ट्स) **(वैदिक)**। ले०–जे० मूइर। अनुवादक—डॉ० रामकुमार राय। १–५ भाग सम्पूर्ण ३००–००
६८ **प्राचीन भारत में अपराध और दण्ड (नीति)**। हरिहरनाथ त्रिपाठी १५–००
६९ **चित्र और चिन्तन**। श्री शान्तिप्रिय द्विवेदी ७–५०
७० **प्रयोगवादी काव्यधारा : तथोक्त नई कविता (समालोचना)**। डॉ० रमाशङ्कर तिवारी। भूमिका ले०—श्री लक्ष्मीनारायण सुधांशु ५०–००
७१ **प्रतिभादर्शन** (भाषातत्त्वशास्त्र) **(व्याकरण)**। आचार्य हरिशङ्कर जोशी ५०–००
७२ **काव्यात्म मीमांसा (अलङ्कार)**। डॉ० जयमन्त मिश्र ४०–००
७३ **महाकवि भास : एक अध्ययन (समा०)**। आचार्य बलदेव उपाध्याय १०–००
७४ **अभिनव निबन्धावली (निबन्धसंग्रह)**। श्री श्यामलाकान्त वर्मा १५–००
७५ **राजनय के सिद्धान्त और व्यवहार (नीति)**। श्रीमती कृष्णाराय १२–५०
७६ **चार्वाकदर्शन की शास्त्रीय समीक्षा (दर्शन)**। डॉ० सर्वानन्द पाठक यन्त्रस्थ
७७ **संस्कृत साहित्य का नवीन इतिहास (समालोचना)**। श्री कृष्णचैतन्य। अनुवादक—डॉ० विनयकुमार राय ५०–००
७८ **निबन्ध सौरभ (निबन्धसंग्रह)**। श्री बाबूलाल मिश्र ३–००
७९ **महाकवि भवभूति (समालोचना)**। डॉ० गङ्गासागर राय २५–००
८० **पुराण-विमर्श (पुराण)**। आचार्य बलदेव उपाध्याय ६०–००
८१ **संस्कृत-भाषा (व्याकरण)**। टी० बरो। अनु०—डॉ० भोलाशंकर व्यास ७५–००
८२ **भारवि काव्य में अर्थान्तरन्यास (समा०)**। श्री उमेशप्रसाद रस्तोगी २५–००
८३ **चम्पूकाव्य का आलोचनात्मक एवं ऐतिहासिक अध्ययन (समा०)**। डॉ० छविनाथ त्रिपाठी ३५–००
८४ **वैदिक युग में भारतीय आभूषण : एक अध्ययन (इतिहास)**। राय गोविन्दचन्द ३५–००
८५ **सांख्ययोगदर्शन का जीर्णोद्धार (सांख्य)**। श्री हरिशङ्कर जोशी ४०–००
८६ **संस्कृत साहित्य का इतिहास (समालोचना)**। (वैदिक साहित्य की रूपरेखा सहित)। श्री हंसराज अग्रवाल २५–००
८७ **वैदिक साहित्य की रूपरेखा (वैदिक)**। श्री हंसराज अग्रवाल ५–००
८८ **अपराध और दण्डशास्त्र (नीति)**। श्री कौशलकुमार राय २५–००
८९ **भारतीय साहित्यशास्त्र और काव्यालङ्कार (समालोचना)**। डॉ० भोलाशङ्कर व्यास ३०–००
९० **विविधार्थ (निबन्धसंग्रह)**। भारतरत्न डॉ० भगवानदास २०–००
९१ **संस्कृत साहित्य में मौलिकता एवं अनुहरण (समालोचना)**। श्री उमेशप्रसाद रस्तोगी २५–००

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

९२ **भारतीय प्रज्ञा (समालोचना)**। (मॉनियर विलियम्स कृत 'इण्डियन विजडम' का हिन्दी अनुवाद)। अनुवादक—डॉ० रामकुमार राय ७५–००

९३ **जैन आगम साहित्य में भारतीय समाज (समालोचना)**। डॉ० जगदीशचन्द्र जैन ५०–००

९४ **नगरीय समाजशास्त्र (समाजशास्त्र)**। कौशलकुमार राय २५–००

९५ **मन्त्र और मातृकाओं का रहस्य (तंत्र)**। डॉ० शिवशंकर अवस्थीशास्त्री ५०–००

९६ **कविवर डॉ० रामकुमार वर्मा और उनका काव्य (समालोचना)** प्रो० दशरथराज १०–००

९७ **बार्हस्पत्य राज्य-व्यवस्था (अर्थशास्त्र)**। डॉ० राघवेन्द्र वाजपेयी ४०–००

९८ **हिन्दी शिवमहिम्नस्तोत्र** (पद्यानुवाद) **(स्तोत्र)**। राधेलाल त्रिवेदी १–५०

९९ **सोमेश्वरकृत मानसोल्लास : एक सांस्कृतिक अध्ययन (समालोचना)**। डा० शिवशेखर मिश्र ५०–००

१०० **भारतीय इतिहास के स्रोत : सिक्के (इतिहास)**। मूल लेखक—ई० जे० रैपसन। हिन्दी अनुवादक—डॉ० रामकुमार राय ३५–००

१०१ **पुरुषार्थ (धर्मशास्त्र)**। डॉ० भगवानदास ५०–००

१०२ **स्मृतियाँ और कृतियाँ (समालोचना)**। श्री शांतिप्रिय द्विवेदी १०–००

१०३ **साहित्यशास्त्र-सार (समालोचना)**। श्री हंसराज अग्रवाल तथा श्रुतिकांतजी ७–५०

१०४ **कृष्ण-भक्तिकाव्य में सखीभाव (वेदान्त)**। शरणबिहारी गोस्वामी ७५–००

१०५ **हिन्दी काव्य की सामाजिक भूमिका (समालाचना)**। डॉ० शम्भुनाथ सिंह २५–००

१०६ **व्याकरणशास्त्र का संक्षिप्त इतिहास (व्याकरण)**। श्री रमाकान्त मिश्र ८–००

१०७ **वेदकालीन समाज (वैदिक)**। डॉ० शिवदत्त ज्ञानी ४५–००

१०८ **महाकवि शूद्रक (समालोचना)**। डॉ० रमाशङ्कर तिवारी ३५–००

१०९ **राजतरङ्गिणीकोश (कोश)**। डॉ० रामकुमार राय ४०–००

११० **औचित्य-सम्प्रदाय का हिन्दी काव्यशास्त्र पर प्रभाव (समालोचना)**। (प्रत्यक्ष तथा परोक्ष)। डॉ० चन्द्रहंस पाठक ५०–००

१११ **हेमचन्द्राचार्य : जीवनचरित्र (जीवनी)**। डॉ० जी० व्हूलर। अनु० कस्तूरमल बाँठिया १५–००

११२ **वेदार्थ चन्द्रिका (वैदिक)**। डॉ० मुन्शीराम शर्मा १५–००

११३ **भारतीय काव्यशास्त्र के प्रतिनिधि सिद्धान्त (समालोचना)**। डॉ० राजवंशसहाय 'हीरा' ४०–००

११४ **लौकिक संस्कृत साहित्य का संक्षिप्त इतिहास (समालोचना)**। श्री गौरीनाथ शास्त्री। अनुवादक—डॉ० रामकुमार राय २०–००

११५ **मधुपर्क (काव्य)**। श्री देवीरत्न अवस्थी 'करील' १५–००

११६ **दक्षिण भारत** (आरम्भ से प्राचीन राजवंशों के पतन तक) **(इतिहास)**। डॉ० बलराम श्रीवास्तव। नवीन परिवर्द्धित संस्करण १९८२ ६०–००

११७ **कवियों की लोकदृष्टि (संस्कृत साहित्य के कुछ रससिद्ध कवियों के चिरन्तन साहित्य का परिमन्थन) (समा०)**। श्री शिवशङ्कर त्रिपाठी १५–००

११८ **न्याय-परिचय (न्याय)**। म० म० फणिभूषण तर्कवागीश। अनुवादक—किशोरनाथ झा ३५–००

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

१११ महर्षि वेदव्यास (एक ऐतिहासिक व सांस्कृतिक पर्यालोचन) (समालोचना)। पं० उमाशङ्कर दीक्षित ७–५०
१२० जवाहरलाल नेहरू विजय-नाटक (हिन्दी नाटक)। रमाकांत मिश्र २–००
१२१ साहित्यशास्त्रीय तत्वों का आधुनिक समालोचनात्मक अध्ययन (समालोचना)। श्री मधुसूदन शास्त्री ३०–००
१२२ वाग्विज्ञान (भाषाशास्त्र) (व्याकरण)। पं० सीताराम चतुर्वेदी ५०–००
१२३ भारतीय दर्शन में चेतना का स्वरूप (दर्शन)। डॉ० श्रीकृष्ण सक्सेना २५–००
१२४ बौद्ध-न्याय (समालोचना)। लेखक–एफ० टी० शर्वाट्स्की। अनुवादक—डॉ० रामकुमार राय ७५–००
१२५ मध्य भारतीय भाषा चयन (व्याकरण)। डॉ० वीरमणि उपाध्याय १०–००
१२६ पौराणिक आख्यान (पुराण)। डॉ० गङ्गासागर राय ५–००
१२७ अभिज्ञानशाकुन्तल : एक अध्ययन (समा०)। श्रीकाशीनाथ द्विवेदी १०–००
१२८ संस्कृत नाट्य सिद्धान्त (नाटक)। डॉ० रमाकान्त त्रिपाठी २५–००
१२९ पल्लव इतिहास और उसकी आधार सामग्री (इतिहास)। डॉ० बलराम श्रीवास्तव २०–००
१३० सुलभ ज्यौतिष ज्ञान (ज्यौतिष)। दैवज्ञ वासुदेव सदाशिव खानखोजे ५०–००
१३१ सुदामाचरित (काव्य)। नरोत्तमदास। 'बालबोधिनी' व्याख्या सहित २–००
१३२ पुराण की लोक भारती (पुराण)। डॉ० जयशङ्कर त्रिपाठी ७–५०
१३३ अलङ्कार-मीमांसा (अलङ्कार)। डॉ० राजवंश सहाय 'हीरा' १०–००
१३४ निबन्ध-पारिजात (निबन्धसंग्रह)। (हिन्दी साहित्यिक निबन्ध)। रजनीकांत लाहरी १०–००
१३५ हिंसा या अहिंसा (हिन्दी नाटक)। सेठ गोविन्ददास ५–००
१३६ अपभ्रंश साहित्य : परम्परा और प्रवृत्तियाँ (समालोचना)। डॉ० राजवंशसहाय 'हीरा' ५-००
१३७ वैदिक वाङ्मय का इतिहास (वैदिक)। श्री रमाकांत शास्त्री ७–५०
१३८ मुहूर्त पारिजात : ज्यौतिष कल्पद्रुम (ज्यौतिष)। सम्पादक—पं० सीताराम झा ३५–००
१३९ भारत और एशिया के अन्य देश (इतिहास)। श्रीमती सुदर्शना सिंहल २५–००
१४० सद्धर्मचन्द्रिका (वेदान्त)। स्वामी श्री हनुमानदासजी पट्शास्त्री ५–००
१४१ गरीबी या अमीरी अथवा श्रम या उत्तराधिकार (हिन्दी नाटक)। सेठ गोविन्ददास ५–००
१४२ विचारचन्द्रोदय (वेदान्त)। पीताम्बरी भा० टी०। स्वामी हनुमानदास ५–००
१४३ व्यञ्जना : सिद्धि और परम्परा। डॉ० कृष्णकुमार शर्मा १५–००
१४४ संस्कृत साहित्य का संक्षिप्त इतिहास (समालोचना)। (प्रश्नोत्तर रूप में)। डा० रमाकान्त त्रिपाठी ५–००
१४५ बघेलखण्ड के संस्कृत काव्य (काव्य)। डॉ० राजीवलोचन अग्निहोत्री ४५–००
१४६ भारतीय संस्कृति की झलक (समालोचना)। डॉ० रमाकान्त त्रिपाठी ६–००

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

चौखम्बा राष्ट्रभाषा ग्रन्थमाला

१ स्वतन्त्र कलाशास्त्र (समालोचना)। डॉ० कान्तिचन्द्र पाण्डेय।
प्रथम भाग (भारतीय) ७५–०० द्वितीय भाग (पाश्चात्य) ७५–००
२ विष्णुपुराण का भारत (पुराण)। डॉ० सर्वानन्द पाठक ४०–००
३ वैदिक योगसूत्र (योग)। श्री हरिशङ्कर जोशी ४०–००
४ शृङ्गाररस का शास्त्रीय विवेचन (अलंकार)। डॉ० इन्द्रपाल सिंह।
(आचार्य भरत से भानुदत्त के ग्रंथों में आये हुए शृंगाररस का एकत्रीकरण) २५–००
५ वैशेषिक दर्शन : एक अध्ययन (वैशेषिक)। श्रीनारायण मिश्र २५–००
६ काश्मीर शैवदर्शन और कामायनी (दर्शन)। डॉ० भँवरलाल जोशी ४०–००
७ संस्कृत साहित्य में नीतिकथा का उद्गम एवं विकास (समा०)
प्रभाकर नारायण कवठेकर ४५–००
८ संस्कृत महाकाव्य की परम्परा (समा०)। (कालिदास से श्रीहर्ष तक)।
डॉ० केशवराव मुसलगाँवकर ५०–००
९ भारतीय संगीत का इतिहास (संगीत)। (वैदिककाल से गुप्तकाल तक)।
डॉ० शरच्चन्द्र श्रीधर परांजपे ५०–००
१० प्राचीन भारतीय मूर्तिविज्ञान (इतिहास)। डॉ० वासुदेव उपाध्याय ७५–००
११ साहित्यानुशासन (समालोचना)। आचार्य सीताराम चतुर्वेदी ६०–००
१२ अलङ्कारानुशीलन (अलंकार)। डॉ० राजवंश सहाय 'हीरा' ४५–००
१३ अलङ्कारशास्त्र की परम्परा (अलंकार)। डॉ० राजवंश सहाय 'हीरा' २५–००
१४ सौन्दरानन्द : साहित्यिक एवं दार्शनिक गवेषणा (समालोचना)।
डॉ० ब्रह्मचारी ब्रजमोहन पाण्डेय 'नलिन' २५–००
१५ शक्तिभाष्य का अध्ययन (तंत्र)। डॉ० श्रीमती सुशीला 'कमलेश' ५०–००
१६ संस्कृत-साहित्य कोशः (कोश)। डॉ० राजवंश सहाय 'हीरा' १२५–००
१७ भाषा-विश्लेषण (व्याकरण)। डा० मोतीलाल गुप्त २०–००

VIDYABHAWAN SANSKRIT STUDIES

1 Jivagosvami's Religion of Devotion and Love.
(Bengal Vaisnavism) By Jadunath Sinha 85–00

काशी मिथिला ग्रन्थमाला

१ वाजसनेयिनां संक्षिप्ताह्निकम्। संग्रहकर्ता—उग्रानंदशर्मा। मैथिली टीका ०–५०
२ छान्दोगानां संक्षिप्ताह्निकम्। पं० उग्रानंद शर्मा। मैथिली टीका ०–५०
३ छान्दोगानां सन्ध्यातर्पणपद्धति। संग्रहकर्ता–उग्रानंद शर्मा ०–२५
४ वाजसनेयिनां सन्ध्यातर्पणपद्धतिः। सन्ध्यावन्दनादिपरिशिष्टसमलंकृतः १–५०
५ षडङ्गशतरुद्रियपद्धतिः। यंत्रस्थ
६ वाजसनेयिनां छान्दोगानां च आभ्युदयिकश्राद्धपद्धतिः,
जूटिकाबन्धनमातृकापूजासहिता। पं० रामचन्द्र झा। मैथिली टीका ०–५०
७ सूर्यादिद्वादस्तवीस्तोत्रम् अन्नपूर्णादिस्तोत्रसहितम्। ०–३०
८ मिथिलादेशीया कथा सहिता श्रीसत्यनारायणपूजापद्धतिः। रामचन्द्रझा यंत्रस्थ
९ मिथिलादेशीया कथा सहिता श्रीसत्यनारायणपूजापद्धतिः। रामचन्द्रझा २–५०
१० छान्दोगानां एकोदिष्टपद्धतिः। 'इन्दुमती' मैथिली टीका। रामचन्द्र झा ०–४०

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

११ **वाजसनेयिनां एकोद्दिष्टपद्धतिः** । 'इन्दुमती' मैथिली टीका । रामचन्द्रझा ०–७५
१२ **वाजसनेयिनां पार्वणपद्धतिः** । 'इन्दुमती' मैथिली टीका । रामचन्द्र झा ०–५०
१३ **छान्दोगानां पार्वणपद्धतिः** । 'इन्दुमती' मैथिली टीका । रामचन्द्र झा ०–५०
१४ **वाजसनेयिनां विवाहपद्धतिः** । 'इन्दुमती' मैथिली टीका । रामचन्द्र झा ८–००
१५ **छान्दोगानां विवाहपद्धतिः** । 'इन्दुमती' मैथिली टीका । रामचन्द्र झा ८–००
१६ **वाजसनेयिनां उपनयनपद्धतिः** । 'इन्दुमती' मैथिली टीका । रामचन्द्रझा ८–००
१७ **छान्दोगानां उपनयनपद्धतिः** । 'इन्दुमती' मैथिली टीका । रामचन्द्र झा ८–००
१८ **प्रतिहारषष्ठी (विवस्वत् षष्ठी)** । व्रतकथापद्धतिः । पं० रामचन्द्र झा ०–१५
१९ **आह्निकपञ्चदेवपूजापद्धतिः** । पं० रामचन्द्र झा ०–१०
२० **वर्षकृत्यम्** । **श्रीरुद्रधरविरचित** । 'मैथिली' टीका सहित । सम्पा०—रामचन्द्र झा । प्रथम भाग २५–००, द्वितीय भाग २५–००, सम्पूर्ण ५०–००
२१ **कूपोत्सर्गपद्धतिः** । ०–४०, २२ **गृहोत्सर्गपद्धतिः** । ०–४०
२३ **एकादशी व्रतोद्यापनपद्धतिः** । 'इन्दुमती' टिप्पणी सहित । रामचन्द्र झा ०–७५
२४ **आकाशदीप-तुलसी-कार्तिकोद्यापनत्रयपद्धतिः** । पं० रामचन्द्र झा ०–५०
२५ **दुर्गापूजाश्यामापूजापद्धतिः** । 'इन्दुमती' टिप्पणी सहित । रामचन्द्र झा ५–००
२६ **पितृकर्म-निर्णयः** । संग्रहकर्त्ता–श्रीत्रिलोकनाथ मिश्र । रामचन्द्र झा ६–००
२७ **मैथिलीसाम्प्रदायिक दुर्गासप्तशती** । सम्पादक—कनकलाल ठक्कुर २–५०
२८ **भाद्रशुक्लचतुर्थी-चन्द्रपूजा-चन्द्रव्रत कथा सहित** । श्री रामचन्द्र झा ०–२५
२९ **सिद्धविनायक-चतुर्थी-व्रत-कथा** । सम्पादक : पं० रामचन्द्र झा ०–३०
३० **हरितालिका-व्रतपूजा-कथा** । सम्पादक : पं० रामचन्द्र झा ०–२५
३१ **वाजसनेयिनां श्राद्धपद्धतिः** । म० म० श्रीदत्तानुसारिणी कुमारकर्तृक श्राद्धपद्धति सहित । म० म० श्री वाचस्पति मिश्र । श्रीरामचन्द्र झा १०–००
३२ **छान्दोगानां श्राद्धपद्धतिः** । श्री दत्तानुसारिणी कुमारकर्तृक श्राद्धपद्धति सहित । श्रीवाचस्पतिमिश्र कृत 'इन्दुमती' मैथिली टीका । रामचन्द्र झा सम्पादित १०–००
३३ **तिथिनिर्णयः** । १–२५ ३४ **छान्दोगानां नामकरण** ०–५०

चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन

चौखम्बा राष्ट्रभारती ग्रन्थमाला

१ **साहित्यालोक (अलङ्कार)** । [आई० ए०, बी० ए० तथा बी० ए० आनर्स के छात्रों हेतु पाठ्यक्रमानुसार] डॉ० राजवंश सहाय 'हीरा' ७–५०
२ **तुलसीदास की दोहावली का विवेचनात्मक अध्ययन (समालोचना)** । श्रीगौरीशङ्कर मिश्र २०–००
३ **लोलिम्बराज और उनकी कृतियाँ : एक अध्ययन (समालोचना) (ग्रन्थावली सहित)** । डॉ० ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, एम० ए०, पी-एच्० डी० ४०–००
४ **विचार और विवेचन** । डॉ० वामन केशव लेले १५–००
५ **वैदिक एवं वेदोत्तर भारतीय संस्कृति (वदिक)** । श्रीगङ्गाधरमिश्र ३०–००
६ **अमरकोष का कोषशास्त्रीय एवं भाषाशास्त्रीय अध्ययन (समा०)** । कैलाशचन्द्र त्रिपाठी ४०–००
७ **वैदिक साहित्य का इतिहास (वैदिक)** । डॉ० पारसनाथ द्विवेदी २५–००

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

चौखम्बा लोकभारती ग्रन्थमाला

१ **लोभ-विजय** (अर्थात् भ्रष्टाचार का संहार)। डा० रामसरूप 'रसिकेश' ८–००
२ **मोह-विजय**। डा० रामसरूप 'रसिकेश' ८–००
३ **क्रोध-विजय**। डा० रामसरूप 'रसिकेश' १०–००
४ **अहङ्कार-विजय**। डा० रामसरूप 'रसिकेश' ८–००

चौखम्बा सुरभारती ग्रन्थमाला

१ **पुराणपर्यालोचनम् (पुराणम्)**। डॉ० श्रीकृष्णमणि त्रिपाठी।
प्रथम : गवेषणात्मक भाग ५०–००, द्वितीय : समीक्षात्मक भाग ४०–००
२ **रघुवंशमहाकाव्यम् (काव्यम्)**। महाकवि कालिदास। 'चन्द्रकला' संस्कृत-हिन्दीव्याख्योपेतम्। आचार्य शेषराजशर्मा 'रेग्मीः'। प्रथम सर्ग ३–००
३ **लघुसिद्धान्तकौमुदी (व्याकरणम्)**। श्रीवरदाचार्य। 'शिवाख्य' संस्कृत-हिन्दीव्याख्योपेता। श्री गोमतीप्रसाद शास्त्री १२–००
४ **हितोपदेश-मित्रलाभः (नीतिः)**। अश्लीलांशवर्जितः। 'चन्द्रकला' संस्कृत-हिन्दीव्याख्योपेतः। आचार्य शेषराजशर्मा 'रेग्मी' १०–००
५ **तर्कसंग्रहः (न्यायः)**। श्रीमदन्नम्भट्ट। पदकृत्यटीकासहितो हिन्द्यभाषाऽनुवादद्वितीयोपेतश्च। आचार्य श्रीशेषराजशर्मा 'रेग्मी' ५–००
६ **तर्कसंग्रहः**। हिन्दीव्याख्यासहित। आचार्य श्री शेषराजशर्मा 'रेग्मी' १–७५
७ **कुमारसम्भव-महाकाव्यम् (काव्यम्)**। 'विमला' संस्कृत-हिन्दीव्याख्योपेतम्। डॉ० श्रीकृष्णमणि त्रिपाठी। १–२ सर्ग ६–००, तृतीय सर्ग ३–००
चतुर्थ सर्ग ३–००, पञ्चम सर्ग ४–५०
८ **भक्तिरत्नावली (वेदान्तः)**। डा० श्रीकृष्णमणि त्रिपाठी ३०–००
९ **रघुवंशमहाकाव्यम् (काव्यम्)**। 'विमला' 'चन्द्रकला' संस्कृत-हिन्दी-व्याख्योपेतम्। डा० श्रीकृष्णमणि त्रिपाठी। द्वितीय सर्ग ३–२५, तृतीय सर्ग ३–२५
चतुर्थ सर्ग ३–२५, पञ्चम सर्ग ३–२५, ६–७ सर्ग ६–५०, अष्टम सर्ग ४–००
१३–१४ सर्ग ६–५०, पृथक्-पृथक् सर्ग ३–२५
१० **नीतिशतकम् (नीतिः)**। श्रीभर्तृहरि। 'विमला'-संस्कृत-हिन्दी-व्याख्योपेतम्। डा० श्रीकृष्णमणि त्रिपाठी ५–५०
११ **अलङ्कार-सार-मञ्जरी (अलङ्कारः)**। सान्वय विस्तृत हिन्दीव्याख्या सहित। सम्पादकम्—म० म० पण्डितराज श्रीगोपालशास्त्री 'दर्शनकेशरी' ३–००
१२ **बृहद्वास्तुमाला (ज्योतिषम्)**। स्व० पं० श्रीरामनिहोर द्विवेदी। संशोधित एवं परिष्कृत तृतीय संस्करण। सम्पादक—डॉ० ब्रह्मानन्द त्रिपाठी १५–००
१३ **नैषधमहाकाव्यम् (काव्यम्)**। श्रीहर्ष। 'चन्द्रकला' संस्कृत-हिन्दी-व्याख्योपेतम्। आचार्य श्रीशेषराशर्मा 'रेग्मी'। प्रथम सर्ग ८–००
१–३ सर्ग १८–०० १–५ सर्ग २७–०० १–९ सर्ग ४५–००
१४ **औचित्य-जीवनम् (दर्शनम्)**। हिन्दी टीका सहित। मायाप्रसाद त्रिपाठी ४–००
१५ **पञ्चतन्त्र-अपरीक्षितकारकम् (नीतिः)**। श्रीविष्णुशर्मा। परीक्षोपयोगि 'विमला' संस्कृत-हिन्दीव्याख्या सहित। डा० श्रीकृष्णमणि त्रिपाठी ६–५०
१६ **युगपुराणम् (पुराणम्)**। हिन्दी टीका सहित। डा० श्रीकृष्णमणि त्रिपाठी ५–००
१७ **भट्टिमहाकाव्यम् (काव्यम्)**। 'काव्यमर्मविमर्शिकाख्य' संस्कृत-हिन्दी-व्याख्योपेतम्। म० म० पण्डितराज श्रीगोपालशास्त्री 'दर्शनकेशरी'। नवीन संशोधित संस्करण। १–४ सर्ग १०–००, ५–८ सर्ग १५–०० १४–२२ सर्ग १५–००

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

१८ **सांख्यकारिका (सांख्यम्)**। श्रीईश्वरकृष्ण। 'सांख्यप्रकाश' नामक परीक्षोपयोगि संस्कृत-हिन्दी व्याख्यायुक्त। डा० श्रीकृष्णमणि त्रिपाठी १०–००

१९ **सवृत्तिरष्टाध्यायीसूत्रपाठः (व्याकरणम्)**। श्रीमत्पाणिनिमुनि। सम्पादक—म० म० पण्डितराज श्रीगोपालशास्त्री 'दर्शनकेशरी' ६–००

२० **किरातार्जुनीयम् (काव्यम्)**। 'विजया' संस्कृत-हिन्दीव्याख्योपेतम्। डॉ० ब्रह्मानन्द त्रिपाठी। द्वितीय सर्ग ३–००, चतुर्थ सर्ग ३–००, ३–६ सर्ग ८–००

२१ **स्वप्नवासवदत्तम् (नाटकम्)**। महाकवि भास। 'चन्द्रकला' संस्कृत-हिन्दीव्याख्योपेतम्। आचार्य श्री शेषराजशर्मा 'रेग्मी:' १०–००

२२ **दशकुमारचरितम्–पूर्वपीठिका (काव्यम्)**। डा० श्रीकृष्णमणित्रिपाठीकृत 'विमला' संस्कृत-हिन्दीव्याख्या ७–५०

२३ **काव्यमीमांसा (अलङ्कारः)**। राजशेखर। परीक्षोपयोगि 'विमला'-'सुधा' संस्कृत-हिन्दी व्याख्या सहित। डा० श्रीकृष्णमणि त्रिपाठी। १–५ अध्याय ४–५०

२४ **प्रस्तावरत्नाकरः (निबन्धः)**। वाराणसी, बिहार आदि की पूर्व एवं उत्तरमध्यमा परीक्षोपयोगि संस्कृत-निबन्ध-संग्रह। डॉ० ब्रह्मानन्द त्रिपाठी ७–५०

२५ **शिशुपालवधम् (काव्यम्)**। श्रीरामजीलाल शर्मा कृत 'बालबोधिनी' संस्कृत-हिन्दी-व्याख्या। प्रथम सर्ग ५–००, द्वितीय सर्ग ५–००
तृतीय सर्ग ५–००, चतुर्थ सर्ग ५–००, १–४ सर्ग २०–००, १–६ सर्ग २७–००

२६ **मूलरामायणम्**। श्रीकृष्णमणि त्रिपाठी कृत संस्कृत-हिन्दी व्याख्या सहित ३–००

२७ **पालि-पल्लविनी (व्याकरण)**। (अवधविश्वविद्यालय के एम० ए० (हिन्दी) प्रथम वर्ष के पाठ्यक्रम पर आधारित संकलन)। कुमारी मुकुलरानी त्रिपाठी ५–००

२८ **प्रतिमानाटकम् (नाटकम्)**। महाकविभास। 'विमला' संस्कृत-हिन्दी-व्याख्योपेतम्। आचार्य जगदीशचन्द्र मिश्र १२–००

२९ **चन्द्रालोकः (अलङ्कारः)**। जयदेवकवि। 'विमला' 'सुधा'-संस्कृत-हिन्दी-व्याख्याद्वयोपेतः। डॉ० श्रीकृष्णमणि त्रिपाठी। पञ्चम मयूख ८–००, सम्पूर्ण १५–००

३० **काव्यदीपिका (अलङ्कारः)**। 'सुधा' 'विमला' संस्कृत-हिन्दीव्याख्योपेता। डॉ० श्रीकृष्णमणि त्रिपाठी। अष्टमशिखा २–५०, सम्पूर्ण १०–००

३१ **रत्नावली-नाटिका (नाटकम्)**। श्रीहर्ष। 'सुधा'-संस्कृत-हिन्दीटीका-द्वयोपेता। पं० परमेश्वरदीन पाण्डेय एम० ए०, साहित्याचार्य ९–००

३२ **नाट्यशास्त्रम् (नाट्य)**। १–२ अध्याय। सं० हि० व्याख्या। सत्यप्रकाशशर्मा ५–००

३३ **अनुवाद-चन्द्रिका (व्याकरण)**। डॉ० ब्रह्मानन्द त्रिपाठी १५–००

३४ **न्यायसिद्धान्तमुक्तावली (न्यायः)**। 'बालप्रिया' विस्तृत हिन्दी व्याख्या सहित। डॉ० गजाननशास्त्री 'मुसलगाँवकर' ३०–००

३५ **प्रौढमनोरमा (व्याकरणम्)**। 'सशब्दरत्न। 'बालप्रकाशिका' संस्कृत-हिन्दी व्याख्या सहित। व्याख्याकार—श्री द्वारिकाप्रसाद द्विवेदी। (पञ्चसन्ध्यन्त) २५–००

३६ **छन्दोमञ्जरी (छन्दःशास्त्रम्)**। 'सुषमा'-'सफला'-संस्कृत-हिन्दी व्याख्या। डा० ब्रह्मानन्द त्रिपाठी ८–००

३७ **लोलिम्बराज ग्रन्थावली (काव्यम्)**। सम्पा०–डॉ० ब्रह्मानन्द त्रिपाठी १०–००

३८ **सीताचरितम् (काव्यम्)**। संस्कृत-हिन्दीव्याख्या। रेवाप्रसाद द्विवेदी १०–००

३९ **(वैयाकरणनिकाये) स्फोटवादविवेचनम् (व्याकरण)**। डॉ० श्रीकृष्णमणि त्रिपाठी २–५०

४० **रघुवंशमहाकाव्यम् (काव्य)**। मल्लिनाथ कृत 'सञ्जीविनी' तथा श्रीकृष्णमणि त्रिपाठी कृत 'चन्द्रकला' हिन्दी व्याख्या सहित। सम्पूर्ण ३५–००

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

४१ **कादम्बरी (गद्यकाव्यम्)**। बाणभट्ट। श्रीशेषराजशर्मा 'रेग्मी' कृत 'चन्द्रकला' संस्कृत-हिन्दी व्याख्या। कथामुखपर्यन्तम् १७–५०
कथामुखाग्रतः शुकनासोपदेशान्तो भागः १७–५०
शास्त्रिपरीक्षासु निर्धारित आदितः शुकनासोपदेशान्तो भागः ३५–००
पूर्वार्द्धम् ६०–००

४२ **व्यक्तिविवेकः (अलङ्कारः)**। राजानकमहिमभट्ट। राजानक रुय्यक कृत 'व्यक्तिविवेकव्याख्यान' युक्त। डॉ० ब्रह्मानन्दत्रिपाठीकृत हिन्दी व्याख्या।
प्रथम विमर्श १५–००

४३ **व्याकरणशास्त्रस्येतिहासः (व्याकरण)**। डॉ० ब्रह्मानन्द त्रिपाठी ६–००

४४ **अर्थसंग्रहः (मीमांसा)**। लौगाक्षिभास्कर। रामेश्वरयोगिकृत 'मीमांसार्थसंग्रहकौमुदी' संस्कृत व्याख्या तथा डॉ० कामेश्वरनाथ मिश्र कृत 'प्रकाशिका' हिन्दी व्याख्या सहित २५–००

४५ **मालविकाग्निमित्रम् (नाटकम्)**। संस्कृत-हिन्दीव्याख्योपेतम। डा० रमाशंकर पाण्डेय १५–००

४६ **सिद्धान्तकौमुदी (व्याकरणम्)**। 'बालमनोरमा'-व्याख्यासमलङ्कृता। श्रीगोपालदत्त पाण्डेय कृत वैज्ञानिक, विवेचनात्मक 'दीपिका' हिन्दी व्याख्या सहित। कारकान्त भाग ७५–००

४७ **सिद्धान्तकौमुदी-बालमनोरमा (व्याकरणम्)**। रूपसिद्धि–पंक्तिलेखन प्रकार एवं छात्रोपयोगी विविध परिशिष्टादि युक्त। श्रीगोपालदत्त पाण्डेय।
कारकान्तः प्रथमो भागः २०–००
द्वितीय एवं चतुर्थ भाग यन्त्रस्थ। तृतीय भाग २०–००

४८ **शिशुबोधः (ज्यौतिषम्)**। सान्वयः-चन्द्रिका-भाषाटीकासमन्वितः। डा० ब्रह्मानन्द त्रिपाठी २–००

४९ **व्यवहार रत्नम् (ज्यौतिषम्)**। 'तारा'ऽभिधानया-हिन्दीव्याख्ययासंवलितम्। डा० ब्रह्मानन्द त्रिपाठी ५–००

५० **नाह्निदत्त-पञ्चविंशतिका (ज्यौ०)**। हिन्दीव्याख्योपेता। ब्रह्मानन्द त्रिपाठी १–००

५१ **मीमांसादर्शनम्–शाबरभाष्योपेतम् (मीमांसा)**। (तर्कपादः) विवेचनात्मक हिन्दी व्याख्या सहित। डा० उमाशङ्कर शर्मा 'ऋषि' १५–००

५२ **अमरकोषः (कोशः)**। रत्नप्रभाऽऽख्य संस्कृतव्याख्यया हिन्दीटिप्पण्यादिमिश्र विभूषितः। डा० ब्रह्मानन्द त्रिपाठी। प्रथमकाण्ड ४–५० सम्पूर्ण २५–००

५३ **अभिज्ञानशाकुन्तलम् (नाटकम्)**। 'विमला' 'चन्द्रकला' संस्कृत-हिन्दी व्याख्या सहित। डा० श्रीकृष्णमणि त्रिपाठी ३५–००

५४ **नलचम्पूः (चम्पूः)**। 'सुधा' संस्कृत-हिन्दी व्याख्या सहित। श्रीपरमेश्वरदान पाण्डेय। प्रथमोच्छ्वास १०–००, १–२ उच्छ्वास १५–००
१–५ उच्छ्वास ३५–००, सम्पूर्ण ५०–००

५५ **कालिदास-ग्रन्थावली (काव्यम्)**। आचार्य सीताराम चतुर्वेदी
(चतुर्थ संस्करण १९८०) ६०–००

५६ **पौराणिकविषयानुक्रमणिका (पुराणम्)**। डा० श्रीकृष्णमणि त्रिपाठी ४०–००

५७ **कपिलपुराणम् (पुराणम्)**। (समीक्षात्मकं संस्करणम्)। हिन्दी अनुवाद सहित। डा० श्रीकृष्णमणि त्रिपाठी ४०–००

५८ **प्रबन्धसङ्ग्रहः (व्याकरणम्)**। (व्याकरणाचार्य परीक्षोपयोगि निबन्ध) ब्रह्मानन्द त्रिपाठी ५–००

५९ **ऋजुपाणिनीयम्**। (प्रथम परीक्षोपयोगी)। डा० श्रीगोपालशास्त्री 'दर्शनकेशरी' ४–००

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

६० **विक्रमाङ्कदेवचरितम् (काव्यम्)**। विल्हणकवि। संस्कृत-हिन्दीव्याख्या-सहित। पं० श्रीहरगोविन्द शास्त्री। प्रथम सर्ग १०–००

६१ **शीघ्रबोधः (ज्यौतिषम्)**। 'निर्मला'–भाषाटीकासमेतः। डा० ब्रह्मानन्द त्रिपाठी ६–००

६२ **वेणीसंहारनाटकम् (नाटकम्)**। 'सुधा' संस्कृत-हिन्दीव्याख्यापेतम्। श्रीपरमेश्वरदीन पाण्डेय २०–००

६३ **भावप्रकाशनम् (अलङ्कारः)**। शारदातनयविरचितम्। हिन्दी भाष्यानुवादकार—डा० मदनमोहन अग्रवाल १००–००

६४ **साहित्यदर्पणालोकः (अलङ्कारः)**। (साहित्यदर्पण-प्रश्नोत्तरी)। सम्पादक—श्रीरामजीलाल शर्मा ८–००

६५ **विन्ध्यवासिनीविजयमहाकाव्यम् (काव्यम्)**। महाकविवसन्तत्र्यम्बकशेवडेविरचितम्। सम्पादक—डा० ब्रह्मानन्द त्रिपाठी १५–००

६६ **व्युत्पत्तिवादः। (न्यायः)** (शब्दखण्डग्रन्थः)। पं० शिवदत्तमिश्र विरचित 'दीपिका' टीकासमलङ्कृतः। पं० श्रीज्वालाप्रसादगौड़ विरचित टिप्पण्या–भूमिकया च सहितः। तेनैव संशोधितश्च ४०–००

६७ **संस्कृतसाहित्येतिहासः कुञ्जिका**। श्री परमानन्द शास्त्री ५–००

६८ **शुम्भवधमहाकाव्यम् (काव्यम्)**। महाकवि-वसन्तत्र्यम्बकशेवडे-विरचितम्। सम्पादक—डा० ब्रह्मानन्द त्रिपाठी १५–००

६९ **बालरामायणम् (नाटकम्)**। श्रीराजशेखरविरचितम्। हिन्द्यनुवादसहितम्। डा० गङ्गासागर राय १००–००

७० **बालरामायणम्**। मूलमात्र। सम्पादक—डा० गङ्गासागर राय ६०–००

७१ **वक्रोक्तिजीवितम् (अलङ्कारः)**। श्रीमद्राराजनककुन्तकविरचितम्। 'सुधा'-संस्कृत-हिन्दीव्याख्योपेतम्। श्रीपरमेश्वरदीन पाण्डेय। प्रथम उन्मेष २०–००

७२ **संस्कृतसाहित्येतिहासः**। प्रो० हंसराज अग्रवाल ३०–००

७३ **काव्यप्रकाशरहस्यम्**। पं० श्रीरामजीलाल शर्मा १०-००

७४ **तर्कभाषा (न्यायः)**। श्रीकेशवमिश्र। विवेचनात्मक हिन्दी व्याख्या सहित। डा० गजाननशास्त्री 'मुसलगाँवकर' ३५ ००

चौखम्बा आयुर्विज्ञान ग्रन्थमाला

१ **आयुर्वेदीय रोगों का वर्गीकरण**। डा०रमानाथ द्विवेदी एवं डा० गुरुदीपसिंह ८–००

२ **एलोपैथिक की पेटेण्ट औषधियाँ**। (एलोपैथिक पेटेण्ट मेडिसिन) डा० शिवनाथ खन्ना। द्वितीय संशोधित संस्करण ३०–००

३ **'सचित्र' कैंसर डायग्नोसिस तथा चिकित्सा**। डा० प्रियकुमार चौबे १५०–००

४ **'सचित्र' प्रसूति-तन्त्र**। डा० शिवनाथ खन्ना। द्वितीय संशोधित संस्करण ५०–००

५ **सरस दोष-धातु-मल-विज्ञान**। डा० वसन्तकुमार श्रीमाल १५–००

६ **माँ और शिशु (सचित्र)**। डा० श्रीमती प्रियम्वदा तिवारी ५–००

७ **'सचित्र' बाल-तन्त्र**। डा० शिवनाथ खन्ना ५०–००

८ **आयुर्वेद की पेटेण्ट औषधियाँ**। डा० जहानसिंह चौहान २५–००

९ **अजीर्णमञ्जरी**। हिन्दी टीका सहित। टीकाकार—डा० ब्रह्मानन्द त्रिपाठी २–००

१० **प्रियनिघण्टुः**। आचार्यप्रियव्रतशर्मणा प्रणीतः स्वरचित पद्माख्य-हिन्दीव्याख्यया संवलितः २०–००

११ **चरकसंहिता**। 'चरक-चन्द्रिका'-हिन्दीव्याख्या, विशेष वक्तव्य आदि संवलित। (अभिनव संस्करण) व्याख्याकार—डा० ब्रह्मानन्द त्रिपाठी सूत्रस्थान ५०–००
[द्वितीय खण्ड शीघ्रप्राप्य] प्रथम खण्ड १००–००

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

१२ स्वस्थवृत्तम् । हिन्दीव्याख्या सहित । डा० ब्रह्मानन्द त्रिपाठी ३–००
१३ त्वचाविज्ञान-प्रवेशिका । श्री अ० व्यं० सावजी ८–००
१४ पदार्थविज्ञान-दर्पण । (केन्द्रीय भारतीय चिकित्सा परिषद्, नई दिल्ली द्वारा स्वीकृत पाठ्यक्रमानुसार) । डा० विद्याधर शुक्ल ४०–००

व्रजजीवनदास प्राच्यभारती ग्रन्थमाला

१ अमरकोषः । श्रीमदमरसिंहविरचितः । विद्वद्वरभानुजिदीक्षितकृतया सुधाख्यया 'रामाश्रमीत्यपरनामधेयया व्याख्यया सहितः । भूमिकालेखकः—डा० ब्रह्मानन्दत्रिपाठी १२५–००

CHAUKHAMBA SURBHARATI STUDIES

1 KAVYALANKAR KARIKA (अभिनवं काव्यशास्त्रम्) Sanskrit Vritti & English Translation By Dr. Reva Prasad Dwivedi 30–00
2 AUCITYAJIWANAM (वेदान्तः) Text with English Translation By Acharya Maya Prasad Tripathi 5–00
3 THE DOCTRINE OF THE 'TANTRAYUKTI–S' (तन्त्रम्) By Dr. W. K. Lele 50–00
4 THE PHILOSOPHY OF NIMBARKA. (वेदान्तः) Dr. Madan Mohan Agrawal 75–00

चौखम्बा स्तोत्र-व्रतकथा ग्रन्थमाला

१ अन्नपूर्णास्तोत्रम् (स्तोत्रम्) । हिन्दीटीकासहितम् । पं० श्रीशिवदत्त मिश्र ०–७५
२ सत्यनारायणकथा । पूजाविधि-भाषाटीका-सहिता । डा० ब्रह्मानन्द त्रिपाठी २–००
३ ऋषीपञ्चमीव्रतकथा (व्रतमाहात्म्य) । भाषाटीका । पूजाविधि, उद्यापन-विधिसहिता । पं० श्रीदुर्गादत्त पाण्डेय १–५०

प्रकीर्ण-ग्रन्था

१ भारत में संस्कृत की अनिवार्यता क्यों (समालोचना) । डा० भगीरथप्रसाद त्रिपाठी १०–००
२ भक्ति-चन्द्रिका (वेदान्त) । डा० श्रीकृष्णमणि त्रिपाठी ४०–००
३ वृत्तमञ्जरी (छन्दशास्त्र) । परममाहेश्वर-पण्डितवसन्तत्र्यम्बकशेवडेविरचिता । स्वोपज्ञभावबोधिनीव्याख्यया समलङ्कृता ५–००
४ रसस्वरूप-निरूपणम् (अलङ्कारः) । (साहित्य-दर्पण के रस-स्वरूप का हिन्दी अनुवाद) । डा० मदनमोहन अग्रवाल ५–००
५ चाँद बोला (हिन्दी उपन्यास) । श्रीद्विजेन्द्रनाथ मिश्र 'निर्गुण' ५–००
६ पाँच लघु नाटक (हिन्दी नाटक) । श्रीकुँअरजी अग्रवाल ६–००
७ हिन्दी निबन्ध-संग्रह । सम्पादक—सिद्धिनाथ श्रीवास्तव ७–००
८ विश्वकर्माचार्यपद्धति (कर्मकाण्ड) । रामचन्द्र झा १–००
९ कुण्डली कागज—प्रत्येक पत्र ०–२० सैकड़ा नेट २५–००
१० पुरुषार्थ-चतुष्टय । प्रेमवल्लभ त्रिपाठी ३०–००

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

१–सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी के प्रकाशन

अद्वैतदीपिका । नृसिंहाश्रम विरचित । अद्वैतदीपिका विवरणाख्यटीका । प्रथमभाग ३८–००
अथर्ववेद शान्तिपुष्टिकर्माणि (वेद) । डा० माया मालवीया रचित ८–००
अभावविमर्शः (न्याय) । दीपकघोषविरचित । १६–००
अभिधम्मत्थसंगहो (बौद्ध) आचार्य अनिरुद्ध विरचित । भाषानुवादक—भदन्त-रेवत धम्म तथा श्रीरमाशंकर त्रिपाठी । प्रथम भाग १५–००, द्वितीय भाग २०–००
अभिनवमनोविज्ञानम् (समालोचना) । प्रभुदयाल अग्निहोत्री विरचित ९–००
अर्वाचीनं ज्योतिर्विज्ञानम् (ज्यौतिष) । श्रीरायनाथ सहाय विरचित १३–००
अर्वाचीनं मनोविज्ञानम् (समालोचना) । मामराजदत्त कपिल रचित ११–००
आश्वलायनश्रौतसूत्रम् (वेद) । सिद्धान्तभाष्य सहित । सम्पा० डा० मंगलदेव शास्त्री द्वितीय भाग २–५०
उकरा (ज्यौतिष) । पारसी से संस्कृत भाषा में अनुदित । सावजुसयुस द्वारा विरचित । सम्पादक—विभूतिभूषण भट्टाचार्य २९–००
उषारागोदया (नाटिका) । रूद्रचन्द्रदेव विरचित २–००
कातन्त्रव्याकरणविमर्शः (व्याकरण) । डा० जानकीप्रसाद द्विवेदी ४०–००
काव्यप्रकाशः (अलङ्कार) । परमानन्दचक्रवर्तीकृत विस्तारिका टीका से विभूषित । सम्पा०—डा० गौरीनाथ शास्त्री । प्रथम ३८–००, द्वितीय भाग ४८–००
काव्यप्रकाशः (अलङ्कार) । मम्मटाचार्यरचित । चण्डीदास कृत दीपिका टीका युक्त । द्वितीय भाग १–५० तृतीय भाग २०–००
किरणावली (वैशेषिक) । उदयनाचार्य । गौरीनाथ शास्त्री ४१–००
किरणावलीरहस्यम् (वैशेषिक) । मथुरानाथ तर्कवागीश २४–००
गोरक्षसंहिता (योग) श्रीगोरक्षनाथ विरचित । सम्पा०–जनार्दन पाण्डेय प्रथम भाग ५०–१०, द्वितीय भाग ३४–००
गोरक्षसिद्धान्तसंग्रह (योग) । सम्पादक—जनार्दन पाण्डेय १०–५०
ग्रहगणितमीमांसा (ज्योतिष) । डा० मुरारीलालशर्मा रचित ५–५०
ग्रहनक्षत्राणि (ज्योतिष) । डा० सम्पूर्णानन्द २६–००
चिद्गगनचन्द्रिका (तंत्र) । महाकविकालिदासप्रणीत । रघुनाथमिश्र विरचित 'क्रमप्रकाशिका' व्याख्या सहित ४६–००
जैमिनीयं सामगानम् (संगीत) । सम्पादक—विभूतिभूषण भट्टाचार्य ४५–००
ज्योतिर्विज्ञानम् (ज्योतिष) । अर्कसोमयाजी धूलिपाल विरचित ९–००
तन्त्ररत्नम् (मीमांसा) । पार्थसारथिमिश्रविरचित । सम्पा०—टी० रामचन्द्र दीक्षित । तृतीय भाग ५–५०, चतुर्थ भाग १३–०० पंचम भाग ४६–६०
तंत्रसंग्रहः (तंत्र) । सम्पादक—म० म० गोपीनाथ कविराज । तृतीय भाग ९२–२०, चतुर्थ भाग ३२–००
तत्त्वचिन्तामणिः मङ्गलवादान्तः (न्याय) । मथुरानाथ तर्कवागीश विरचित । 'तत्वचिन्तामणिरहस्य' व्याख्या सहित । सम्पादक–पं० बदरीनाथ शुक्ल १५–००
तत्त्वचिन्तामणि उपमानखण्डात्मकः (न्याय) । प्रागल्भाचार्य प्रणीत 'प्रागल्भी' टीका समलंकृत १५–००
तत्त्वचिन्तामणौ प्रामाण्यवादः (न्याय) । गौरीनाथशास्त्रीप्रणीत 'प्रभा' व्याख्या १५–००
दीधितिकारोपज्ञविचाराणामालोचनम् (न्याय) । डा० श्रीरामपाण्डेयः ५०–००
दीर्घवृत्तलक्षणम् (ज्यौतिष) । सुधाकर द्विवेदी ४–५०

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

द्वैतपरिशिष्टम् (धर्मशास्त्र) । श्रीकेशवमिश्र विरचित । सम्पा० पं० दुर्गाधर झा ८–००
धर्मशास्त्रीयव्यवस्थापत्रसंग्रहः (धर्मशास्त्र) । सम्पादक—डा० सुभद्र झा १०–००
धात्वर्थविज्ञानम् (व्याकरण) । डॉ० भागीरथप्रसाद त्रिपाठी ३१–००
न च रत्नमालिका (न्याय) । श्रीशास्त्रीशर्मारचित स्वोपज्ञनूतनालोकसहित । सी० के० रामन् नम्पियार; टी० राम वारियर, के० अच्युतप्योतुवाल् रचित आलोकप्रकाश सहित ६–५०
नानकचन्द्रोदयमहाकाव्य । श्रीदेवराजशर्मा विरचित । सम्पा० श्रीव्रजनाथ झा ७४–६०
न्यायकुसुमाञ्जलिः (न्याय) । श्रीउदयनाचार्य । सम्पादक—श्रीदुर्गाधर झा ६५–५०
न्यायकौस्तुभः (न्याय) । अनुमानखण्डात्मक । महादेवपुणतामकर विरचित । सम्पादक—स्वर्गीय दामोदरलाल गोस्वामी १०–००
न्यायमञ्जरी (न्याय) । ग्रन्थीभङ्गव्याख्यायुक्त । प्रथम भाग ६४–००
द्वितीय भाग ५०–०० तृतीय भाग ३८–००
परमागमसारो । श्रुतमुनिविरचित ४–५०
पाणिनीयप्रबोधः (व्याकरण) । श्रीगोपालशास्त्री दर्शनकेशरी ४–५०
पाणिनीयव्याकरणे प्रमाणसमीक्षा (व्याकरण) । डा० रामप्रसाद त्रिपाठी २६–२५
पारसीकप्रकाशः (कोश) । विहारीकृष्णदास । सम्पादक—विभूतिभूषण भट्टाचार्य ५–५०
पालित्तिपिटकसद्दानुक्कमणी (बौद्ध) । सम्पा०—डा० भागीरथप्रसाद त्रिपाठी प्रथम भाग १००–६० द्वितीय भाग ३६–००
पाश्चात्यनीतिशास्त्रम् (नीति) । विश्वेश्वरसिद्धान्तशरोमणिविरचित ४–००
पुराणेतिहासयोः सांख्ययोगदर्शनविमर्शः (समालोचना) । डा० श्रीकृष्णमणि त्रिपाठी ३२–००
प्रक्रियाकौमुदी (व्याकरण) । प्रकाशटीकोपेता । सम्पा० पं० मुरलीधर मिश्र प्रथम भाग ५२–७०, द्वितीय भाग ६७–००, तृतीय भाग ८४–००
प्रक्रियाकौमुदीविमर्शः (व्याकरण) । ड० आद्याप्रसादमिश्र कृत ८–००
प्रशस्तपादभाष्य (वैशेषिक) । प्रशस्तपादाचार्य विरचित । श्रीधरकृत 'न्यायकन्दली' टीका युक्त । सम्पादक—श्रीदुर्गाधर झा ६८–००
प्राच्यभारतीयऋतुविज्ञानम् (समालोचना) । डा० धुनीराम त्रिपाठी कृत १८–००
बौद्ध तथा अन्य भारतीय योगसाधना (समालोचना) । रमाशंकर त्रिपाठी ३२–००
बौद्ध-साधना का विकास (समालोचना) । १–७५
बौधायनशुल्वसूत्रम् (धर्मशास्त्र) । बौधायनाचार्यविरचित । व्यंकटेश्वर दीक्षित विरचित 'बौधायनशुल्वमीमांसा' व्याख्या एवं द्वारकानाथयज्व विरचित 'शुल्वदीपिका' व्याख्या । सम्पादक—विभूतिभूषण भट्टाचार्य ७५–००
भाभ्रमरेखानिरूपणम् (ज्योतिष) । सुधाकर द्विवेदी प्रणीत २–००
भारतस्य सांस्कृतिको दिग्विजयः (समालोचना) । कालिकाप्रसाद शुक्ल १०–००
भारतीयकर्मकाण्डस्वरूपाध्ययनम् (कर्मकाण्ड) । विन्ध्येश्वरीप्रसाद त्रिपाठी १६–००
भारतीय चिन्तन की परम्परा में नवीन सम्भावनायें । राधेश्यामधर द्विवेदी प्रथम भाग २३–०० द्वितीय भाग ४६–००
भारतीयविचारदर्शनम् (समालोचना) । श्रीहरिहरनाथ त्रिपाठी विरचित प्रथम भाग ४०–०० द्वितीय भाग १०५–६०
भूषणसारपरमलघुमञ्जूषयोः सिद्धान्तानां समीक्षा (व्याकरण) । राममनोहर मिश्र ३५–००
महाभाष्यनिगूढाकूतयः (व्याकरण) । डा० देवस्वरूप मिश्र २६–८०

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

यंत्रराजविचारविंशाध्यायी (ज्योतिष) । नयनसुखोपाध्यायविरचित ११–००
योगतंत्रविमर्शिनी (तंत्र) । गोपीनाथ कविराज ५–००
योगिनीहृदय (तंत्र) । अमृतानन्दयोगीकृत दीपिका, भास्कररायकृत सेतुबन्धक युक्त । सम्पादक—म० म० गोपीनाथ कविराज ३३–४०
रसगङ्गाधरः (अलङ्कार) । पण्डितराजजगन्नाथविरचित । केदारनाथ ओझा कृत 'रसचन्द्रिका' व्याख्या । प्रथम भाग २२–००, द्वितीय भाग ६०–००
रसिकजीवनम् । रामनन्दपति त्रिपाठी विरचित ७–००
लघुकाशिका (व्याकरण) । श्रीसुदर्शनाचार्य त्रिपाठी । प्रथम भाग १९–२५
द्वितीय भाग १९–००
लिङ्गवृत्तिविचारः । वररुचिविरचित २–५०
लुप्तागमसंग्रहः (तंत्र) । व्रजवल्लभ द्विवेदी द्वितीय भाग ७६–००
वाक्यपदीयम् (व्याकरण) । भर्तृहरि । पुण्यराजकृत विवरण तथा रघुनाथशर्माकृत 'अम्बाकर्त्री' टीका सहित । सम्पा० पं० रघुनाथशर्मा । प्रथमकाण्ड (ब्रह्मकाण्ड) २६–५०
द्वितीयकाण्ड (वाक्यकाण्ड) ४६–००
वाक्यपदीयम् । (व्याकरण) । आचार्यभर्तृहरिविरचित । हेमराजविरचित प्रकाश व्याख्या, रघुनाथशर्मा विरचित अम्बाकर्त्री व्याख्या सहित ।
तृतीयकाण्ड—प्रथमभाग (पदकाण्ड) समाप्त । द्वितीयभाग १०७–००
तृतीय भाग (वृत्तिसमुद्देशात्मक) ६५–००
वाक्यपदीयपाठभेदनिर्णयः (व्याकरण) । पं० रघुनाथ शर्मा २६–००
वास्तवचन्द्रश्रृङ्गोन्नतिसाधनम् (ज्यौतिष) । सुधाकर द्विवेदी कृत ८–००
विराड्विवरणम् । रामानन्दपति त्रिपाठी विरचित ३–५०
विशुद्धिमग्गो (बौद्ध) । आचार्यबुद्धघोषविरचित । भदन्त धर्मपाल कृत मञ्जूषामहाटीका युक्त । सम्पादक—डा० रेवतधम्म (वर्मी) प्रथम भाग ३६–००
द्वितीय भाग ३२–००, तृतीय भाग २७–००
व्याकरणदर्शनभूमिका (व्याकरण) । रामाज्ञा पाण्डेय २८–००
व्याकरणदर्शनप्रतिमा (व्याकरण) । श्रीरामाज्ञापाण्डेय विरचित ३३–६०
वैदिकशिक्षादर्शनबिन्दु । पट्टाभिरामशास्त्री १–५०
वैयाकरणानामन्येषां च मतेन शब्दस्वरूपतच्छक्तिविचारः (व्याकरण) । डा० कालिकाप्रसाद शुक्ल २६–५०
वैयाकरणसिद्धान्तमञ्जूषा । नागेशभट्ट । सम्पादक–डा० कालिकाप्रसाद शुक्ल ३६–००
वैशेषिकसिद्धान्तानां गणितीयपद्धत्या विमर्शः (समालोचना) । डा० नारायणगोपाल डोंगरे २४–६०
श्लोकसिद्धान्तकौमुदी (व्याकरण) । डा० सुरेश झा । प्रथम भाग ३१–००
द्वितीय भाग ५८–००
शिष्यधीवृद्धिम् । लल्लाचार्य विरचित ४५–००
शुक्लयजुर्वेदकाण्डसंहिता (वेद) । सायणभाष्ययुक्त । उत्तरविंशति २२–००
शुद्धाद्वैतमार्तण्डः (वेदान्त) । गोस्वामी गिरधर विरचित । बालकृष्णभट्टकृत—प्रमेयार्णव, श्रीहरिरायजिद्विरचित—ब्रह्मवाद । सम्पा०—श्रीसत्यनारायण मिश्र ५–००
श्रमणविद्या । (रजतजयन्तीविशेषाङ्क) ३२–००
श्राद्धकल्पः (कर्मकाण्ड) । श्रीदत्तोपाध्यायकृत । सम्पादक–अशोकचटर्जी शास्त्री १९–००
श्राद्धविमर्शः (कर्मकाण्ड) । उमाशंकर त्रिपाठी २२–००
सरलत्रिकोणमितिः (ज्योतिष) । बापूदेवशास्त्रीकृत । सम्पा०–श्रीगोविन्द पाठक २९–००

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

सात्वतसंहिता । अलशिङ्ग विरचित भाष्य समलंकृत १२०–००
सिद्धान्तशिरोमणि । भास्कराचार्यकृत स्वोपज्ञ व्याख्या ६८–००
सिद्धान्तसार्वभौम । (ज्योतिष) । मुनीश्वर विरचित । भूमिका लेखक और सम्पादक—श्रीमुरलीधर ठक्कुर ज्योतिषाचार्य तृतीय भाग ३२–२०
सूक्तिमुक्तावली (सुभाषित) । गोकुलनाथोपाध्याय । सम्पा० भूपनारायण झा ७–५०
सूर्यग्रहणम् (ज्योतिष) । डा० कृष्णचन्द्र द्विवेदी कृत ११–००
स्कन्दशारीरम् (ज्योतिष) । सम्पादक—गणेशदत्तपाठक १५–००
हयतगन्थः (ज्योतिष) । (अरबीय सिद्धान्तज्योतिष) विभूतिभूषण भट्टाचार्य २–००

२–काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी के प्रकाशन

उहगानम् उह्यगानम् । ए० एम० रामनाथ दीक्षित ६०–००
ऋग्वेदप्रातिशाख्य । वीरेन्द्रकुमार वर्मा ७२–००
ऋग्वेदप्रातिशाख्य : एक परिशीलन । वीरेन्द्रकुमार वर्मा ४५–००
कवि-समय-मीमांसा । डा० विष्णुस्वरूप १३–५०
गीताप्रवचनमाला । गिरिधरशर्मा चतुर्वेदी । १ व ३ भाग ५२–००
चतुर्वर्गचिन्तामणि । हेमाद्रिपण्डित । प्रथम भाग ४५–००
चम्पूरामायण । डा० कु० करुणा श्रीवास्तव १३–००
दत्तकमीमांसा । आ० रा० प्र० पाण्डेय ४२–००
ध्वनि प्रस्थान में आचार्य मम्मट का अवदान । डा० ज० श० शर्मा ६४–००
पुराणविषयानुक्रमणी । डा० राजवली पाण्डेय २२–५०
प्रकरणपञ्चिका । पं० सुब्रह्मण्य शास्त्री ३७–५०
प्रमाणवार्तिकान्तर्गत । दलसुखभाई मालवणिया २२–५०
बौद्ध संस्कृत काव्य समीक्षा । रामायणप्रसाद द्विवेदी ६८–००
ब्रह्मसिद्धान्त । मधुसूदन ओझा १८–००
यजुर्वेदसंहिता । मूल । महर्षि दैवरात ५५–००
रसगङ्गाधरः । व्याख्याकार—मधुसूदन शास्त्री । १–३ भाग १०७–००
विज्ञानामृतभाष्य । के० ना० त्रिपाठी ५५–००
विक्रमाङ्कदेवचरित । विश्वनाथशास्त्री भारद्वाज । १ व ३ भाग २२–५०
वेदार्थकल्पलता । महर्षि देवराज ३७–५०
वेदान्तकौमुदी । डा० राधेश्याम चतुर्वेदी ८०–००
वैदिककोश । डा० सूर्यकान्त ३३–००
वैदिकविश्वदर्शन । पं० हरिशंकर जोशी । १–४ भाग ५३–५०
व्याख्याकारों की दृष्टि में पातञ्जलयोगसूत्र का समालोचनात्मक अध्ययन । डा० कु० विमला कर्णाटक ६५–००
संगीतराज । डा० प्रेमलता शर्मा ६०–००
सनातनधर्मोद्धार । पं० उमापति द्विवेदी । १–३ भाग २२–५०
सरस्वतीकण्ठाभरणालङ्कार । डा० पी० एन० भट्टाचार्य १००–००
A Cultural Study of the Srimad Bhagavata. Kishori Sharma Tripathi 40–00
A Critical Study of Latyayana Srauta Sutra. Dr. K. P. Singh. 21–00

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

Purva Mimansa in its Sources Dr. G. N. Jha 22–50
Evolution of Brahman Class. Padma Mishra 68–50
Paninian Interpretaion of Sanskrit Language.
Dr. N. C. Nath 30–00

३–काशीराज ट्रस्ट के प्रकाशन

कूर्मपुराण । हिन्दी टीका १००–००, पाठसमीक्षात्मक संस्करण २५०–००
वामनपुराण । हिन्दी टीका १००–००, आंग्लानुवाद २००–०० पाठ० संस्करण २५०–००
नीतिश्लोकाः । १०–००
मानव धर्मशास्त्र और भविष्यपुराण । २०–००
रामचरितमानस । मूल १५–००
गरुणपुराण : एक अध्ययन । आंग्लानुवाद ४०–००
मत्स्यपुराण : एक अध्ययन । आंग्लानुवाद ४०–००
नारदपुराण : एक अध्ययन । आंग्लानुवाद ७५–००
वाराहपुराण । पाठसमीक्षात्मक संस्करण । सम्पा० आनन्दस्वरूप गुप्त १०००–००
Varah Puran. Text with Eng. Tr.—A. B. Bhattacharya 700–00

४–रत्ना पब्लिकेशन, वाराणसी के प्रकाशन

अद्वैतसिद्धिः (वेदान्त) । बालबोधिनी टीका सहित । सम्पा० डा० सितांशु शेखर बागची १–२ भाग १२०–००
काशिका (व्याकरण) । पदमञ्जरी एवं न्यास सहित । सम्पा० द्वारिकादास शास्त्री ३ से ६ भाग २४०–००
तंत्रयात्रा (तंत्र) । व्रजवल्लभ द्विवेदी ६०–००
भाषावृत्तिः (व्याकरण) । पुरुषोत्तदेव कृत ५०–००
श्लोकवार्तिक (मीमांसा) । 'न्यायरत्नाकर' सहित । सम्पा० द्वारिकादास शास्त्री ७५–००
सांख्यसूत्र (सांख्य) । 'अनिरुद्धवृत्ति' सहित । सम्पा० डा० रमाशंकर भट्टाचार्य ५–००

५–तारा पब्लिकेशन, वाराणसी के प्रकाशन

अभिनव प्राकृत व्याकरण (व्याकरण) । (हिन्दी) डा० नेमिचन्द शास्त्री २५–००
ऐतरेयब्राह्मण (वैदिक) । सायणभाष्य, हिन्दी टीका सहित । १–२ भाग १७०–००
कच्चायन व्याकरण (पालि व्याकरण) । (हिन्दी) लक्ष्मीनारायण तिवारी २५–००
पालि प्रवेशिका (व्याकरण) । डा० कोमलचन्द्र जैन १०–००
प्राकृत प्रवेशिका (व्याकरण) । डा० कोमलचन्द्र जैन १०–००
प्राकृत भाषा और साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास (समालोचना) । (हिन्दी) डा० नेमिचन्द शास्त्री ३०–००
माधवीयधातुवृत्तिः (व्याकरण) । सायणाचार्य ८०–००
विधिविवेकः (मीमांसा) । न्यायकाशिका सहित । सम्पा० एम० ए० गोस्वामी ३०–००

६–बौद्धभारती प्रकाशन (द्वारकादास शास्त्री द्वारा सम्पादित)

अभिधर्मकोश (बौद्ध) । सोपज्ञभाष्य एवं स्फूटार्था टीका सहित । १–२ भाग १५०–००
तत्त्वसंग्रहः (बौद्ध) । कमलशीलकृत 'पञ्जिका' सहित । सम्पा० द्वारिकादास शास्त्री १–२ भाग १५०–००
न्यायदर्शन (न्याय) । महर्षि गौतम । भाष्य एवं हिन्दी अनुवाद सहित ५०–००

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

न्यायबिन्दु (न्याय)। धर्मोत्तर तथा विनीतदेव की टीकाओं से युक्त	२५–००
प्रमाणवार्तिक (बौद्ध)। आचार्य धर्मकीर्ति। मनोरथनन्दिवृत्ति सहित	२५–००
बालावतार (बौद्ध)। धर्मकीर्ति स्वामी। हिन्दी अनुवाद सहित	१०–००
मिलिन्दपन्हो (बौद्ध)। भदन्तनागसेन, विस्तृत भूमिका तथा टिप्पणियों से युक्त	२५–००
वादन्याय तथा सम्बन्धपरीक्षा (बौद्ध)। आचार्य धर्मकीर्ति। शान्तरक्षित कृत 'विपञ्चितार्था' व्याख्या सहित	१५–००
विशुद्धिमग्ग (बौद्ध)। आचार्य बुद्धघोष। विस्तृत भूमिका तथा टिप्पणी से युक्त	४०–००
पालिसद्दनिदस्सिका (कोश)। पाली-संस्कृत-हिन्दी कोश	१५–००

७–व्यास-प्रकाशन

आह्निकसूत्रावली। नारायणशर्माविरचित	३०–००
ईशाद्यष्टोत्तरशतोपनिषद्	४०–००
शिवराजविजयः। अम्बिकादत्त व्यास। १–२ निःश्वास ५–००, १–३ निःश्वास	६–००
४–५ निःश्वास ३–५०, प्रथम विराम (१–४ निःश्वास)	८–००
द्वितीय विराम (५–८ निःश्वास) १२–००, तृतीय विराम (९–१२ निःश्वास)	२०–००
सामवतम्। अम्बिकादत्त व्यास	१२–००
गुप्ताशुद्धिप्रदर्शनम्। अम्बिकादत्त व्यास	४–००
ग्रहशान्तिविधि। वेणीराम शर्मा गौड़	२५–००
शुक्लयजुर्वेदीय रुद्राष्टाध्यायी। वेणीराम शर्मा गौड़	८–००
शिवार्चन-पद्धति। वेणीराम शर्मा गौड़	५–५०
शुक्लयजुर्वेदीय-मन्त्रसंहिता। वेणीराम शर्मा गौड़	२०–००
जन्मकुण्डली-पत्रिका। सप्तवर्गी	३–५०

८–स्वामी योगिन्द्रानन्द जी के ग्रन्थ

अद्वैतसिद्धि। १–२ भाग	७६–००	**खण्डनखण्डखाद्यम्**।	५६–००
तत्वप्रदीपिका (चित्सुखी)।	२४–००	**न्यायभूषणम्**।	२०–००
ब्रह्मसूत्रशांकरभाष्य-भामती। हिन्दी टीका १–२ भाग			१४०–००
मानमनोहर।	१५–००	**मानमेयोदय**।	१५–००
संक्षेपशारीरकम्।			२०–००

९–कैलाश आश्रम ट्रस्ट, ऋषिकेश के प्रकाशन

बृहदारण्यकोपनिषद्। १–२ भाग			१००–००
छान्दोग्योपनिषद्। शांकरभाष्य, आनन्दगिरि तथा हिन्दी टीका			६०–००
वेदान्तपरिभाषा। हिन्दी टीका			४०–००
माण्डूक्योपनिषद्। शांकरभाष्य, आनन्दगिरी तथा हिन्दी टीका			२५–००
ईशावास्योपनिषद्। शांकरभाष्य तथा हिन्दी टीका			५–००
मुण्डकोपनिषद्। शांकरभाष्य तथा हिन्दी टीका			६–००
ईशादिद्वादशोपनिषद्। हि० टी०			२५–००
ईशावास्यप्रवचनसुधा।	१२–००	**श्रुतिसारसमुद्धरणम्**।	५–००
ब्रह्मसूत्रम्।	५–००, १०–००	**सागरसेतु**।	१०–००
तत्वबोध एवं आत्मबोध।	५–००	**आदर्श जीवन**।	३–००
वेदान्तरत्नाकर।	३–००	**यतीन्द्रतिलक**।	३२–००

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

केनोपनिषद् ।	८–००	कठोपनिषद् ।	९–००
प्रश्नोपनिषद् ।	९–००	तैत्तिरीयोपनिषद् ।	१०–००
ऐतरेयोपनिषद् ।	९–००	ईशादिसप्तोपनिषद् ।	८०–००
द्विव्यस्तुति ।	१०–००		

१०–महेश अनुसन्धान शोध-संस्थान, वाराणसी के प्रकाशन एवं महेशानन्दगिरि साहित्य

ईशावास्योपनिषद् ।	१–५०	दशः शान्तयः (वैदिक सम्प्रदायान्तर्गत) भाषा टीका	३–००
कठोपनिषद् । प्रथम भाग	२०–००		
गीता-प्रवेश ।	१५–००	मानवता की ओर	१५–००
मानसोल्लास माधुरी ।	२०–००	स्तुतिकदम्बः ।	२–५०
व्यक्तित्व का विकास ।	५–००	Jivan Yajna.	12–00
श्वेताश्वतर-उपनिषद् ।	२०–००	Our Dharma.	3–00
साधन संग्राम । १–२ भाग	२५–००		
रुद्राध्यायः ।	७५–००	उपदेश साहस्री ।	३०–००
सिद्धान्तबिन्दुः ।	३०–००	शतश्लोकी ।	८–००
पञ्चीकरणम् ।	१०–००	प्रकरणाष्टकम् ।	१०–००
प्रकरणद्वादशी ।	८५–००	उपनिषद्भाष्य । १–२	२६५–००

बृहदारण्यकोपनिषद्-सम्बन्धभाष्यवार्तिकम् ।	३०–००
बृहदारण्यकोपनिद्भाष्यवार्तिकम् ।	१५०–००

११–अष्टादश पुराण, उपपुराण, वेद ग्रन्थ

अग्निपुराण । मूलमात्र सजिल्द	२५०–००	वामनपुराण । मूलमात्र	१२०–००
कूर्मपुराण । मूलमात्र	१२०–००	वामनपुराण । हिन्दी टीका	१००–००
कूर्मपुराण । हिन्दी टीका	१००–००	वामनपुराण । (पाठसमीक्षात्मक)	२५०–००
कूर्मपुराण । (पाठसमीक्षात्मक)	२५०–००	वाराहपुराण । मूलमात्र	१००–००
गरुणपुराण । मूलमात्र	दुष्प्राय	वाराहपुराण । मूलमात्र	१५०–००
नारदीयपुराण । मूलमात्र	२५०–००	वाराहपुराण । पाठसमीक्षामक	२६५–००
पद्मपुराण । मूलमात्र १–३ भाग	८००–००	विष्णुपुराण ।	दुष्प्राप्य
ब्रह्मपुराण । हिन्दी टीका	१००–००	वैष्णवमहापुराण ।	दुष्प्राप्य
ब्रह्मवैवर्तपुराण । मूलमात्र । १–३ भाग	२५०–००	शिवपुराण । मूलमात्र	१२५–००
		शिवपुराण । हि०टी० । पत्राकार	३००–००
ब्रह्मवैवर्तपुराण । हि० टी० प्रथम भाग	१००–००	शिवपुराण । भाषामात्र	५६–००
ब्रह्माण्डपुराण । मूलमात्र	९०–००	श्रीमद्भागवतमहापुराण । मूलमात्र	५०–००
ब्रह्माण्डपुराण । मूलमात्र	१५०–००	श्रीमद्भागवतम् । हिन्दी टीका पत्राकार	२५०–००
भविष्यपुराण ।	दुष्प्राप्य		
मत्स्यपुराण । मूलमात्र	१००–००	श्रीमद्भागवतम् । श्रीधरी टीका	२००–००
मत्स्यपुराण । भाषामात्र	६०–००	स्कन्दमहापुराण । मूलमात्र १–३ भाग	१०००–००
मार्कण्डेयपुराण । हि० टी०	१४०–००		
मार्कण्डेयपुराण । हि० टी०	१२५–००	आत्मपुराण । हिन्दीटीका	१३–५०
लिङ्गपुराण । मूलमात्र	१२०–००	कल्किपुराण । हिन्दीटीका	१५–००

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

कालिकापुराण।	अप्राप्त	सूर्यपुराण। हिन्दीटीका	१३–००
कपिलपुराण। मूलमात्र	४०–००	सौरपुराणम्। मूलमात्र	२०–००
गणेशपुराण। भाषामात्र	१४–००	हरिवंशपुराणम्। नीलकण्ठीटी०	७००–००
देवीपुराण। मूलमात्र	४०–००	हरिवंशपुराणम्। हिन्दीटीका	२४०–००
देवीभागवतम्। मूलमात्र	१००–००	हरिवंशपुराणम्। मूलमात्र	५०–००
देवीभागवतम्। हिन्दीटीका	२२०–००	ऋग्वेदसंहिता। मूलमात्र	१८५–००
बृहद्धर्मपुराण। मूलमात्र	१२५–००	,, सायणभाष्य १–५ भाग	८५५–००
मल्लपुराण। मूलमात्र	२०–००	सामवेदसंहिता। मूलमात्र	३५–००
युगपुराण। हिन्दीटीका	५–००	,, सायणभाष्य १–५ भाग	८००–००
वायुपुराण। भाषामात्र	४०–००	यजुर्वेदसंहिता। मूलमात्र	३५–००
वायुपुराण। मूलमात्र	१००–००	,, उव्वटमहीधरभाष्य	५०–००
वासुकिपुराण। मूलमात्र	३२–००	अथर्ववेदसंहिता। मूलमात्र	८०–००
साम्बपुराण। मूलमात्र	७५–००	,, सायणभाष्य १–५ भाग	३००–००

१२–सञ्जय प्रकाशन

Conceptions of God in Vaisnava Philosophical Systems. M. Dube — 80–00
सूर-सन्दर्भ और दृष्टि। डा० वासुदेव सिंह — ६०–००
दक्खिनी हिन्दी गद्य-साहित्य। डा० वेदप्रकाश शाफी — ८०–००
कला, सृजन-प्रक्रिया और निराला। डा० शिवकरण सिंह — ७५–००
सहृदय परिकल्पना और आधुनिक हिन्दी साहित्य। डा० सूर्य द्विवेदी — ९०–००
प्रेमचन्दोत्तर उपन्यासों में प्रगतिशीलता। डा० निर्मल कुमारी — ६०–००
कविप्रिया (प्रियाप्रकाश)। लाला भगवानदीन — २२–००
बिहारी-बोधिनी (सटीक)। लाला भगवानदीन — १२–००
बिहारी की वाग्विभूति। विश्वनाथ प्रसाद मिश्र — २५–००
घनानन्द कवित्त। विश्वनाथप्रसाद मिश्र प्रथम भाग — १६–००
हिन्दी साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास। डा० वासुदेव सिंह
उद्भव एवं मध्यकाल ४०–०० आधुनिक काल — ३५–००
भारतीय समीक्षाशास्त्र। सूर्यनारायण द्विवेदी — २५–००
रामचन्द्रिका। डा० रामचन्द्र तिवारी — १४–००
श्रीरामायणदर्शनम्। एक मूल्यांकन — ३०–००

१३–पृथ्वी प्रकाशन, वाराणसी

1. Chakradhvaja : The Wheel-flag of India (Being A History Exposition of the Meaning of the Dharma-chakra and the Sarnath Lion Capital). Dr. V. S. Agrawala. — 120–00
2. ब्रह्म-विनय। मधुसूदन ओझा। सम्पादक—डॉ० वासुदेवशरण अग्रवाल — 20–00
3. प्राचीन भारतीय लोकधर्म। डा० वासुदेवशरण अग्रवाल — 15–00
4. भारतीय कला। डा० वासुदेवशरण अग्रवाल — 100–00
5. इतिहास दर्शन। डा० वासुदेवशरण अग्रवाल — 45–00
6. भारतीय धर्म-मीमांसा। डा० वासुदेवशरण अग्रवाल — 45–00

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

7 Indian Art—Vol. II : Gupta Art (History of Indian Art in the Gupta Period 300-600 A. D) Dr. V. S. Agrawala. 120-00
8 The Deeds of Harsha (A Cultural Study of Bana's Harshacharita), Dr. V. S. Agrawala. 200-00
9 The Song Celestial (Gita's Translation of Arnold), ed. by Dr. V. S. Agrawala. 10-00
10 The Cloud Messenger (Meghaduta's Translation of Wilson), ed. by Dr. V. S. Agrawala. 10-00
11 व्याकरण-वार्त्तिक : एक समीक्षात्मक अध्ययन । वेदपति मिश्र 20-00
12 Notes on the Amaravati Stupa. Dr. James Burgess. 45-00
13 Record of the Buddhistic Kingdoms. H. A. Giles. 30-00
14 Indian Serpent Lore or the Nagas in Hindu Legend and Art. Dr. J. Ph. Vogel. 120-00
15 Report on the Antiquities in the District of Lalitpur. N. W. Provinces, India. By P. C. Mukerji. 100-00
16 Coins of Southern India. Sir Walter Elliot. 120-00
17 Chalukyan Architecture, Including Examples from the Bellari Dist. Madras Residency, Alexander Rea. 120-00
18 Antagada-Dasao and Anuttarovavaiya-Dasao : Two Jaina Canons. English Trans. by Dr. L. D. Barnett. 50-00
19 अखण्ड भारत में संस्कृति का उपःकाल । एच० डी० संकालिया 24-00
20 Pre-Kushana Art of Mathura. V. S. Agrawala. 50-00
21 Brihatkathaslokasamgraha : A Study. V. S. Agrawala. 80-00
22 Evolution of the Hindu Temple & Other Essays V. S. Agrawala. 55-00
23 Mathura Railing Pillars. P. K. Agrawala. 45-00
24 Ancient Indian Folk Cults. V. S. Agrawala. 50-00
25 Gupta Temple Architecture. Dr. P. K. Agrawala. 225-00
26 The Astral Divinities of Nepal. P. Pal & Dr. D. C. Bhattachrya. 60-00
27 Early Indian Bronzes. Dr. P. K. Agrawala. 200-00
28 Temples of Tripura. Adris Banerji. 30-00
29 India As Told by the Muslims. R. K. Chaube. 50-00
30 India As Described by Manu. V. S. Agrawala. 25-00
31 Archaeological History of S. E. Rajasthan. A. Benerji 50-00
32 Srivatsa : The Babe of Goddess Sri. P. K. Agrawala. 75-00
33 Museum Studies. Dr. V. S. Agrawala. 50-00
34 Aesthetic Principles of Indian Art. (Their Primary Quest and Formation). Dr. P. K. Agrawala. 80-00
35 Vedic Lectures. Dr. V. S. Agrawala. 70-00
36 **India : A Nation. Dr. V S. Agrawala.** 150-00

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

६७ ब्रह्मतत्वदर्शन । पं० रामप्रसाद शर्मा ५०-००
६८ बृहन्नीलतंत्र । सम्पा० मधुसूदन कौल ९०-००
६९ **बौद्धकापालिक साधना और साहित्य** । डा० नागेन्द्रनाथ उपाध्याय ७५-००
७० **भार्गवतंत्र (पञ्चरात्रागमग्रन्थाः)** । डा० राघवप्रसाद चौधरी ३६-००
७१ **मंत्र और मातृकाओं का रहस्य** । डा० शिवशङ्कर अवस्थी ५०-००
७२ **मन्त्रप्रतिलोम दुर्गा-सप्तशती** । पं० शिवदत्त मिश्र शास्त्री १५-००
७३ **मन्त्र-भागवतम्** । नीलकण्ठप्रणीत । सम्पा० फतहसिंह १-७५
७४ **मंत्र-महाविज्ञान** । हिन्दी अनुवाद सहित । चमनलाल गौतम । १-४ भाग ४४-००
७५ **मंत्रमहार्णव** । हिन्दीटीकासहित । देवीखण्ड १७५-००
७६ **मंत्रमहोदधि** । श्री मन्महीधरकृत । 'नौका' 'मोहिनी' संस्कृत-हिन्दी टीका सहित । श्रीशुकदेव चतुर्वेदी १५०-००
७७ **मंत्रयोग** । हिन्दी अनुवाद सहित । डा० चमनलाल गौतम १०-००
७८ **मंत्ररहस्य** । डा० नारायणदत्त श्रीमाली २४-००
७९ **मंत्रविद्या** । करणी दान सेठिया ६०-००
८० **मंत्रशक्ति** । डा० रुद्रदेव त्रिपाठी १०-००
८१ **मंत्रशक्ति के अद्भुत चमत्कार** । डा० चमनलाल गौतम ६-२५
८२ **मंत्रशक्ति से कामना सिद्धि** । डा० चमनलाल गौतम ७-००
८३ **मंत्रशक्ति से रोग निवारण** । डा० चमनलाल गौतम ७-००
८४ **मंत्रशक्ति से विपत्ति निवारण** । डा० चमनलाल गौतम ७-००
८५ **मंत्रसागर** । डा० रामेश्वरप्रसाद त्रिपाठी 'निर्णय' २४-००
८६ **मनीषी की लोकयात्रा** । डा० भगवती प्रसाद सिंह ४५-००
८७ **मनोकामना सिद्धि** । राजेश दीक्षित १५-००
८८ **महाकालसंहिता** । डा० किशोरनाथ झा सम्पादित । गुह्यकली खण्ड— प्रथम भाग ७०-००, द्वितीय भाग ६०-००, तृतीय भाग ४८-००
८९ **महात्रिपुरसुन्दरी-खड्गमाला** । मण्डनमिश्र ५-५०
९० **महानिर्वाणतन्त्र** । हरिहरानन्द भारती विरचित टीका समेत । आर्थर एवलेन सम्पादित ५०-००
९१ **महानिर्वाणतंत्र** । रमादत्तशुक्ल २०-००
९२ **महामृत्युञ्जय साधना और विधि** । रुद्रदेव त्रिपाठी ४०-००
९३ **महार्थमञ्जरी** । महेश्वरानन्द कृत स्वोपज्ञ व्याख्या । व्रजवल्लभ द्विवेदी १७-५०
९४ **मातृकाभेदतंत्रम्** । रामकुमार राय १५-००
९५ **माहेश्वरीतन्त्रम्** । हिन्दी टीका सहित ५ ००
९६ **(श्री)मालिनीविजयोत्तरतंत्र** । मधुसूदनशास्त्री ८०-००
९७ **मृगेन्द्रतन्त्रम्** । (विद्या एवं योगपाद) ८०-००
९८ **यंत्रचिन्तामणि** । हिन्दी टीका ८-००
९९ **यन्त्रशक्ति** । डा० रुद्रदेव त्रिपाठी । १-२ भाग १६-००
१०० **योग के सर्वोत्तम उपाय** । (विज्ञान-भैरव-तंत्र) । कृपाशंकर अवस्थी ३-००
१०१ **योगिनीतंत्र** । मूलमात्र १२५-००
१०२ **योगिनीतंत्र** । हिन्दी टीका सहित २५-००
१०३ **योगिनीहृदयम्** । अम्बिकानन्दयोगिकृत दीपिका, भास्कररायकृत सेतुबन्धव्याख्या ३३-४०
१०४ **रुद्रयामलतन्त्र** । मूलमात्र । उत्तरतंत्र ६४-००

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

१०५ **रुद्रयामलतन्त्र**। हिन्दी टीका सहित ३-००
१०६ **रुद्राक्ष-अभिज्ञान** । देवदत्त शास्त्री १६-००
१०७ **लक्ष्मीतन्त्रम्** । (पञ्चरात्रागम)। वी० कृष्णमाचार्य सम्पादित ६०-००
१०८ **लक्ष्मीतन्त्रम्** । चमनलाल गौतम १०-००
१०९ **लक्ष्मीतंत्र : धर्म और दर्शन** । डा० अशोककुमार कालिया ४०-००
११० **ललितासहस्रनाम** । भास्कररायकृत व्याख्या ३२-००
१११ **ललितासहस्रनाम** । पं० रमादत्त शुक्ल २०-००
११२ **लुप्तागमसंग्रह** । व्रजवल्लभ द्विवेदी द्वितीय भाग ७६-००
११३ **वरिवस्यारहस्यम्** । हिन्दी टीका २०-००
११४ **वशीकरण, मोहिनी विद्या एवं शक्ति-चक्र सिद्धि के प्रयोग** ।
राजेश दीक्षित १२ ००
११५ **विज्ञानभैरवः** । सम्पा० व्रजवल्लभ द्विवेदी २०-००, ३५-००
११६ **विज्ञानभैरवतन्त्र** । (योग के सर्वोत्तम उपाय)। हिन्दी टीका सहित ।
कृपाशंकर अवस्थी ३-००
११७ **विष्णुतत्त्वदर्शन** । पं० रामप्रसाद शर्मा ६०-००
११८ **विष्णुमहिमा** । दाऊदयाल गुप्त १२-००
११९ **विश्वामित्रसंहिता** । डा० उमाशंकर भट्ट सम्पादित २२-००
१२० **विष्वक्सेनसंहिता** । श्रीलक्ष्मीनृसिंह भट्ट सम्पादित २९-००
१२१ **वैदिक मन्त्र विद्या** । हिन्दी अनुवाद सहित । डा० चमनलाल गौतम १०-००
१२२ **शक्तितत्त्वदर्शन** । पं० रामप्रसाद शर्मा १०-००
१२३ **शक्ति-भाष्य का अध्ययन** । डा० श्रीमती सुशीला 'कमलेश' ५०-००
१२४ **शक्तिसङ्गमतन्त्रम्** । **कालीखंड** ३५-०० **सुन्दरीखण्ड** ३५-००
छिन्नमस्ताखण्ड ४९-००
१२५ **शाक्तसौरभ** । हिन्दी टीका सहित । १-२ भाग १९ ००
१२६ **शाबरचिन्तामणिः** । नित्यनाथसिद्ध मत्स्येन्द्र कृत ३-००
१२७ **शारदातिलक** । पदार्थादर्श व्याख्या १०० ००
१२८ **शारदातिलक** । आर्थर एवलन १२०-००
१२९ **शारदातिलक** । सरल हिन्दी अनुवाद सहित । डा० चमनलाल गौतम १४ ००
१३० **शिवस्वरोदयः** । राजेश दीक्षित । भाषा टीका सहित ४-५०
१३१ **शैव परिभाषा** । शिवाग्र योगीन्द्र कृत ३-७५
१३२ **श्रीप्रश्नसंहिता** । श्रीमती सीतापद्मनाभन सम्पादित ३६ ००
१३३ **श्रीपाञ्चरात्ररक्षा** । वेदान्तदेशिक । सम्पा० एम० दुरै स्वामी आयंगर
तथा टी० वेणुगोपालाचार्य २०-००
१३४ **सनत्कुमारसंहिता** । पं० वी० कृष्णमाचार्य सम्पादित ४०-००
१३५ **सम्बोधि** । कविराज १२-००
१३६ **सांख्यायनतन्त्रम्** । गोस्वामी लक्ष्मीनारायण दीक्षित सम्पादित ४-००
१३७ **सात्वतसंहिता** । १२०-००
१३८ **सारस्वत कुण्डलिनी महायोग (शक्तिपात-शास्त्र)** । डा० जे० सी०
भारतीय ४८-००
१३९ **सिंह-सिद्धान्त-सिन्धुः** । गोस्वामी श्री शिवानन्दभट्ट प्रणीत । सम्पादक—
गोस्वामी लक्ष्मीनारायण दीक्षित् । प्रथम भाग १२-५०, द्वितीय भाग १६-७५

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

१४० **सौन्दर्यलहरी** । लक्ष्मीधरा-सौभाग्यवर्धनी-अरुणामोदिनी-आनन्दगिरीया-तात्पर्यदीपिनी-पदार्थचन्द्रिका-डिण्डिमभाष्य-गोपालसुन्दरी-आनन्दलहरी-व्याख्यासमलंकृता । आंग्लानुवाद टिप्पणी-द्रविडानुवाद-द्रविड हिन्दी पद्यानुवाद-द्रविडांग्लभाषागतप्रयोगयंत्रपूजाविधिसंयुक्ता । ए० कुप्पूस्वामी सम्पादित ६५-००
१४१ **सौन्दर्यलहरी** । लक्ष्मीधरव्याख्या-भावनोपनिषद्-भाष्कररायभाष्यसहित ८-५०
१४२ **सौन्दर्यलहरी** । हिन्दी अनुवाद तथा श्रीविद्यातत्वकुण्डलिनीरहस्य सहित १०-००
१४३ **स्पन्दकारिका** । हिन्दी टीका ४०-००

१५—ज्यौतिष-ग्रन्थाः

१ **(बृहत्) अंक ज्यौतिष विज्ञान** । राजेश दीक्षित १८-००
२ **अङ्क विद्या** । गोपेशकुमार ओझा ५-००
३ **अंगुष्ठ से भविष्य ज्ञान** । भोजराज द्विवेदी ५१-००
४ **अखण्ड त्रिकालज्ञ ज्यौतिष** । (सहायक भृगुसंहिता पद्धति) भगवानदास ८-२५
५ **अध्यात्मज्योतिषविचार** । काटवे ४५-००
६ **अनिष्ट ग्रह : कारण और निवारण** । जगन्नाथ भसीन १०-००
७ **अर्वाचीनज्यौतिर्विज्ञानम्** । रमानाथ सहाय विरचित १२-००
८ **अहिबलचक्रम्** । सान्वय 'शिशुतोषिणी' हिन्दी टीका सहित २ ००
९ **आप और आपकी राशि** । केवल आनन्द ६-००
१० **उकरा** । सावजूसयूसकृता । विभूतिभूषण भट्टाचार्य सम्पादित २९-००
११ **उडुदायप्रदीप लघुपाराशरीरभाष्य** । मुकुन्दवल्लभ ६-००
१२ **उत्तरकालामृत** । जगन्नाथ भसीन २० ००
१३ **एक मास में ज्यौतिष सीखिये !** डा० गौरीशंकर कपूर ८ ००
१४ **केरलप्रश्नसंग्रह** । हिन्दी टीका सहित । सीताराम झा २-५०
१५ **केरलीय ज्यौतिष** । शुक्राचार्य । डा० गौरीशङ्कर कपूर । भाषा १०-००
१६ **केशवीयजातकपद्धति** । हिन्दी टीका २०-००
१७ **खेटकौतुकम्** । भावबोधिनी हिन्दी टीका सहित २ ५०
१८ **गणित का इतिहास** । डा० व्रजमोहन ९ ५०
१९ **गणितयुक्तयः** । के० वी० शर्मा सम्पादित प्रथम भाग २०-००
२० **गुरुविचार** । ह० ने० काटवे । अनु० विद्याधर जोहरापुरकर ५-००
२१ **गोचरविचार** । ह० ने० काटवे ४ ५०
२२ **गोचरविचार** । जगन्नाथ भसीन १०-००
२३ **गोलपरिभाषा** । शुंकुज्याक्षेत्रविचारसहिता । तत्त्वप्रकाशिकाविवृतिविभूषिता ०-७५
२४ **गोलसारः** । नीलकण्ठ सोमयाजी कृत । के० वी० शर्मा सम्पादित ६-००
२५ **गोलीय रेखागणित** । श्री मीठालाल ओझा कृत २ ५०
२६ **गौरीजातक** । 'विमला' हिन्दी टीका सहित ०-७५
२७ **ग्रहगणितमीमांसा** । मुरारीलाल शर्मा विरचित ५-५०
२८ **ग्रहगति का क्रमिक विकास** । श्रीचन्द्र पाण्डेय ७५-००
२९ **ग्रहगोचरः** । शिशुतोषिणी हिन्दी टीका सहित १-००
३० **ग्रहनक्षत्र** । डा० सम्पूर्णानन्द १५-२५
३१ **ग्रहनक्षत्राणि** । डा० सम्पूर्णानन्द २३-००
३२ **ग्रहणन्यायदीपिका** । परमेश्वर विरचित । आंग्लानुवाद सहित ९-००
३३ **ग्रहणमण्डनम्** । परमेश्वरविरचितम् । आंग्लानुवाद सहित ७-००

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

३४ **ग्रहलाघवम्** । सान्वय तारा नामक संस्कृत व्याख्या, हिन्दी टीका-वक्तव्य-उदाहरण आदि से समन्वित । डा० ब्रह्मानन्द त्रिपाठी शीघ्रप्राप्य

३५ **ग्रहलाघवम्** । 'मधुकरी' संस्कृत-हिन्दी टीका सहित ३०-००

३६ **ग्रहलाघवकरणम्** । मल्लारि संस्कृत व्याख्या । हिन्दी टीका सहित ३५-००

३७ **ज्ञानचतुर्विंशी** । नरचन्द्रोपाध्याय विरचित २ ००

३८ **चन्द्रकलानाड़ी** । जगन्नाथ भसीन १०-००

३९ **चन्द्रगोलविमर्शः** । रामचन्द्र पाण्डेय २७-००

४० **चन्द्रछायागणितम्** । नीलकण्ठ विरचित । सम्पा० के० वी० शर्मा १०-००

४१ **चन्द्रविचार** । ह० ने काटवे । अनु० विद्याधर जोहरापुरकर ४-००

४२ **चमत्कारचिन्तामणिः** । भट्टनारायण कृत । ब्रजविहारीलाल शर्मा कृत हिन्दी टीका सहित २८-००, ३५-००

४३ **चापीयत्रिकोणगणितम्** । श्री नीलाम्बर झा कृत । पं० अच्युतानन्द झा कृत परीक्षोपयुक्त विविधवासनासमलंकृत ५ ००

४४ **चुने हुए ज्यौतिष योग** । जगन्नाथ भसीन १०-००

४५ **जन्म-कुण्डली-पत्र** । (वेल-बूटेदार) सैकाड़ा २५-०० प्रत्येक पत्र ०-३०

४६ **जन्मपत्रदीपकः** । सोदाहरण सटिप्पण टीका सहित ४-००

४७ **जन्मपत्रविधानम्** । 'तत्वप्रभा' हिन्दी टीका युक्त । लखणलाल झा ३ ५०

४८ **जातकपरिजात** । 'सुधाशालिनी' 'विमला' संस्कृत टोका । मातृकाप्रसाद ५० ००

४९ **जातकपारिजातः** । हिन्दीसौरभ भाष्य सहित । गोपेशकुमार ओझा ।
१-२ भाग । अजिल्द ११०-००, सजिल्द १४५-००

५० **जातकादेशमार्ग (चन्द्रिका)** । गोपेशकुमार ओझा १०-००

५१ **जातकाभरणम्** । पं० अच्युतानन्द झा कृत 'विमला' हिन्दी टीका सहित १६-००

५२ **जातकालङ्कारः** । 'भावबोधिनी' हिन्दी टीका सहित ५-००

५३ **जातकालङ्कारः** । गणेशदैवज्ञकृत । तत्वप्रकाशिका संस्कृत-हिन्दी टीका युक्त । लखणलाल झा ४-००

५४ **जैमिनीयसूत्रम्** । पं० अच्युतानन्द झा कृत 'विमला' हिन्दी टीका सहित ७-००

५५ **ज्योतिष और रोग** । जगन्नाथ भसीन १०-००

५६ **ज्योतिषकल्पद्रुम : मुहूर्तपारिजात** । पण्डित सोहनलाल व्यास । सम्पादक—पं० सीताराम झा ज्यौतिषाचार्य २०-००

५७ **ज्योतिष जगत्** । शत्रुघ्नलाल शुक्ल २५ ००

५८ **ज्योतिष जगत्** । दुर्गादत्त शर्मा १२-००

५९ **ज्योतिष-प्रश्नफल-गणना** । (ज्योतिश्चक्रं राशिचक्रम्) 'विमला' हिन्दी व्याख्योपेता । श्रीदयाशङ्कर उपाध्याय २ ००

६० **ज्योतिषतत्त्वप्रकाश** । लक्ष्मीकान्त कन्याल ३०-००

६१ **ज्योतिष-योग-रत्नाकर** । पं० राजशेखर दैवज्ञ ५-२५

६२ **ज्योतिषयोगरत्नाकर** देवकीनन्दन सिंह १२०-००

६३ **ज्योतिषरत्नमाला** । श्रीपति भट्ट कृत । मराठी टीका सहित १२-००

६४ **ज्योतिर्विज्ञान** । धूलिपाल अर्क सोमयाजी विरचित ९-००

६५ **ज्योतिषशास्त्र में स्वर विज्ञान का महत्त्व** । केदारदत्त जोशी २८-००

६६ **ज्योतिष शिक्षा (सचित्र)** । बी० एल० ठाकुर ।
प्रारम्भिक ज्ञान—प्रथम खण्ड ३५-००, फलित खण्ड—प्रथम भाग २०-००
द्वितीय भाग ५०-००, तृतीय भाग ४०-००, गणित खण्ड १-२ भाग ३५-००

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

वर्षफल खण्ड २५–००, प्रश्नज्ञान खण्ड २५–००, मुहूर्त्त खण्ड १६–००
संहिता खण्ड ३०–००, सम्पूर्ण २७६–००

६७ **ज्योतिषसर्वसंग्रहः** । हिन्दी टीका सहित । रामस्वरूप ७ ५०

६८ **ज्योतिषसार** । हिन्दी टीका युक्त । सम्पा० श्री सीताराम एडवोकेट ६ ००

६९ **तन्त्रसंग्रहः** । नीलकण्ठ सोमयाजि कृत । शंकर कृत युक्तिदीपिका-लघुविवृति व्याख्या सहित । सम्पादक––के० वी० शर्मा ५०-००

७० **ताजिकनीलकण्ठी** । संस्कृत-हिन्दी टीका सहित । सम्पा० पं० गङ्गाधर मिश्र २०–००

७१ **ताजिकनीलकण्ठी** भाषा टीका सहित । केदारदत्त जोशी ४५–००

७२ **तीसरा नेत्र : ज्यौतिष** । कृपाशंकर अवस्थी ८–००

७३ **त्रिफला (ज्योतिष)** । गोपेशकुमार ओझा ८–००

७४ **तेजविचार** । ह० ने० काटवे २–५०

७५ **दशाफलरहस्य** । जगन्नाथ भसीन १२–००

७६ **दशाफलविचार** । जगजीवनदास १०–००

७७ **दाम्पत्य सुख : ज्योतिष के झरोखे से** । शुकदेव चतुर्वेदी २५–००

७८ **दीर्घवृत्तलक्षणम्** । पं० सुधाकर द्विवेदी विरचित । सम्पा० कृष्णचन्द्र द्विवेदी ४–५०

७९ **दृग्गणितम्** । परमेश्वर कृत । सम्पा० के० वी० शर्मा ८–००

८० **दैवज्ञाभरणम्** । श्रीनिवासशास्त्री ६–४०

८१ **दैवज्ञवल्लभा** हिन्दी टीका सहित २५–००

८२ **नरपतिजयचर्या** । श्रीगणेशदत्त पाठक कृत सुबोधिनी संस्कृत-हिन्दी व्याख्या ३५–००

८३ **नष्टजातकम्** । मुकुन्द दैवज्ञ । भाषा टीका २५–००

८४ **नारदसंहिता** । हिन्दी टीका सहित ६०–००

८५ **नाडिदत्तपञ्चविंशतिका** । हिन्दी टीका सहित । डा० ब्रह्मानन्द त्रिपाठी १–००

८६ **नीहारिकाएँ** । डा० गोरख प्रसाद ४–२५

८७ **पञ्चसिद्धान्तिका** । वाराहमिहिरविरचिता । सुधाकर द्विवेदी कृत संस्कृत व्याख्या, जी० थीबो कृत आंग्लानुवादेन च सहिता । तथ्यामेव सम्पादिता ६०–००

८८ **पञ्चाङ्गविज्ञानम्** । हिन्दी टीका सहित १–००

८९ **पाश्चात्यज्योतिष** जगन्नाथ भसीन १०–००

९० **प्रश्नचण्डेश्वर** दैवज्ञरामकृष्णविरचित । हिन्दी टीका सहित । आचार्य रामजन्म मिश्र ७–५०

९१ **प्रश्नचन्द्रप्रकाश** । चन्द्रदत्त पन्त ७–००

९२ **प्रश्नप्रकाशः** । देवकीनन्दन शास्त्री कृत हिन्दी टीका सहित ४–००

९३ **प्रश्नभूषणम्** । 'विमला' 'सरला' संस्कृत-हिन्दी टीका ४–००

९४ **प्रश्नमार्ग (फलित)** । आंग्ल तथा हिन्दी टीका सहित । प्रथम भाग ३०–००
द्वितीय भाग ३०–००, तृतीय भाग ८०–००

९५ **प्रश्न-सिन्धु** । सीताराम गुप्त कृत भाषा टीका ३–००

९६ **प्रारम्भिक ज्योतिष विज्ञान** । पं० राजशेखर ७–५०

९७ **फलदीपिका** । हिन्दी टीका संहित । गोपेशकुमार ओझा ५०–००

९८ **फलित ज्यौतिष विज्ञान** । भारतीय योगी ४–५०

९९ **फलितमार्त्तण्ड** । मुकुन्दवल्लभ १६–००

१०० **फलितसूत्र** । जगन्नाथ भसीन १०–००

१०१ **बालबोधज्यौतिषसारसमुच्चयः** । शास्त्री यज्ञदत्त दुर्गाशङ्कर ठक्कर १०–००

१०२ **बीजगणितम्** । हिन्दी टीका सहित ५०–००

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

१०३ **बुधविचार** । ह० ने० काटवे । अनुवादक—विद्याधर जोहरापुरकर ५-००
१०४ **बृहज्जातक** । 'विमला' हिन्दी टीका सहित २०-००
१०५ **बृहज्ज्यौतिषसारः** । हिन्दी टीका, विशेष विवरण, विविध प्रकार के चक्र, सारणी आदि से सुसज्जित फलित का अभिनव ग्रन्थ । श्री वासुदेव गुप्त २५-००
१०६ **बृहत्पाराशरहोराशास्त्रम्** । 'सुधा' हिन्दी टीका सहित । देवेन्द्र झा ६०-००
१०७ **बृहदवकहडाचक्रम्** । 'बालबोधिनी' हिन्दी टीका । कलानाथ झा २-५०
१०८ **बृहद्यवनजातकम्** । मीनराज कृत । डेविड पिंगरे सम्पादित । १-२ भाग १५८-००
१०९ **बृहद्वास्तुमाला** । रामनिहोरद्विवेदी कृत । हिन्दी टीका सहित १२-००
१०९ **बृहत्संहिता** । पं० श्री अच्युतानन्द झा कृत नवीनोदाहरणोपपत्ति युक्त 'विमला' हिन्दी टीका सहित ६०-००
११० **बृहत्-होडाचक्रविवरणम्** । हिन्दी टीका सहित । पं० मुरलीधर ठक्कुर १-००
१११ **ब्रह्मसिद्धान्त** । मधुसूदनओझाविरचित । गिरिधरशर्माचतुर्वेदी कृत व्याख्या १८-००
११२ **भारतीयऋतुविज्ञानम्** । भास्करानन्द लोहनी ४-५०
११३ **भारतीय कुण्डली विज्ञान** । हिन्दी । मीठालाल ओझा ३५-००
११४ **भारतीय ज्यौतिष** । नेमिचन्द्रशास्त्री कृत । हिन्दी ३५-००
११५ **भारतीय ज्योतिष** । शङ्कर बालकृष्ण दीक्षित । अनु० शिवनाथ झारखण्डी ८-००
११६ **भारतीय ज्योतिष का इतिहास** । डा० गोरखप्रसाद ६-००
११७ **भारतीय लग्नसारिणी** । गोपेशकुमार ओझा १६-००
११८ **भावकुतूहलम्** । सान्वय हिन्दी टीका सहित १४-००
११९ **भावदीपिका** । भास्कराचार्य कृत । गौरीशंकर कपूर । भाषा १०-००
१२० **भावप्रकाशः** । जीवनाथ दैवज्ञ प्रणीत । डा० पुष्पलाल झा कृत हिन्दी व्याख्या ४-००
१२१ **भावविचार** । ह० ने० काटवे । अनु० विद्याधार जोहरापुरकर ४-५०
१२२ **भावार्थरत्नाकर** । रामानुजात्राय । जगन्नाथ भसीन कृत हिन्दी टीका सहित १२-००
१२३ **भावेशविचार** । ह० ने० काटवे । अनु० विद्याधर जोहरापुरकर ५ ००
१२४ **भास्वती** । हि० टी० सहित ४०-००
१२५ **भृगुसंहितापद्धति** । भगवानदास मीतल २५-००
१२६ **भृगुसहिता फलितप्रकाश** । राजेश दीक्षित ५१-००
१२७ **भृगुसूत्रम्** । गौरीशंकर कपूर २५-००
१२८ **मङ्गलविचार** । ह० ने० काटवे । अनु० विद्याधर जोहरापुरकर ५-००
१२९ **महादशाविज्ञान** । पं० राजशेखर ६-५०
१३० **महाभास्करीयम्** । गोविन्दभाष्य तथा परमेश्वर कृत व्याख्या सहित ११-००
१३१ **मानसागरी** । 'सुबोधिनी' हिन्दी व्याख्या, उपपत्ति, विशेष विवरणादि सहित । सम्पा० मधुकान्त झा ३५-००
१३२ **मुहूर्तचिन्तामणिः** । 'मणिप्रदीप' नामक हिन्दी टीका सहित । व्याख्याकारः—श्रीविन्ध्येश्वरी प्रसाद द्विवेदी शीघ्रप्राप्य
१३३ **मुहूर्तचिन्तामणिः** । 'पीयूषधारा' हिन्दी टीका सहित । पं० केदारदत्त जोशी ४०-००
१३४ **मुहूर्तचिन्तामणिः** । मणिप्रभा हिन्दी टीका सहित । कपिलेश्वर शास्त्री १५-००
१३५ **मुहूर्तपारिजात : ज्यौतिष-कल्पद्रुम** । पं० सोहनलाल व्यास । सम्पा०—पं० सीताराम झा ३५-००
१३६ **मुहूर्त्तमार्तण्डः** । सान्वय-मार्तण्डप्रकाशिका व्याख्योपपत्ति-हिन्दी उदाहरण १५-००
१३७ **मूकप्रश्नविचार** । शुकदेव चतुर्वेदी १०-००

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

१३८ **यन्त्रराजरचना** । जयसिंहदेव कृत । सम्पा० केदारनाथ ज्योतिर्विद् १–७५
१३९ **यंत्रराजविचार विंशाध्यायी** । नयनसुखोपाध्याय विरिचित । सम्पा० विभूतिभूषण भट्टाचार्य ११–००
१४० **योग-विचार** । ह० ने० काटवे । अनु० ल० दा० नवरे । १–७ भाग २०–५०
१४१ **रत्नदीपिका रत्नशास्त्रम्** । चण्डेश्वर-बुधभट्टाभ्यां विनिर्मितम् २–२५
१४२ **रत्नपरिचय** । जगन्नाथ भसीन १०–००
१४३ **रत्नपरीक्षादि-सप्त-ग्रन्थसंग्रहः** । ठक्कुर-फेरू विरचित ९–२५
१४४ **रत्नदीप** । डा० गौरीशङ्कर कपूर ४०–००
१४५ **रत्नविज्ञान (Gemology)** । डा० राधाकृष्ण पराशर २०–००
१४६ **रत्नविज्ञान** । पुरुषोत्तमदास स्वामी २०–००
१४७ **रमलनवरत्नम्** । विमला हिन्दी टीका । पं० अच्युतानन्द झा ७–००
१४८ **रविविचार** । ह० ने० काटवे विद्याधर जोहरापुरकर ४–००
१४९ **राशिगोलस्फुटानीति** । अच्युतमतानुसारिणी ९–००
१५० **राङ्यभिधानकल्पलता** । मुकुन्दवल्लभ ५–००
१५१ **राहु-केतु-ग्रहण विचार** । ह० ने० काटवे । अनु० विद्याधर जोहरापुरकर ८–००
१५२ **लग्नचन्द्रप्रकाश** । चन्द्रदत्त पन्त २५–००, ३६–००
१५३ **लग्नचन्द्रिका** । हिन्दी टीका सहित १४–००
१५४ **लग्नरत्नाकरः** (बृहल्लग्नजातकम्) । शिशुबोधिनी हिन्दी टीका सहित २–५०
१५५ **लघुजातकम्** । वाराहमिहिर । तत्वप्रभा संस्कृत-हिन्दी टीका सहित १५–००
१५६ **लघुपाराशरी-मध्यपाराशरी** । सोदाहरण-सुबोधिनी-संस्कृत-हिन्दी टीका ४–००
१५७ **लघुपाराशरीसिद्धान्त** । मेजर खोत ४०–००
१५८ **लीलावती** । नवीन वैज्ञानिक 'तत्त्वप्रकाशिका' संस्कृत-हिन्दीव्याख्या, उपपत्ति, उदाहरण, परिशिष्ट सहित । व्याख्याकर—श्रीलखणलाल झा २५–००
१५९ **लीलावती** । शंकरनारायण कृत क्रियाक्रमकर्माख्ययाव्याख्यायुत ८०–००
१६० **वर-वधूरेखामेलापक** । सीताराम गुप्त ५–५०
१६१ **वर्षफल कैसे बनाएँ ?** भारतीय योगी ४–००
१६२ **वर्षफलविचार** । परमानन्दशर्मा १०–००
१६३ **वर्षयोगावली** । बालक्रीड़ा-हिन्दीटीकया स्तोत्रमंत्रादिमिश्रविभूषिता । व्याख्याकार—मधुसूदनशास्त्री ८–००
१६४ **(बृहत्) वास्तुमाला** । पं० रामनिहोर द्विवेदी संगृहीत । हिन्दी भाषानुवाद, टिप्पणी समलंकृत १२–००
१६५ **वृत्तविवेचनम्** । दुर्गासहाय कृत ६–००
१६६ **व्यवहार-रत्नम्** । 'तारा'ऽभिधानया-हिन्दीव्याख्ययासंवलितम् । डा० ब्रह्मानन्द त्रिपाठी ४–००
१६७ **व्यावहारिक ज्योतिषतत्व** । 'तत्त्वप्रभा' हिन्दी व्याख्या । पं० लखणलाल झा १२–००
१६८ **शकुन ज्योतिषशास्त्र** । राजेश दीक्षित १८–००
१६९ **शकुनप्रदीपः** । लावण्यशर्मा विरचित १–००
१७० **शनिविचार** । ह० ने० काटवे । अनु० विद्याधर जोहरापुरकर ५–००
१७१ **शरीर-लक्षण विज्ञान** । राजेश दीक्षित १८–००
१७२ **शिवसंहिता** । संतान-कर्मविपाक-कोष-प्रश्नावली–कुण्डली-फलित सहित ८–००
१७३ **शिशुबोधः** । सान्वय–'चन्द्रिका'–भाषाटीकासमन्वितः । ब्रह्मानन्द त्रिपाठी २–००

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

१७४	**शिष्यधीवृद्धिम्** । भास्कराचार्यकृत विवरण सहित	४५–००
१७५	**शीघ्रबोधः** । 'निर्मला'–भाषाटीकासमेतः । डॉ० ब्रह्मानन्द त्रिपाठी	६–५०
१७६	**शुक्रविचार** । ह० ने० काटवे । अनु० विद्याधर जोहरापुरकार	५–००
१७७	**शुभाशुभग्रहनिर्णयविचार** । ह० ने० काटवे । अनु० विद्याधर जोहरापुरकर	५–००
१७८	**षट्पञ्चाशिका** । भट्टोत्पलकृत संस्कृत टीका 'विभा' हिन्दी टीका सहित	१–५०
१७९	**षड्वर्गफलप्रकाशः** । मुकुन्दवल्लभ जोशी	८–००
१८०	**सत्यजातकम्** । सत्याचार्य	२५–००
१८१	**सत्यसिद्धान्तज्योतिष** । प्रभुलालशर्मा	६–००
१८२	**सरल त्रिकोणमिति** । म० म० बापूदेव शास्त्री	२९–००
१८३	**सामुद्रिकरहस्यम्** । हिन्दी टीका सहित	१०–००
१८४	**सारावाली** । 'कान्तिमयी' हिन्दी व्याख्या । डॉ० मुरलीधर चतुर्वेदी	४५–००
१८५	**सिद्धान्तदर्पणम्** । गार्ग्य केरल नीलकण्ठ विरचित । सम्पा० के०वी० शर्मा	१२–००
१८६	**सिद्धान्तशिरोमणिः** ।	६८–००
१८७	**सिद्धान्तशिरोमणिः** । वासनाभाष्य । प्रथम भाग	२०–००
१८८	**सिद्धान्तसार्वभौमः** । मुनीश्वरविरचित । मीठालाल ओझा सम्पादित तृतीय भाग	३२–२०
१८९	**सिद्धसिद्धान्तसिन्धुः** । गोस्वामी श्रीशिवानन्द भट्ट कृत । १–२ भाग	२८–२५
१९०	**सुगमज्यौतिषप्रवेशिका** । गोपेशकुमार ओझा	२०–००
१९१	**सुलभज्यौतिषज्ञान** । दैवज्ञ वासुदेव सदाशिव खानखोजे	५०–००
१९२	**सूर्यग्रहणम्** । डॉ० कृष्णचन्द्र द्विवेदी विरचित	१२–००
१९३	**सूर्यसिद्धान्त** । विज्ञानभाष्य । १–२ भाग	८०–००
१९४	**सूर्यसिद्धान्त** । कपिलेश्वर शास्त्री कृत तत्वामृतभाष्य, उपपत्ति, टिप्पणी	२५–००
१९५	**स्कन्दशारीरकम्** ।	१५–००
१९६	**स्फुटनिर्णयतंत्र** । अच्युतकृत	१२–००
१९७	**स्फुटचन्द्राप्तिः** । सङ्गमग्राममाधव कृत । सम्पा० के० वी० शर्मा । आंग्लानुवाद युक्त	६ ००
१९८	**हयतग्रन्थ** ।	६–००
१९९	**हस्तपरीक्षा** । कीरो	१०–००
२००	**हस्त-रेखाएँ** । भारतीय योगी	३–५०
२०१	**हस्तरेखामहाविज्ञान** । भारतीय योगी	११–००
२०२	**हस्तरेखाविज्ञान** । शरीर-लक्षण सहित । गोपेशकुमार ओझा	२०–००
२०३	**(बृहद्) हस्त-रेखाशास्त्र** । डॉ० नारायणदत्त श्रीमाली	१८–००
२०४	**हस्तरेखा सामुद्रिकशिक्षा** । सचित्र । एन० वी० ठाकुर	२०–००
२०५	**हिन्दू गणितशास्त्र का इतिहास** । अङ्कसंकेत और अङ्कगणित । विभूतिभूषणदत्त एवं अवधेशनारायण सिंह । अनुवादक—कृपाशङ्कर शुक्ल	५–००
२०६	**होरारत्नम्** । श्रीवल्लभमिश्र । 'इन्दुमती' हिन्दी टीका सहित । सम्पा०—डॉ० मुरलीधर चतुर्वेदी १–२ भाग	१००–००
२०७	**होराशास्त्रम्** । वाराहमिहिरकृत । अपूर्वार्थप्रदर्शिका संस्कृत व्याख्या सहित	२५–००

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

निम्न संस्थानों के प्रकाशन भी हमारे यहाँ से उपलब्ध होंगे :

स्वामी श्रीअखण्डानन्द जी के साहित्य
आनन्द आश्रम संस्था, पूना
अरविन्द-साहित्य
अद्वैत आश्रम, कलकत्ता
अखिल भारतीय संस्कृत परिषद्, लखनऊ
बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना
बिहार हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, पटना
वैद्यनाथ आयुर्वेदभवन, नागपुर
बौद्धभारती प्रकाशन, वाराणसी
काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी
सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी
भण्डारकर ओरियण्टल रिसर्च इन्स्टीच्यूट
अडियारलायब्रेरी, मद्रास
पुराणपुरुष श्यामाचरणलाहिड़ी-साहित्य
चेतना प्रकाशन, नागपुर
गणेश एण्ड कम्पनी, मद्रास
गंगानाथझा केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ
लालबहादुर शास्त्री केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ
केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपती
हरियाणा साहित्य अकादमी
हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग
नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
निर्णयसागर प्रकाशन, बम्बई
खेमराज श्रीकृष्णदास, बम्बई
कामेश्वरसिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय
कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र
कुप्पुस्वामी शास्त्री रिसर्च इन्स्टीट्यूट, मद्रास
सर्वभारतीय काशीराज ट्रस्ट प्रकाशन
नाग पब्लिशर्स, दिल्ली
मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी
मध्यप्रदेश शासन साहित्य परिषद्
मैन्युस्क्रिप्ट लायब्रेरी, मद्रास
मैसूर विश्वविद्यालय, मैसूर
मिथिला रिसर्च इन्स्टीच्यूट, दरभंगा
महेश रिसर्च इन्स्टीट्यूट, वाराणसी
प्राज्ञ पाठशाला, सतारा
राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी
रणवीर केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ
राजस्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर
संस्कृत एजूकेशन सोसायटी
स्वाध्याय मण्डल, पारडी
तिलक ब्रदर्स, पूना
उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ
उभयवेदान्त ग्रन्थमाला, मद्रास
विरजानन्द वैदिक शोधसंस्थान
विश्वेश्वरानन्द पुस्तक भण्डार, होशियारपुर
वैदिक संशोधन मण्डल, पूना

चौखम्बा-सुरभारती-ग्रन्थमाला ५५

कालिदास-ग्रन्थावली

आचार्य सीताराम चतुर्वेदी

नवीन संशोधित चतुर्थ संस्करण १९८०

मूल्य ६०–००

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

पदार्थविज्ञान दर्पण (सचित्र)

डॉ० विद्याधर शुक्ल

(केन्द्रीय भारतीय चिकित्सा परिषद्, नई दिल्ली द्वारा स्वीकृत पाठ्यक्रमानुसार)

प्रस्तुत 'पदार्थविज्ञान-दर्पण' २१ अध्यायों में विभक्त है। सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी के लब्ध-प्रतिष्ठ विद्वानों द्वारा समादृत श्री शुक्ल की ओजस्विनी लेखनी द्वारा लिखा गया, आपके चिरकालिक अध्यापन के अनुभवों से मंडित, सरल, सरस भाषा द्वारा पल्लवित, विषय-विवेचन की प्रौढ़ता से गरिमामय, सूक्ष्म-विवेचन के कारण सर्वविध विषयों से समन्वित यह अभिनव ग्रन्थ सम्बन्धित विद्वानों द्वारा सम्मान पायेगा और पदार्थविज्ञान विषय के जिज्ञासु छात्रों का मार्ग प्रशस्त करेगा। ग्रन्थकर्ता ने अपनी योग्यता द्वारा विषय को सरलतम रूप देने में जो कुशलता दिखलायी है, उसके कारण ग्रन्थ की उपयोगिता और भी अधिक बढ़ गयी है। आवश्यक स्थलों को समझाने के लिये विविध प्रकार के चार्टों, तालिकाओं तथा सम्बन्धित चित्रो का इसमें सन्निवेश कर ग्रन्थ के महत्व को पर्याप्त पुष्ट करने का प्रयास किया गया है। ४०-००

त्वचा विज्ञान प्रवेशिका

डा० अ० व्यं० सावजी

भारतीय शरीर-क्रिया-विज्ञान का विदेशीय विद्वानों ने अपने ढंग से अध्ययन कर उसकी उपलब्धियों को अंग्रेजी भाषा में लिपिबद्ध किया है। सम्बन्धित विषय के जिज्ञासुओं के लिए आवश्यक है कि वे प्राच्य तथा पाश्चात्य विचारों से अवगत हों। इस दिशा में श्रीसावजी का १३ अध्यायों में विस्तृत हिन्दी भाषा में लिखा गया यह ग्रन्थ त्वचा का अथ से इति तक का ज्ञान कराने के लिये सक्षम है। इसमें विषयों का चयन अत्यन्त मनोवैज्ञानिक ढंग से प्रस्तुत किया गया है। १०-००

STUDIES ON NĀDIPARĪKṢA

(SPHYGMOLOGY)

By

Dr. Sarva Deo Upadhyaya

Shortly.

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

❀ सर्वश्रेष्ठ अभिनव संस्करण ❀

चरक-संहिता

'चरक-चन्द्रिका'-हिन्दीव्याख्या-विशेष वक्तव्य आदि से संवलित

व्याख्याकार—**डॉ० ब्रह्मानन्द त्रिपाठी**

साहित्याचार्य, आयुर्वेदाचार्य

एम० ए०, पी-एच० डी०, डी० एस-सी० ए०

प्राक्कथन लेखक—**डॉ० गङ्गासहाय पाण्डेय**

सम्प्रति उपलब्ध चरक-संहिता ८ स्थानों तथा १२० अध्यायों में विभक्त हैं। प्रस्तुत संहिता काय चिकिसा का सर्वमान्य ग्रन्थ है। जैसे समस्त संस्कृत वाङ्मय का आधार वैदिक साहित्य है, ठीक वैसे ही काय-चिकित्सा के क्षेत्र में जितना भी परवर्ती साहित्य लिखा गया है, उन सब का उपजीव्य चरक है।

चरक-संहिता के अन्त में ग्रन्थकार की प्रतिज्ञा है—**यदिहास्ति तदन्यत्र यन्नेहास्ति न तत् क्वचित्'**—इसका अभिप्राय यह है कि काय-चिकित्सा के सम्बन्ध में जो साहित्य व्याख्यान रूप में अथवा सूत्र रूप में इसमें उपलब्ध है, वह अन्यत्र भी प्राप्त हो सकता है, और जो इसमें नहीं है, वह अन्यत्र भी सुलभ नहीं है। चरक का यह डिण्डिमघोष तुलनात्मक दृष्टि से सर्वदा देखा जा सकता है।

दूसरी विशेषता महर्षि चरक की यह रही है—**'पराधिकारे न तु विस्तरोक्तिः'**। इन्होंने अपने तन्त्र के अतिरिक्त दूसरे विषय के आचार्यों के क्षेत्र में टाँग अड़ाना पसन्द नहीं किया, अतएव उन्होंने लिखा है—**'अत्र धान्वन्तरीयाणाम् अधिकारः क्रियाविधौ'**।

इस प्रकार के आदर्शग्रन्थ पर भट्टारहरिचन्द्र आदि अनेक स्वनामधन्य मनीषियों ने टीकायें लिखकर इसके रहस्यों का उद्घाटन समय-समय पर किया है।

इसके पूर्व भी चरक की कतिपय व्याख्यायें लिखी गयी हैं, वे विषय का बोध भी कराती हैं। चरक-संहिता की **चरक-चन्द्रिका** टीका के रूप में लेखक का इस दिशा में यह स्तुत्य प्रयास है। इसमें यथासम्भव चरक के रहस्यमय गूढ़ स्थलों का सरस भाषा में आशय स्पष्ट किया गया है। स्थल विशेषों पर पारिभाषिक शब्दों के अंग्रेजी नाम भी दे दिये गये हैं। आवश्यकतानुसार प्रकरण विशेष पर आधुनिक चिकित्सा सिद्धान्तों का तुलनात्मक दृष्टि से भी समावेश कर दिया गया है जिससे पाठकों को विषय को समझने में सुविधा हो। साथ ही कठिन स्थलों को विशेष वक्तव्य तथा टिप्पणियों द्वारा प्राञ्जल किया गया है।

सूत्रस्थान	६०–००
प्रथम भाग	१००–००
द्वितीय भाग	शीघ्रप्राप्य

श्रीमदमरसिंहविरचितः

अमरकोषः

विद्वद्वरश्रीभानुजिदीक्षितकृतया 'सुधा'ख्यया

'रामाश्रमी'त्यपरनामधेयया व्याख्यया सहितः

संस्कर्ता—महामहोपाध्यायः पण्डित शिवदत्तदाधिमथः

मूल्य १२५–००

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu